जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

दुमका,औरंगाबाद, आरा, एवं पटना से प्रकाशित

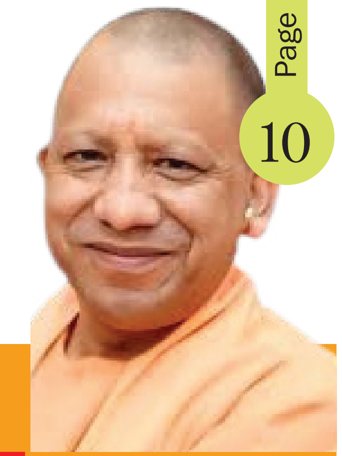

पंत की रणनीति पर उठे सवाल, नरेन के सामने पूरन को भेजकर की भारी भूल — खेल

सीएम योगी का छात्रों को संदेश, असफलता से न हों निराश, चरैवति-चरैवति के मंत्र... — देश

रजि नं.-JHAHIN/2022/82776

• दुमका • मंगलवार • 28 अप्रैल 2026 • वर्ष 05 • अंक 67 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

नीति आयोग के सदस्य गोबर्धन दास ने प्रधानमंत्री से की मुलाकात

एजेंसी, नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से नीति आयोग के सदस्य प्रो. गोबर्धन दास ने सोमवार सुबह मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा कि प्रो. दास का जीवन संघर्षों से भरा रहा है, जिसने समाज सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को और अधिक सशक्त बनाया है। यह समर्पण उनके कार्यों में स्पष्ट रूप से झलकता है और उनके अनुभव एवं विद्वता से देश की नीति-निर्माण प्रक्रिया को मजबूती मिलेगी। उल्लेखनीय है कि सरकार ने शुक्रवार को नीति आयोग की नई पूर्णकालिक टीम की घोषणा की थी। इसमें वरिष्ठ अर्थशास्त्री अशोक कुमार लाहिड़ी को आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही राजीव गौबा, प्रो. केवी राजू, प्रो. गोबर्धन दास, प्रो. अभय करंदीकर और डॉ. एम. श्रीनिवास को पूर्णकालिक सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

राज्य सभा में भाजपा के सांसदों की संख्या हुई 113, सभापति ने दी विलय को मंजूरी

एजेंसी, नई दिल्ली । राज्यसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ताकत और बढ़ गई है। आम आदमी पार्टी (आआपा) छोड़कर भाजपा में शामिल हुए राघव चड्ढा समेत सात सांसदों को राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने औपचारिक मंजूरी दे दी है। इसके बाद राज्यसभा में भाजपा सांसदों की संख्या 106 से बढ़कर 113 हो गई है। सोमवार को राज्यसभा सचिवालय द्वारा सदन में सभी दलों के सांसदों की अद्यतन सूची जारी की गई, जिसमें इन सातों नेताओं के नाम भाजपा सांसदों की सूची में शामिल कर दिए गए। इससे भाजपा को उच्च सदन में और अधिक राजनीतिक मजबूती मिली है। उल्लेखनीय है कि 24 अप्रैल को आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले सांसदों में राघव चड्ढा, अशोक कुमार मित्तल, हरभजन सिंह, संदीप कुमार पाठक, डॉ. विक्रमजीत सिंह साहनी, स्वाति मालीवाल और राजिंदर गुप्ता शामिल हैं। ये सभी अब आधिकारिक रूप से भाजपा संसदीय दल का हिस्सा बन चुके हैं। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर इस घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए कहा," राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने आम आदमी पार्टी के सात सांसदों के भाजपा में विलय को स्वीकार कर लिया है।

पाकिस्तान में मुनीर से मिलकर अराघची रूस रवाना, पुतिन से करेंगे मुलाकात

एजेंसी, इस्लामाबाद । तेहरान ने वाशिंगटन के साथ युद्ध को खत्म करने के लिए अपने कूटनीतिक प्रयास तेज कर दिए हैं। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से मुलाकात के बाद रविवार को ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अराघची रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने के लिए रूस रवाना हो गए। अराघची ओमान से लौटकर दोबारा इस्लामाबाद पहुंचे। उन्होंने ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक को सारी स्थिति से अवगत कराया। अल जजीरा, दुनिया न्यूज और सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, आसिम मुनीर और अराघची की मुलाकात पर ईरान के सरकारी मीडिया ने कोई चर्चा नहीं की है। पाकिस्तान के एक राजनयिक सूत्र ने जरूर कहा कि संभवतः अगली बातचीत में जरूर कोई न कोई हल निकल सकता है। अगले दौर की वार्ता में ईरान और अमेरिका के अलावा खाड़ी देश के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। ईरान के सरकारी मीडिया के अनुसार, विदेश मंत्री अब्बास अराघची रूस में सोमवार को वे राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करेंगे। इस मुलाकात में बातचीत की स्थिति पर चर्चा होगी। इससे पहले, इस सप्ताहांत अराघची पाकिस्तान और ओमान में अहम मध्यस्थों से मुलाकात कर चुके हैं।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन आवासीय विद्यालय परिसर के निर्माण के लिए शीघ्र भूमि चिन्हितिकरण कार्य करें पूर्णः हेमंत सोरेन

रांचीः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को झारखंड मंत्रालय में अधिकारियों के साथ जगुआर कैंपस, रिंग रोड रांची में प्रस्तावित दिशोम गुरु शिबू सोरेन आवासीय विद्यालय परिसर के निर्माण को लेकर बैठक की। मौके पर मुख्यमंत्री के समक्ष अधिकारियों ने प्रस्तावित स्कूल निर्माण से संबंधित बिंदुओं पर पॉवर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से योजना की रूपरेखा, निर्माण कार्य, उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं व भविष्य की कार्य योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित दिशोम गुरु शिबू सोरेन आवासीय विद्यालय परिसर के निर्माण कार्य के लिए जगुआर कैंपस में ही जल्द से जल्द भूमि चिन्हितिकरण कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने अवगत कराया कि प्रस्तावित दिशोम गुरु शिबू सोरेन आवासीय विद्यालय परिसर के निर्माण के लिए डीपीआर तैयार कर लिया गया है तथा जमीन चिन्हितिकरण का कार्य प्रगति पर है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना राज्य सरकार की प्राथमिकता- बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि स्कूल निर्माण से जुड़े सभी कार्य जल्द से जल्द पूरा कर ससमय विद्यालय की स्थापना करें तथा स्कूल में कक्षाएं

संचालित हो इस निमित्त पूरी तत्परता के साथ बेहतर कार्ययोजना बनाते हुए योजना को मूर्त रूप दें। उन्होंने कहा कि राज्य में कर्तव्य के दौरान शहीद हुए पुलिसकर्मी सहित आर्मी व सीपीएमएफ में कार्यरत जवानों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित स्कूल के संदर्भ में क्वालिटी एजुकेशन, आधुनिक संसाधनों व बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर जोर दिया। उन्होंने विद्यालय में स्मार्ट क्लासरूम, लाइब्रेरी, आईसीटी लैब, प्ले ग्राउंड, व खेलकूद की अन्य सुविधाओं सहित अन्य फैसिलिटीज की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश अधिकारियों को दिए।

सभी सुविधाएं बेहतर हो यह सुनिश्चित करें- हेमंत सोरेन ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन आवासीय विद्यालय का संचालन उत्कृष्ट विद्यालय के अनुरूप हो यह सुनिश्चित की जाए। स्कूल परिसर की सभी सुविधाएं आधुनिक व गुणवत्तापूर्ण होनी चाहिए। कक्षा 6 से 12 तक में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के लिए बेहतर रेजिडेंशियल सुविधा प्रदान की जाए। छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग हॉस्टल्स के साथ-साथ पठन-पाठन की सभी सुविधाएं उच्चस्तरीय हों यह सुनिश्चित करें।

जैप-10 होटवार में संचालित होने वाले अस्पताल पर हुई चर्चा- बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व अधिकारियों के बीच पुलिस परिवारों के लिए जैप-10 होटवार, रांची में प्रस्तावित अस्पताल के संचालन पर चर्चा हुई। मौके पर मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने अवगत कराया कि यह अस्पताल पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड पर संचालित की जाएगी। प्रारंभिक चरण में यह अस्पताल 50 शैय्या वाला होगा। आवश्यकता के अनुरूप अपग्रेड करते हुए अस्पताल में बेड की 100 तक की जा सकेगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि अस्पताल में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के साथ-साथ विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए ताकि यहां इलाज कराने पहुंचे पुलिस परिवार के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ की जा सके।

बैठक में ये रहे उपस्थित- बैठक में राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार, अपर मुख्य सचिव गृह विभाग वंदना दादेल, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य विभाग अजय कुमार सिंह, डीजीपी तदाशा मिश्रा, सचिव स्कूली शिक्षा व साक्षरता विभाग उमाशंकर सिंह, एडीजी मुख्यालय-सह-सीआईडी मनोज कौशिक, डीआईजी जगुआर अनूप बिरथरे, डीआईजी बजट संध्या रानी मेहता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री मोदी सिक्किम पहुंचे, हुआ भव्य स्वागत

एजेंसी, गंगटोक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार दोपहर दो दिवसीय दौरे पर सिक्किम की राजधानी गंगटोक पहुंचे। वे राजधानी के निकट लिबिंग आर्मी हेलीपैड पर उतरे, जहां उनका मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डीआर थापा और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी रोड शो के जरिए लोक भवन की ओर आगे बढ़ रहे हैं। सड़कों के किनारे बड़ी संख्या में लोग पारंपरिक वेशभूषा में सजे हुए हैं और पारंपरिक वाद्य यंत्र बजाकर उनका स्वागत कर रहे हैं। लोग उत्साहपूर्वक नारे लगाकर प्रधानमंत्री का अभिवादन कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी भी हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार कर रहे है। लोग सुबह से ही उनके स्वागत के लिए उत्सुकता से इंतजार कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि, प्रधानमंत्री मोदी दो दिवसीय दौरे पर सिक्किम आए हैं। कल वे सिक्किम के राज्यत्व के 50वें वर्ष के समापन समारोह में भाग लेंगे।

बिहार में सभी सरकारी कार्यक्रमों की शुरुआत राष्ट्रीय गीत "वंदे मातरम्" से होगी

एजेंसी, पटना

बिहार में अब सभी सरकारी कार्यक्रमों की शुरुआत राष्ट्रीय गीत "वंदे मातरम्" से होगी। इसके तुरंत बाद राष्ट्रीय गान प्रस्तुत किया जाएगा और फिर निर्धारित कार्यक्रम शुरू होंगे। कार्यक्रम का समापन बिहार राज्य गीत के साथ किया जाएगा। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव मो सोहैल ने सभी विभागीय प्रमुखों, पुलिस महानिदेशक, प्रमंडलीय आयुक्तों और जिलाधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। निर्देश में सरकारी कार्यक्रमों और शैक्षणिक संस्थानों में गीतों के गायन का क्रम भी तय किया गया है।

नई व्यवस्था के तहत सभी शैक्षणिक संस्थानों में भी दिन की शुरुआत राष्ट्रीय गीत से होगी, जिसके बाद राष्ट्रगान गाया जाएगा। इसके बाद संस्थानों का नियमित संचालन

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार किया जाएगा। विभाग ने अधिकारियों को इन निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने को कहा है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने 28 जनवरी 2026 को राष्ट्रीय गीत के सम्मान और उसके गायन को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए थे।

झारखंड : पत्नी की हत्या में सजा काटकर लौटे व्यक्ति ने की भाभी की हत्या

एजेंसी, पश्चिमी सिंहभूम । पश्चिमी सिंहभूम जिले के मंझारी थाना क्षेत्र अंतर्गत तांतनगर ओपी के कासिया गांव में पत्नी की हत्या के मामले में सजा काटकर हाल ही में जेल से बाहर आए एक व्यक्ति ने अपनी भाभी की हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत, आक्रोश और शोक का माहौल है। मृतका की पहचान 56 वर्षीय पार्वती भूमिज के रूप में हुई है। उनके बेटे शंकर भूमिज ने बताया कि रविवार देर शाम उनकी मां घर में थीं, तभी आरोपित दुलाई भूमिज ने उन पर डंडे से हमला कर दिया। हमला इतना गंभीर था कि मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद जब परिजन कमरे में पहुंचे, तो पार्वती भूमिज मृत अवस्था में पड़ी थीं।

सारण में स्कॉर्पियो-ऑटो की टक्कर में महिला समेत 3 लोगों की मौत, 4 घायल

एजेंसी, सारण

बिहार के सारण जिले के दिघवारा थाना क्षेत्र अंतर्गत सैदपुर गांव के पास रविवार देर रात हुए सड़क हादसे में एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा तेज रफ्तार स्कॉर्पियो और ऑटो की आमने-सामने की जोरदार टक्कर के कारण हुआ। पुलिस के अनुसार, सभी लोग दिघवारा के मानोपुर से शिव चर्चा कार्यक्रम में शामिल होकर ऑटो से अपने गांव गड़खा थाना क्षेत्र के झौवा बसंत लौट रहे थे। इसी दौरान सैदपुर गांव के पास तेज रफ्तार और अनियंत्रित स्कॉर्पियो ने ऑटो

में टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोगों में अफरा-तफरी मच गई। जोरदार आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को बाहर निकालने में जुट गए। हादसे में झौवा बसंत निवासी 48 वर्षीय लालझरी देवी (पति-किशन देवराम), 17 वर्षीय बृजमोहन मांझी उर्फ सुखन सुकन (पुत्र-स्वर्गीय राजेश्वरी मांझी) तथा 60 वर्षीय शंकर राम (पुत्र-स्वर्गीय जनक राम) की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया। मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में शोक का माहौल बना हुआ है। दुर्घटना में घायल चार लोगों को स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल दिघवारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद कुछ घायलों को बेहतर इलाज के लिए छपरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर आज होंगे हस्ताक्षर

एजेंसी, नई दिल्ली । भारत और न्यूजीलैंड, वस्तुओं एवं सेवाओं के द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने तथा निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर सोमवार को हस्ताक्षर करेंगे। यह समझौता दोनों पक्षों द्वारा तय तारीख से लागू होगा। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इस समझौते में 20 पाठ शामिल हैं, जिनमें वस्तुओं का व्यापार, मूल नियम, सेवाएं, सीमा शुल्क एवं व्यापार सुगमता, एसपीएस, टीबीटी, व्यापार उपाय, विवाद निपटान और कानूनी प्रावधान शामिल हैं। एफटीए दो या अधिक देशों के बीच एक आर्थिक व्यवस्था है, जिसमें वे आपस में व्यापार होने वाली अधिकतम वस्तुओं पर सीमा शुल्क समाप्त करने या काफी हद तक कम करने पर सहमत होते हैं।

प्रचार के आखिरी दिन तारकेश्वर मंदिर पहुंचे योगी आदित्यनाथ, कल्याणी में किया रोड शो

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के प्रचार के अखिरी दिन सभी पार्टियां अपनी पूरी ताकत झोंकती दिख रही है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को हुगली के प्रसिद्ध तारकेश्वर मंदिर जाकर भगवान शिव की आराधनी की। इससे पूर्व उन्होंने कल्याणी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार अनुपम विश्वास के समर्थन में रोड शो किया। इस दौरान योगी आदित्यनाथ ने तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तुष्टीकरण का आरोप लगाते हुए जमकर हमले किये। उन्होंने कहा कि ममता दीदी सड़कों पर नमाज पढ़ती हैं और इफ्तार का आयोजन करती हैं। यहां किसी भी हिंदू

त्योहार से पहले कर्फ्यू लगा दिया जाता है। लव जिहाद और लैंड जिहाद की घटनाएं होती हैं। इतना सब होने के बाद भी तृणमूल चुप रहती है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में भी ऐसी ही स्थिति थी। गुंडागर्दी थी और माफिया एक समानांतर सरकार चलाते थे, लैंड जिहाद व्यापक था। त्योहार से पहले दंगे शुरू हो जाते थे। 2017 में उत्तर प्रदेश में दो इंजन वाली सरकार सत्ता में आई थी। गुंडागर्दी खत्म हो गई है, कर्फ्यू खत्म हो गया है, दंगे खत्म हो गए हैं। लव जिहाद और लैंड जिहाद पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। कोई भी माफिया किसी व्यापारी को धमकी नहीं दे सकता। अगर वे ऐसा करते हैं, तो उत्तर प्रदेश के बुलडोजर उनकी हड्डियों को कुचल देंगे। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में भी भाजपा की सरकार आने के बाद असामाजिक तत्वों पर नकेल कसा जायेगा और किसी की दादागिरी नहीं चलेगी।

"कूवागम उत्सव-2026" में चेन्नई की ओमना बनीं "मिस तिरुनंगई", हजारों ट्रांसजेंडरों ने लिया भाग

एजेंसी, विलुप्पुरम

तमिलनाडु के विलुप्पुरम जिले में आयोजित प्रसिद्ध "कूवागम उत्सव 2026" (कूवागम उत्सव प्रसिद्ध और अद्वितीय ट्रांसजेंडर उत्सवों में से एक है, जो तमिलनाडु के कल्लाकुरिची जिले के कूवागम गांव में कूथंडावर मंदिर में आयोजित किया जाता है) के दौरान चेन्नई की ओमना को "मिस तिरुनंगई 2026" का खिताब दिया गया। प्रतियोगिता में चेन्नई की सायश्री ने दूसरा और सुगी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस आयोजन में एक हजार से अधिक ट्रांसजेंडर लोगों ने भाग लेकर अपनी सांस्कृतिक पहचान, प्रतिभा और सामाजिक सहभागिता का प्रदर्शन किया। विलुप्पुरम के निकट स्थित कूथांडवर मंदिर में हर वर्ष कूथांडवर मंदिर उत्सव के अवसर पर तिरुनंगई (ट्रांसजेंडर) समुदाय की ओर से विविध सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसी परंपरा के तहत इस वर्ष राष्ट्रीय ट्रांसजेंडर महासंघ और चेन्नई की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में "कूवागम उत्सव 2026" का आयोजन किया गया। शनिवार रात (26 अप्रैल) को विलुप्पुरम के नए बस स्टैंड के पास नगर पालिका मैदान में यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत तमिलनाडु सरकार द्वारा ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए किए गए कल्याणकारी कार्यों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन से हुई। इसके बाद शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की विशेष परेड निकाली गई, जिसने उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया। साथ ही नृत्य, लोककला और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को उत्साहपूर्ण बना दिया। मुख्य आकर्षण "मिस तिरुनंगई 2026" प्रतियोगिता रही, जिसमें बड़ी संख्या में ट्रांसजेंडर प्रतिभागियों ने आकर्षक पारंपरिक और आधुनिक वेशभूषा में भाग लिया।

ईरान ने अमेरिका को होर्मुज खोलने का सशर्त प्रस्ताव भेजा

एजेंसी, वाशिंगटन

ईरान ने पाकिस्तान के माध्यम से अमेरिका को होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) खोलने का सशर्त प्रस्ताव भेजा है। यह प्रस्ताव व्हाइट हाउस को मिल गया है। ईरान और अमेरिका के बीच मूंछ की लड़ाई बन चुके होर्मुज के बंद होने से सारी दुनिया परेशान है। तेल और गैस के संकट ने कई देशों को संकट में डाल दिया है। तेल और गैस से लदे जहाज गुजर नहीं पा रहे हैं। महत्वपूर्ण और रणनीतिक इस जलमार्ग पर ईरान और अमेरिकी की आंखें निगहबान हैं। कई देश दोनों देशों के बीच सुलह कराने के लिए मध्यस्थता कर रहे हैं। पाकिस्तान में तो एक बार बातचीत भी हो चुकी है। इसके बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सैन्य विराम बढ़ा चुके हैं। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में बातचीत का दूसरा चरण शुरू नहीं हो पाया है।

दोनों को मनाने के लिए मध्यस्थ देशों के प्रयास जारी हैं। अमेरिकी न्यूज पोर्टल एक्सियोस और संयुक्त अरब अमीरात के अंग्रेजी अखबार द नेशनल की रिपोर्ट के अनुसार ईरान ने प्रस्ताव में युद्ध खत्म करने और होर्मुज को फिर से खोलने पर जोर दिया है। प्रस्ताव का मुख्य फोकस वैश्विक ऊर्जा संकट को कम करना और अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी को खत्म करना बताया जा रहा है। इसमें ईरान ने शर्त रखी है कि परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत को बाद के चरण में शुरू किया जाए। प्रस्ताव व्हाइट हाउस पहुंच तो चुका है, लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ट्रंप प्रशासन इस पर आगे बढ़ेगा या नहीं? व्हाइट हाउस की प्रवक्ता ओलिविया वेल्स ने कहा कि अमेरिका ऐसे संवेदनशील कूटनीतिक मुद्दों पर मीडिया के जरिए बातचीत नहीं करेगा। साथ ही अमेरिका किसी भी समझौते में अपनी प्राथमिकताओं से समझौता नहीं करेगा और ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह प्रस्ताव ऐसे समय पर आया है जब दोनों देशों के बीच बातचीत लगभग ठप है। हाल ही में डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूतों की पाकिस्तान यात्रा रद्द कर दी थी। इस यात्रा को शांति वार्ता का अहम हिस्सा माना जा रहा था। इस बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची पाकिस्तान से लगातार बातचीत कर रहे हैं। वह पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर से बात कर रूस पहुंच गए हैं। वहां उनकी मुलाकात राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से होने वाली है। एक अमेरिकी अधिकारी और बातचीत से परिचित दो सूत्रों ने पुष्टि की है कि ईरान ने अमेरिका के सामने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और युद्ध को समाप्त करने का प्रस्ताव रखा है। तीन अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार ट्रंप सोमवार को अपनी शीर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति टीम के साथ ईरान पर 'सिचुएशन रूम' में एक बैठक करने वाले हैं।

संक्षिप्त समाचार

भीषण गर्मी में तपने लगा पलामू 44।6 डिग्री सेल्सियस पहुंचा तापमान

पलामू, एजेंसी। जिले के कई इलाके इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है। पिछले 15 दिनों से पलामू का तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ था। लेकिन शनिवार को पलामू में इस सीजन का सबसे अधिक तापमान दर्ज किया गया है। शनिवार को पलामू का तापमान 44।6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। अभी अप्रैल के दूसरे पखवाड़े की शुरुआत हुई है और अप्रैल महीने में अब तक का यह सबसे अधिक तापमान रिकॉर्ड हुआ है। पिछले कुछ सालों में 44.6 डिग्री सेल्सियस पलामू में तापमान अप्रैल के महीने में रिकॉर्ड नहीं किया गया। शुक्रवार को पलामू का तापमान 43.6 डिग्री सेल्सियस, गुरुवार को 43.2 जबकि बुधवार को 42.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया था। पलामू के इलाके का तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है।इस सीजन में सबसे अधिक तापमान 19 अप्रैल को रिकॉर्ड किया गया था। उस दौरान पलामू का तापमान 43.9 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया था। 2024 के मई महीने में पलामू का तापमान 47.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया था।

रामगढ़ में झामुमो की बैठक, संगठन मजबूती और बूथ पुनर्गठन पर बनी रणनीति

रामगढ़, एजेंसी। झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला रामगढ़ की बैठक शनिवार को जिला संयोजक मंडली प्रमुख बिनोद किस्कू की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का संचालन संतोष कुमार ने किया। बैठक में संगठन को मजबूत करने, एसआईआर (मतदाता सूची पुनरीक्षण) और बूथ समिति के पुनर्गठन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं को संगठन विस्तार में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। औद्योगिक प्रतिष्ठानों में मजदूरों से जुड़े मुद्दों को लेकर भी बैठक में विचार-विमर्श किया गया। इन मुद्दों पर आंदोलन की रणनीति तैयार करने पर चर्चा हुई। बैठक में विजय किस्कू, नरेश हसंदा, कुंवर महतो, गीता देवी, बिराजो देवी, बसंती देवी, संगीता देवी, किरण देवी, जग्गू करमाली, मो जाबेद आलम, अरुण बनर्जी, सुशील कुमार, अजय भोगता, सतीश मुर्मू, कामलेश पांडे, योगेंद्र यादव, सकलदेव करमाली, बलदेव मुर्मू, सुरेश हेंब्रोम, धर्मेंद्र मिश्रा, रफीक अंसारी, मो जाबेद राजा, बिट्टू खान, रमेश पटेल, नीतीश कुमार, अखलेश यादव, सतीश मुंडा, कुलेश्वर प्रजापति, मोहित मुंडा, मंटू कुमार, अबू रेहान, किशोर मोदक, अमर कुमार, क्यूम अंसारी, गौतम कुमार के साथ अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

चतरा डीसी ने सदर अस्पताल का किया निरीक्षण, हॉस्पिटल मैनेजर को किया कार्यमुक्त

चतरा, एजेंसी। झारखंड के चतरा जिले के उपायुक्त रवि आनंद ने शनिवार को सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल के अलग-अलग वार्ड, ओपीडी, इमरजेंसी यूनिट, प्रसूति वार्ड और दवा भंडारण रूम सहित कई विभागों का बारीकी से निरीक्षण किया। अस्पताल परिसर की साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय समेत अन्य मूलभूत सुविधाओं को देखा। अस्पताल परिसर में गंदगी, शौचालयों की खराब स्थिति और कई कमरों के बंद पाए जाने पर उपायुक्त ने कड़ी नाराजगी जाहिर की। लापरवाही के आरोप हॉस्पिटल मैनेजर रवि शंकर को कार्यमुक्त किया गया। साथ ही डीसी पदाधिकारियों को स्वच्छता व सुव्यवस्था बनाये रखने का निर्देश दिया। डॉक्टर और कर्मियों की उपस्थिति पंजी का अवलोकन कर ड्यूटी रोस्टर के अनुसार कार्य करने का निर्देश दिया। डीसी ने अस्पताल में जरूरी दवाओं की मौजूदगी हर हाल में सुनिश्चित करने की बात कही, जिससे कि मरीजों को बाहर से दवा की खरीदारी करने की जरूरत नहीं पड़े। उन्होंने मरीजों से बात कर मिल रही सुविधाओं, इलाज की जानकारी ली। उपायुक्त ने डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मियों को मरीजो के साथ अच्छा व्यवहार करने की बात कही। किसी तरह की लापरवाही पाए जाने पर कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने जिलेवासियों से हॉस्पिटल में आकर इलाज कराने की बात कही। स्वास्थ्य सुविधा में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मौके पर सीएस डॉ सत्येंद्र कुमार सिन्हा, डीएस डॉ पंकज कुमार समेत अन्य मौजूद थे।

नोवामुंडी प्रखंड के महुदी पंचायत में ग्रामसभा आयोजित, कई विकास प्रस्ताव पारित

नोवामुंडी, एजेंसी। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम के नोवामुंडी प्रखंड अंतर्गत महुदी पंचायत के इंदिरा टोला में 25 अप्रैल 2026 को शाम 5 बजे एक महत्वपूर्ण ग्रामसभा का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता ग्रामीण मुंडा अजय लागुरी ने की, जबकि प्रदीप प्रधान की विशेष उपस्थिति रही। ग्रामसभा में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और क्षेत्र की अलग-अलग समस्याओं को उठाया। बैठक में नाली निर्माण, कुएं की मरम्मत और भीषण गर्मी को देखते हुए पेयजल की समस्या पर चर्चा की गई। इसके अलावा ग्रामीणों ने पंचायत कार्यालय में आधार कार्ड से संबंधित काम बंद होने पर भी चिंता जाहिर की। साथ ही, सामुदायिक शौचालय निर्माण की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। साथ ही, सामुदायिक शौचालय निर्माण की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया।

डॉ. इरफान अंसारी के बयान पर भड़की भाजपा

स्वास्थ्य मंत्री को लेकर कह दी बड़ी बात

रांची, एजेंसी। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी अपने बयानों की वजह से हमेशा सुर्खियों में बने रहते हैं। अब इस क्रम में स्वास्थ्य मंत्री द्वारा दिया गया एक बयान जिसमें मंत्री ने भाजपा नेताओं का अंतिम संस्कार करने की बात कही थी इस पर झारखंड भाजपा के नेता भड़के हुए हैं। मामले में संवाददाता सम्मेलन कर भाजपा प्रवक्ता ने स्वास्थ्य मंत्री पर तीखा बयान दिया है।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी के बयान पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराते हुए भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता राफिया नाज ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री डॉ। इरफान अंसारी ने झारखंड में पूरे स्वास्थ्य विभाग का अंतिम संस्कार कर दिया है। इरफान अंसारी को दूसरों के अंतिम संस्कार की चिंता नहीं करनी चाहिए।

मंत्री इरफान ने स्वास्थ्य व्यवस्था का किया अंतिम संस्कार: राफिया नाज : भाजपा प्रवक्ता राफिया नाज ने कहा कि डॉ. इरफान अंसारी ने झारखंड में स्वास्थ्य व्यवस्था का अंतिम संस्कार कर दिया है। ऐसा वह इसलिए कह रही हैं क्योंकि झारखंड में स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह चौपट हो चुकी है। यहां थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को एचआईवी पॉजिटिव खून चढ़ा दिया जाता है, माता-पिता अपने बच्चे के शव को थैले में ले जाने के लिए मजबूर होते हैं, मेडिकल की छात्रा की अस्मत लूटी जा रही है, सीएचसी और पीएचसी की हालात पहले से खराब हैं।

भाजपा के प्रदेश मीडिया सह प्रभारी अशोक बड़ाईक और महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री के साथ मीडिया संवाद कर रही राफिया नाज ने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्था इतनी बदतर हो गई है कि 560 बेड पर मात्र 14 नर्स कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड के साढ़े तीन करोड़ लोगों के इलाज के लिए मात्र 2800 डॉक्टर उपलब्ध हैं। इसकी चिंता डॉ। इरफान अंसारी को करनी चाहिए।

'महिलाएं देंगी कांग्रेस पार्टी को जवाब : मंत्री इरफान अंसारी के बयान पर आक्रोश व्यक्त करते हुए राफिया नाज ने कहा कि कांग्रेस और इंडिया गठबंधन की सरकार ने कोरोना काल में झारखंड में दवा की जगह कफन बांटने का काम किया था। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को संसद में गिराकर तालियां बजाने का काम किया, लेकिन आने वाले दिनों में आधी आबादी इसका जवाब देगी। राफिया नाज ने कहा कि संसद में इन्होंने तालियां नहीं बजाई, बल्कि महिलाओं को तमाचा मारने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण से वंचित महिलाओं के आक्रोश से पूरी कांग्रेस पार्टी का अंतिम संस्कार बहुत जल्द होने वाला है। उन्होंने कहा कि एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की बेटियों और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रयासरत हैं। वहीं इंडिया गठबंधन के नेता हर दिन महिलाओं पर ऊलजलूल बयानबाजी करते रहते हैं। इन्हें राज्य और देश की महिलाएं ही सबक सिखाएंगी।

क्या कहा था मंत्री इरफान अंसारी ने

राफिया नाज ने कहा कि महिला आरक्षण लागू नहीं होने देने के खिलाफ महिला भाजपा की ओर से रांची में आक्रोश मार्च निकाला गया था। उसपर अपनी प्रतिक्रिया देने के क्रम में मंत्री इरफान अंसारी यह कह गए थे कि स्वास्थ्य मंत्री के रूप में उनका फर्ज बनता है कि हम उनका क्रियाकर्म करें।

गिरिडीह में मौत बांट रहा था गुपचुप वाला! शाम को खाया फिर सुबह होते ही 23 पहुंचे अस्पताल, 1 मासूम की मौत

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिला स्थित सदर प्रखंड के लेदा-बजटो गांव में फूड पॉइजनिंग ने भीषण कहर बरपाया है, जिससे 6 वर्षीय एक मासूम की मौत हो गई। इसके अलावा 22 से अधिक लोग गंभीर रूप से बीमार हैं। घटना के बाद रविवार सुबह पूरे गांव में दहशत का माहौल बन गया। प्रशासनिक अमला और स्वास्थ्य विभाग की टीम तुरंत हरकत में आई। जानकारी के अनुसार, शनिवार की शाम करीब 5 बजे एक अज्ञात व्यक्ति गांव में ठेले पर गुपचुप और छोला बेच रहा था। गांव के बच्चों समेत कई ग्रामीणों ने उससे चाट खरीदी और खाई। रविवार की सुबह होते-होते सभी को तेज बुखार, पेट में असहनीय दर्द, उल्टी और दस्त की शिकायत शुरू हो गई। देखते ही देखते पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई।

फूड पॉइजनिंग का सबसे घातक असर बजटो गांव निवासी रिंकू देवी के 6 वर्षीय पुत्र रंजन कुमार पर हुआ। उसकी तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर परिजन उसे सदर अस्पताल लाए, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। बेटे की मौत से मां रिंकू देवी का रो-रोकर बुरा हाल है, और पूरे गांव में शोक की लहर है।

घटना के बाद 22 से अधिक बीमार लोगों को एंबुलेंस और निजी वाहनों से सदर अस्पताल लाया गया, जहां सभी को इमरजेंसी वार्ड में भर्ती किया गया है। मरीजों में 5 साल के बच्चों से लेकर 45 साल तक के बुजुर्ग शामिल हैं। सिविल सर्जन डॉ। बच्चा सिंह की निगरानी में सभी का इलाज चल रहा है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है।सूचना मिलते ही डीसी रामनिवास यादव के निर्देश पर एसडीएम, एसडीपीओ, सिविल सर्जन और पुलिस के कई अधिकारी सदर अस्पताल पहुंचे।

झारखंड हाईकोर्ट का रांची नगर निगम के प्रशासक को सशरीर हाजिर होने का निर्देश, पूछा- 'क्यों नहीं हुआ आदेश का पालन

रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट ने रांची नगर निगम से जुड़े गौरव कुमार बेसरा के अवमानना मामले में बेहद सख्त रुख अपनाया है। जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद व जस्टिस संजय प्रसाद की खंडपीठ ने नगर निगम के प्रशासक को व्यक्तिगत रूप से अदालत में हाजिर होने का निर्देश दिया है। अदालत ने स्पष्ट कहा है कि प्रशासक स्वयं उपस्थित होकर यह स्पष्ट करें कि 22 जुलाई 2025 को पारित आदेश के अनुपालन में आखिर क्या बाधा आ रही है। सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने चेतावनी दी कि यदि अगली तिथि पर संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो अदालत कानून के अनुसार उनके खिलाफ आरोप तय करने की प्रक्रिया शुरू कर सकती है।

अदालत ने सुनवाई के दौरान रिकॉर्ड पर पाया कि 22 जुलाई 2025 के आदेश का अब तक अनुपालन नहीं किया गया है। इस मामले में प्रशासक ने पूर्व में टाउन प्लानर और लीगल सेक्शन से संबंधित व्यवस्था जल्द लागू करने का आश्वासन कोर्ट को दिया था। रिकॉर्ड के अनुसार, पूर्व में 12 नवंबर, 3 दिसंबर और 9 दिसंबर 2025 को भी समय दिया गया था। इसके बाद इस वर्ष 24 और 30 मार्च 2026 को भी मौके दिए गए, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। इसी ढुलमुल रवैये को देखते हुए अदालत ने अब कड़ा रुख अख्तियार किया है। सुनवाई के दौरान यह तथ्य भी सामने आया कि सुप्रीम कोर्ट ने 12 दिसंबर 2025 के एक आदेश पर रोक लगाई है, लेकिन हाईकोर्ट के बाकी आदेश अब भी प्रभावी हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड हाईकोर्ट को इस मुख्य मामले की सुनवाई जारी रखने का निर्देश दिया है। इसी आलोक में हाईकोर्ट ने निगम की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए अब सीधे प्रशासक को जवाबदेह ठहराया है।

सरायकेला के सरस्वती शिशु मंदिर में नए अभिभावकों की बैठक सम्पन्न,

शिक्षा और संस्कार पर दिया गया जोर

सरायकेला, एजेंसी। सरस्वती शिशु मंदिर उच्च विद्यालय, सरायकेला में आज 26 अप्रैल 2026 को नए अभिभावकों की एक विस्तृत और ज्ञानवर्धक बैठक का सफल आयोजन किया गया। बैठक का शुभारंभ विधिवत् वंदना के साथ किया गया, जिससे पूरे कार्यक्रम में सकारात्मक और सांस्कृतिक वातावरण का संचार हुआ। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य नए विद्यार्थियों के अभिभावकों को विद्यालय की शिक्षण पद्धति, सांस्कृतिक वातावरण, अनुशासन व्यवस्था तथा समग्र विकास की अवधारणा से अवगत कराना था।

कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की आशा दीदी द्वारा अत्यंत प्रभावशाली और सुव्यवस्थित ढंग से किया गया। उन्होंने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए अभिभावकों को बैठक के उद्देश्य, आवश्यकता और उपयोगिता के विषय में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर विद्यालय के उपप्रधानाचार्य तुषार कांत पति ने विद्या भारती की शिक्षा प्रणाली को सरल तरीके से समझाया, जो शैक्षिक, सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों पर आधारित है। उन्होंने बताया कि विद्या भारती के अंतर्गत शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रहती, बल्कि विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक विकास पर समान रूप से बल दिया जाता है। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे विद्यालय के साथ सतत संवाद बनाए रखें जिससे बच्चों के विकास में सामूहिक सहयोग सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की आरती दीदी ने शिशु वाटिका (प्रारंभिक शिक्षा) की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए उसके बारह आयामों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन आयामों के माध्यम से बालकों के व्यक्तित्व का संतुलित एवं प्राकृतिक विकास किया जाता है, जिसमें खेल, गीत, संस्कार, भाषा, शारीरिक क्रियाए और सृजनात्मक गतिविधियां सम्मिलित हैं। इसके अलावा, उन्होंने स्वर्णप्राशन के महत्व को स्पष्ट करते हुए बताया कि यह बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता, स्मरण शक्ति और समग्र स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने में सहायक होता है।

विद्यालय के कोषाध्यक्ष प्रसाद महतो ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए विद्यालय की व्यवस्थाओं, सहयोगपूर्ण माहौल और पारदर्शिता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बताई। इसके बाद वरिष्ठ आचार्य रंजन आचार्य ने अपने विचार रखे और विद्यालय की पुरानी परंपरा, संस्कार आधारित शिक्षा और वर्षों से चली आ रही पढ़ाई की प्रणाली के बारे में जानकारी दी।

कोयला कामगारों के पेंशन फंड पर संकट: 240 करोड़ के सालाना घाटे में डूबा सीएमपीएफओ

धनबाद, एजेंसी। कोयला खान भविष्य निधि संगठन के पेंशन फंड की वित्तीय स्थिति वर्तमान में अत्यंत चिंताजनक बनी हुई है। सरकारी रिपोर्टों और विशेषज्ञों के विश्लेषण के अनुसार, वर्तमान व्यवस्था के तहत यह फंड लंबे समय तक टिकने की स्थिति में नहीं है। मुख्य समस्या यह है कि कोयला खदानों में नियमित कामगारों की संख्या लगातार घट रही है, जिससे फंड में आने वाला अंशदान कम हो गया है, जबकि पेंशनभोगियों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। वर्तमान में यह पेंशन फंड सालाना 240 करोड़ रुपये के घाटे का सामना कर रहा है।

अक्टूबर 2017 तक कोयला कंपनियां मजदूरी का मात्र 1।16 फीसदी पेंशन फंड में देती थीं, जिसे बढ़ाकर अब 7 फीसदी कर दिया गया है। इसके बावजूद फंड की स्थिरता सुनिश्चित नहीं हो पा रही है। इस अंतर को पाटने के लिए सीएमपीएफओ आयुक्त ने सरकार से पब्लिक अकाउंट (पीएल) में जमा 15,424।01 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग करने की अनुमति मांगी है। साथ ही, सरकार द्वारा प्रति कर्मचारी दिये जाने वाले 26।72 रुपये के योगदान को बढ़ाकर कर्मचारी पेंशन योजना के बराबर करने का प्रस्ताव भी दिया गया है।

फंड को संकट से उबारने के लिए सीएमपीएफओ की उन अनुपयोगी जमीनों और संपत्तियों को बेचने या किराए पर देने का सुझाव दिया गया है जो वर्तमान में किसी काम नहीं आ रही हैं। इसके अलावा, नए कर्मचारियों के लिए 'एकीकृत पेंशन योजना' या 'राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली' को अपनाने की संभावनाओं को भी तलाशा जा रहा है। सीएमपीएफओ ने कोयला कंपनियों से एकमुश्त वित्तीय सहायता की भी अपील की है।

इधर, प्रस्तावित बदलावों और फंड की कमी पर मजदूर संगठनों ने कड़ा रुख अपनाया है। यूनियनों का कहना है कि कोयला खदानों में काम करना चुनौतीपूर्ण और जानलेवा होता है, इसलिए श्रमिकों के मौजूदा पेंशन लाभों में किसी भी प्रकार की कटौती स्वीकार नहीं की जाएगी। संगठनों ने साफ किया है कि सरकार को फंड की स्थिरता के वैकल्पिक रास्ते खोजने चाहिए, न कि कर्मचारियों के हितों पर प्रहार करना चाहिए।

पलामू में उपायुक्त के निरीक्षण में गायब मिले सीओ, लिपिक ने बोला झूठ, डीसी ने लगाई फटकार

पलामू, एजेंसी। शनिवार को सतबरवा अंचल और प्रखंड कार्यालय का पलामू डीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में सतबरवा के सीओ सह प्रखंड विकास पदाधिकारी उपस्थित नहीं मिले। जबकि कार्यालय में सरकारी कर्मियों की उपस्थिति बेहद ही कम थी। कार्यालय में सिर्फ एक लिपिक और कुछ अन्य कर्मी मौजूद थे।

हालात को देखते हुए डीसी नाराज हुए और पूरे मामले में सभी कर्मियों की स्थिति का जायजा लिया। डीसी द्वारा पूछे जाने पर लिपिक ने बताया कि सीओ सह बीडीओ कुछ देर में कार्यालय में आ जाएंगे। डीसी द्वारा जब मामले में जांच की गई तो पता चला कि सीओ रांची गए हैं। निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी कृष्णा मुरारी तिर्की के अनुपस्थित रहने पर डीसी ने तत्काल फोन कर जवाब-तलब किया और स्पष्ट किया कि भौतिक रूप से डीसी स्तर से अनुमति लेने के बाद ही मुख्यालय छोड़ें, ऐसे अनुपस्थित रहना बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

लिपिक ने डीसी को दी गलत जानकारी

इसी क्रम में लिपिक दीपक कुमार द्वारा डीसी को गलत जानकारी दी गई। जिसके बाद डीसी ने मौके पर ही लिपिक को कड़ी फटकार लगाई। पलामू में पदभार ग्रहण करने के बाद डीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत सरकारी कार्यालय में लगातार सुधार का प्रयास कर रहे हैं और कई बिंदुओं पर निर्देश जारी कर रहे हैं। डीसी ने बताया कि सतबरवा प्रखंड सह अंचल कार्यालय का निरीक्षण किया गया है। निरीक्षण के क्रम में यह बात सामने आई कि अधिकारी समय पर कार्यालय नहीं आ रहे है।

डीसी ने कहा कि ऐसे अधिकारी एवं कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए निर्देश दिए गए हैं। वहीं प्रखंड कार्यालय में आम लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए पहल की जा रही है। डीसी ने कार्यालय के मुख्य द्वार पर भी एक पिओन की तैनाती की बात कही। ताकि प्रखंड कार्यालय में बिचौलिया या असामाजिक तत्वों का जमावड़ा न हो। उन्होंने कहा कि प्रखंड कार्यालय में आने वाले लोगों की डाटाबेस तैयार होगा और उनकी समस्याओं की भी जानकारी ली जाएगी।

दिव्यांग महिला का शारीरिक शोषण और ठगे पैसे, पुलिस ने भेजा सलाखों के पीछे

सिमडेगा, एजेंसी। जिला पुलिस ने एक दिव्यांग महिला के साथ शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण और ठगी करने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक वर्ष 2014 में पीड़िता की गुमला के मनोरंजन एक्का (पिता- प्रेम प्रकाश एक्का, ग्राम पेटसेरा, थाना पालकोट) से मोबाइल के माध्यम से जान पहचान हुई। पीड़िता के अनुसार सितंबर 2021 से आरोपी उसके घर आने-जाने लगा और इसी दौरान उसने शादी का झांसा देकर कई बार शारीरिक संबंध बनाया।

इसके बाद में दोनों चाईबासा में साथ रहने लगे। जिसके कुछ समय बाद आरोपी काम के बहाने वहां से चला गया। इसके बाद पीड़िता को जानकारी मिली कि आरोपी ने 14 जनवरी 2026 को किसी अन्य युवती से विवाह कर लिया है। महिला का आरोप है कि इस दौरान आरोपी ने न केवल शारीरिक शोषण किया, बल्कि पीड़िता को दिव्यांगता के तहत मिलने वाली सहायता राशि की भी ठगी कर ली।

इस संबंध में महिला थाना में कांड संख्या 09/26, दिनांक 20 फरवरी 2026 को भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(2) के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस उपाधीक्षक रणवीर सिंह ने बताया कि इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी मनोरंजन एक्का को गिरफ्तार कर शनिवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

रामगढ़ डीसी ने किया मां छिन्नमस्तिका मंदिर परिसर का निरीक्षण,

मंदिर के पुनर्विकास की रूपरेखा बनाई

रामगढ़, एजेंसी। हाईकोर्ट के सख्त आदेश के बाद अब रामगढ़ के प्रसिद्ध आस्था का केंद्र रजरप्पा स्थित मां छिन्नमस्तिका मंदिर परिसर में बड़ा बदलाव शुरू हो गया है। रजरप्पा मंदिर परिसर से अतिक्रमण हटाने के बाद अब प्रशासन पूरे इलाके को आधुनिक और सुव्यवस्थित बनाने की तैयारी में जुट गया है।

इसी कड़ी में आज शनिवार को रामगढ़ डीसी ऋतुराज ने मंदिर परिसर का निरीक्षण किया। इसके पूर्व प्रशासनिक भवन में अहम बैठक की। जिसमें मंत्री फागू बेसरा, मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य और विभिन्न विभागों के पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में मंदिर के पुनर्विकास की पूरी रूपरेखा और आगे की कार्य योजना पर विस्तार से चर्चा की गई।

झारखंड उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार पिछले दिनों जिला प्रशासन ने मंदिर परिसर से 254 अवैध दुकानें हटा दी थी और अब मंदिर के पुनर्विकास को लेकर रामगढ़ के डीसी एक्टिव दिख रहे हैं। डीसी आज प्रशासनिक टीम के साथ रजरप्पा मंदिर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पूरे क्षेत्र का निरीक्षण किया। साथ ही प्रस्तावित बस स्टैंड, एंट्री-एग्जिट गेट, घाट निर्माण और दुकानों के नए स्थानों को चिन्हित किया। इस दौरान डीसी ने पदाधिकारियों से कहा कि सभी कार्य समय-सीमा के भीतर और आपसी समन्वय से पूरा करें, ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो।

निरीक्षण के दौरान मीडिया से बातचीत में रामगढ़ डीसी ऋतुराज ने कहा कि मंदिर परिसर को व्यवस्थित और सुरक्षित बनाना हमारी प्राथमिकता है। हटाई गई दुकानों के लिए भी जगह चिन्हित की जा रही है। विकास के साथ-साथ प्रभावित दुकानदारों के हितों का भी ध्यान रखा जाएगा। इसके लिए वैकल्पिक स्थानों की पहचान की जा रही है, ताकि सभी को व्यवस्थित समाधान मिल सके। इसके अलावा मंदिर विकास कार्य के दौरान काटे जाने वाले पेड़ों के बदले क्षतिपूर्ति वनीकरण की योजना पर भी काम शुरू हो चुका है। अधिकारियों ने इसके लिए अलग से स्थल निरीक्षण कर जरूरी निर्देश दिए हैं।

स्पष्ट है कि रजरप्पा मंदिर को एक आधुनिक, सुरक्षित और सुव्यवस्थित धार्मिक स्थल बनाने की दिशा में प्रशासन ने बड़ी पहल शुरू कर दी है। अब देखना होगा कि यह योजना जमीन पर कितनी तेजी से उतरती है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com
ई-पेपर sonvarshavani.com/epaper

उधवा में विवाहिता की चाकू मारकर हत्या, पति गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

उधवा। राधानगर थाना क्षेत्र के पहाड़गांव में रविवार देर रात एक विवाहिता की चाकू से मारकर हत्या कर दी गई। मृतका की पहचान मोमेना खातून के रूप में हुई है। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति सानीर शेख को गिरफ्तार कर लिया।जानकारी के अनुसार, मोमेना खातून की शादी करीब चार माह पूर्व बरहरवा थाना क्षेत्र के सेरासीन साहेबडांगा निवासी सानीर शेख के साथ हुई थी। परिजनों ने आरोप लगाया है कि विवाह के बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा दहेज को लेकर उसे प्रताड़ित किया जा रहा था। इसी कारण वह पिछले दो माह से अपने मायके पहाड़गांव में रह रही थी।बताया जाता है कि रविवार रात गांव में आयोजित जलसा कार्यक्रम से लौटने के बाद मोमेना अपनी छोटी बहन के साथ कमरे में सो रही थी। इसी दौरान देर रात उसका पति वहां पहुंचा और उसे कमरे से खींचकर बरामदे में ले गया, जहां उस पर चाकू से कई वार किए। बहन के शोर मचाने पर आरोपी मौके से फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल मोमेना को परिजन आनन-फानन में राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।त्वरित कार्रवाई में गिरफ्तारी घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह के निर्देश पर विशेष टीम का गठन किया गया। राजमहल एसडीपीओ विमलेश त्रिपाठी के नेतृत्व में गठित टीम ने राधानगर, राजमहल व बरहरवा थाना पुलिस के सहयोग से छापेमारी कर आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।धवा।

राधानगर थाना क्षेत्र के पहाड़गांव में रविवार देर रात एक विवाहिता की चाकू से मारकर हत्या कर दी गई। मृतका की पहचान मोमेना खातून के रूप में हुई है। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति सानीर शेख को गिरफ्तार कर लिया।जानकारी के अनुसार, मोमेना खातून की शादी करीब चार माह पूर्व बरहरवा थाना क्षेत्र के सेरासीन साहेबडांगा निवासी सानीर शेख के साथ हुई थी। परिजनों ने आरोप लगाया है कि विवाह के बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा दहेज को लेकर उसे प्रताड़ित किया जा रहा था। इसी कारण वह पिछले दो माह से अपने मायके पहाड़गांव में रह रही थी।बताया जाता है कि रविवार रात गांव में आयोजित जलसा कार्यक्रम से लौटने के बाद मोमेना अपनी छोटी बहन के साथ कमरे में सो रही थी। इसी दौरान देर रात उसका पति वहां पहुंचा और उसे कमरे से खींचकर बरामदे में ले गया, जहां उस पर चाकू से कई वार किए। बहन के शोर मचाने पर आरोपी मौके से फरार हो गया।

गंभीर रूप से घायल मोमेना को परिजन आनन-फानन में राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।त्वरित कार्रवाई में गिरफ्तारी घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह के निर्देश पर विशेष टीम का गठन किया गया। राजमहल एसडीपीओ विमलेश त्रिपाठी के नेतृत्व में गठित टीम ने राधानगर, राजमहल व बरहरवा थाना पुलिस के सहयोग से छापेमारी कर आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

तालझारी में 'गो सम्मान आह्वान अभियान' की शुरुआत, केंद्र से कानून बनाने की मांग

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

साहिबगंज। तालझारी प्रखंड मुख्यालय में सोमवार को "गो सम्मान आह्वान अभियान" के तहत विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में गोभक्तों, संत समाज व स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर गोवंश संरक्षण को लेकर अपनी आवाज बुलंद की।कार्यक्रम का उद्देश्य देशी गोवंश की सेवा, सुरक्षा और राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार से सख्त कानून बनाने तथा गो पालन मंत्रालय की स्थापना की मांग करना रहा। इस दौरान उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री के नाम प्रार्थना पत्र पर हस्ताक्षर कर अपनी मांगें रखीं।प्रार्थना पत्र में गोवंश की वर्तमान स्थिति को चिंताजनक बताते हुए तस्करी, अवैध वध और सड़कों पर उनकी दुर्दशा जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। वक्ताओं ने कहा कि गोवंश केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की आधारशिला है। साथ ही "आत्मनिर्भर भारत" के निर्माण में गो आधारित प्राकृतिक कृषि की महत्वपूर्ण भूमिका बताई गई।कार्यक्रम के अंत में प्रतिनिधिमंडल ने सीओ सह बीडीओ राम सुमन प्रसाद को ज्ञापन सौंपा। मौके पर बजरंगी महतो, ओमल कुमार मंडल, शेखर कुमार महतो, श्रीराम महतो, मुन्ना पांडेय, अमित कुमार, अशोक कुमार उर्फ डीके स्टार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

मॉडल कॉलेज राजमहल में डिप्लोमा प्रथम सेमेस्टर परीक्षा शुरू, 2 परीक्षार्थी अनुपस्थित

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

राजमहल।प्रखंड के मॉडल कॉलेज राजमहल में झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित डिप्लोमा प्रथम सेमेस्टर परीक्षा 2025 का शुभारंभ सोमवार को हुआ। परीक्षा केंद्र मॉडल कॉलेज राजमहल में पहले दिन विभिन्न शाखाओं के कुल 258 परीक्षार्थी नामांकित थे, जिनमें से दो छात्र अनुपस्थित रहे।परीक्षा से पूर्व कॉलेज के प्राचार्य सहकेंद्राधीक्षक डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने सभी तैयारियों का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों व कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न करायी जाएगी।उन्होंने चेतावनी दी कि नकल करते या मोबाइल फोन का उपयोग करते पकड़े जाने पर संबंधित परीक्षार्थी के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सभी परीक्षार्थियों से समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचकर अनुशासन बनाए रखने की अपील की।परीक्षा पर्यवेक्षक दिलीप कुमार पाल ने भी परीक्षा व्यवस्था का जायजा लेकर संतोष व्यक्त किया।

साहिबगंज में नो फ्यूल का झटकाः पेट्रोल-डीजल खत्म, सड़कों पर थमने के कगार पर रफ्तार

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

साहिबगंज। जिले में पेट्रोल और डीजल की किल्लत ने आम लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। शहर के कई पेट्रोल पंपों पर पावर पेट्रोल आउट ऑफ स्टॉक और डीजल नहीं है के बोर्ड लगे नजर आए, जिससे वाहन चालकों को खाली हाथ लौटना पड़ रहा है।सुबह से ही पंपों पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी, लेकिन ईंधन नहीं मिलने से लोगों में नाराजगी देखी गई। कई लोग अपनी गाड़ियां धक्का देकर ले जाते दिखे तो कुछ को जरूरी काम टालना पड़ा। खासकर नौकरीपेशा और छात्रों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।इधर, कुछ लोग अपने वाहनों की टंकी फुल कराने के लिए बांझी स्थित पेट्रोल पंप का रुख कर रहे हैं, जहां फिलहाल सीमित मात्रा में ईंधन उपलब्ध बताया जा रहा है। इस कारण वहां भी लंबी कतारें लग गई हैं और लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि अचानक आई इस कमी से रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो रही है। वहीं पंप कर्मियों ने बताया कि सप्लाई में देरी के कारण यह स्थिति बनी है और जल्द ही हालात सामान्य होने की उम्मीद है।प्रशासन से लोगों ने मांग की है कि जल्द से जल्द ईंधन की आपूर्ति बहाल कराई जाए ताकि आम जनजीवन पटरी पर लौट सके।

संक्षिप्त समाचार

साहिबगंज में बार काउंसिल सदस्य मीरा कुमारी का भव्य स्वागत

साहिबगंज।झारखंड स्टेट बार काउंसिल की नव निर्वाचित सदस्य मीरा कुमारी (अधिवक्ता, गिरिडीह) के साहिबगंज आगमन पर जिला अधिवक्ता संघ द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। अधिवक्ताओं ने उन्हें पुष्पगुच्छ व फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया।इस अवसर पर मीरा कुमारी ने कहा कि वे अधिवक्ताओं के मान-सम्मान एवं कल्याण से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाएंगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अधिवक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।कार्यक्रम में जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष, सचिव, उपाध्यक्ष सहित कई अधिवक्ता मौजूद रहे और सभी ने नव निर्वाचित सदस्य का अभिनंदन किया।

एकादशी के उपलक्ष में डाकिया नाथ मंदिर से बाबा श्याम की निशान यात्रा निकाली गई

साहिबगंज नगर क्षेत्र में मोहिनी एकादशी के उपलक्ष में श्री डाकीनाथ मंदिर से बाबा श्याम की निशान यात्रा निकलेगी गई।जो डाकीनाथ मंदिर से चौक बाजार ,महात्मा गांधी रोड, जे, एन राय रोड ,बड़ी गादी होते हुए पुरुषोत्तम गली नगर भ्रमण करते हुए श्री खाटू श्याम मंदिर पहुँची।वही सभी श्रद्धालुओं में बड़ी ही उमंग देखा गया। और बाबा श्याम का जय कारे लगाते हुए। पूरे शहर बाबा श्याम का नारे गूंजते रहे। मंदिर में सभी लोगों ने बाबा श्याम की आरती पूजन किया और प्रसाद ग्रहण किया इस अवसर पर श्याम भक्त मंडल के अध्यक्ष रवि भगत शंकर खंडेलवाल, पंडित सोनू पांडे, ज्योति अग्रवाल सोनी चौधरी ,पिंकी तंबाकू वाला ज्योति नसरिया आदि काफी संख्या में भक्तगण निशान लेकर मंदिर में पहुंचे।

मिर्जाचौकी थाना का वार्षिक निरीक्षण, लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन के निर्देश

साहिबगंज। जिले में कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने मिर्जाचौकी थाना का वार्षिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन पर विशेष जोर देते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।एसपी ने थाना के अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण की समीक्षा की और रिकॉर्ड को अद्यतन रखने का निर्देश दिया। साथ ही थाना परिसर की साफ-सफाई एवं समग्र कार्यप्रणाली को दुरुस्त रखने पर बल दिया।इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने पदाधिकारियों को आम जनता के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार बनाए रखने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि बेहतर पुलिसिंग के लिए जनता का विश्वास जीतना आवश्यक है। कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए सतर्कता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करने पर जोर दिया गया।

तेज रफ्तार पॉवर ट्रैक ट्रेक्टर ने रेलवे गेट को धक्का मार किया क्षतिग्रस्त

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

मिर्जाचौकी रेलवे गेट में सोमवार को एक पावर ट्रेक ट्रेक्टर ने तेज गति से आकर रेल गेट में धक्का मार दिया जिससे रेल गेट पुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानीय कुछ दुकानदारों एवं ग्रामीणों के अनुसार जब डाउन जयनगर हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन आ रही थी उस समय रेलवे गेट बंद था उसी समय ट्रेक्टर ने आकर रेलवे गेट में जोरदार धक्का मार दिया।हालांकि इस घटना में किसी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ है।लेकिन गुवाहाटी नई दिल्ली एक्सप्रेस, अप धुलियान पैसेंजर काफी देर तक मिर्जाचौकी रेलवे स्टेशन पर खड़ी रही एवं डाउन वर्धमान पैसेंजर भी लेट से मिर्जाचौकी आई। घटना की सूचना पर मिर्जाचौकी में तैनात आरपीएफ जवान पी,एन उपाध्याय,राजकुमार , रंजीत कुमार,एवं राहुल कुमार घटनास्थल पर पहुंचकर उक्त ट्रैक्टर को अपने कब्जे में ले लिया है। तत्काल रेल कर्मीयों के द्वारा वैकल्पिक रेल गेट लगाकर ट्रेनों का अवागमन चालू हो पाया। घटना के संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि रेलवे गेट के उचित देखभाल नहीं होने के कारण अक्सर ऐसी घटनाएं होती रहती है जिससे कभी भी भीषण हादसा हो सकते हैं।

गदाई दियारा के पास परवल लदी नाव डूबी, सभी लोग सुरक्षित

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

साहिबगंज। रिवर थाना क्षेत्र अंतर्गत गदाई दियारा के समीप परवल लदी एक नाव के डूब जाने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार नाव नव गढ़ाई दियारा के पिलहर टोला से परवल लोड कर मनिहारी की ओर जा रही थी।बताया जाता है कि बंदरगाह के सामने पहुंचते ही नाव में अचानक पानी भरने लगा, जिससे वह डूब गई। घटना के दौरान नाव पर सवार सभी लोगों ने सूझबूझ दिखाते हुए नदी में छलांग लगा दी।इसी बीच वहां पहुंची दूसरी नाव की मदद से सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। बाद में परवल को भी दूसरी नाव में लादकर आगे भेजा गया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

जिला अधिवक्ता संघ साहिबगंज में मीरा कुमारी का स्वागत, अधिवक्ताओं के हित में आवाज उठाने का भरोसा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

साहिबगंज।झारखंड स्टेट बार काउंसिल की नव निर्वाचित सदस्य मीरा कुमारी (अधिवक्ता, गिरिडीह) सोमवार को जिला अधिवक्ता संघ, साहिबगंज पहुंचीं। इस दौरान संघ के अधिवक्ताओं ने उनका पुष्पगुच्छ व माला पहनाकर भव्य स्वागत किया।मौके पर मीरा कुमारी ने कहा कि वे अधिवक्ताओं के मान-सम्मान एवं कल्याण से जुड़े मुद्दों को बार काउंसिल स्तर पर मजबूती से उठाती रहेंगी। उन्होंने अधिवक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास का भरोसा दिलाया।कार्यक्रम में जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष ललित स्वदेशी, सचिव विजय कर्ण, उपाध्यक्ष गौतम प्रसाद सिंह, कोषाध्यक्ष दिलीप झा समेत पन्नालाल, सुनील शर्मा, अजय पंडित, अमरेंद्र मोहंती, रूपेश पंडित, प्रेमचंद मरांडी सहित दर्जनों अधिवक्ता मौजूद थे।

साहिबगंज के छात्र पियूष कुमार ने जिला रैपिड शतरंज प्रतियोगिता में मारी बाजी

साहिबगंज। मालदा मंडल के अंतर्गत संचालित ईस्टर्न रेलवे हाई स्कूल, साहिबगंज के कक्षा 10 के छात्र पियूष कुमार ने जिला ओपन रैपिड शतरंज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय और मंडल का नाम रोशन किया है।थीम पर आयोजित साहिबगंज जिला ओपन रैपिड शतरंज चैंपियनशिप (ए) 2026 का आयोजन 25 अप्रैल को सेंट जेवियर्स स्कूल, कोटालपोखर (बरहरवा) में जिला शतरंज संघ द्वारा किया गया था। प्रतियोगिता में जूनियर बालक वर्ग में भाग लेते हुए पियूष कुमार ने शानदार प्रदर्शन किया और 4 राउंड में 3.5 अंक हासिल कर शीर्ष स्थान पर कब्जा जमाया।मालदा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में मंडल द्वारा शैक्षणिक, खेल एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है।

पूर्व रेलवे

नीलामी आमंत्रण सूचना

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पूर्व रेलवे, हावड़ा, न्यू डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा-711101 द्वारा **हावड़ा मंडल के स्टेशनों पर 05 वर्षों की अवधि के लिए 02 (दो) अदद प्रीमियम ब्रांड केटरिंग आउटलेट्स (पीबीसीओएस) के माध्यम से केटरिंग सेवाओं के प्रावधान** हेतु ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। पात्रता और कारोबार मानदंड अनुबंध की विशेष शर्तों (जो ई-नीलामी लॉट में अपलोड की गई हैं) के अनुच्छेद-2 के अनुसार होंगे। अधिक जानकारी के लिए, ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के माध्यम से **www.ireps.gov.in** देखें। नीलामी का विवरण: **नीलामी कैटलॉग संख्या: पीबीसीओ-एचडब्ल्यूएच-डीकेएई। क्र.सं.**- 1। **एसईक्यू. संख्या :** एए/1। **लॉट संख्या/श्रेणी:** एमएसएस-एचडब्ल्यूएच-डीकेएई-पीएस-74-26-1 (मिसलेनियस-स्टैटिक-सर्विसेज-प्रीमियम स्टोर्स)। **विवरण:** 05 वर्षों के लिए प्रीमियम ब्रांडेड केटरिंग आउटलेट की स्थापना, रखरखाव, परिचालन और प्रबंधन। (डानकुनी स्टेशन, न्यू कॉलोनी के पास)। **बंद होने की तारीख/समय:** 05.05.2026 को दोपहर 12.30 बजे। **क्र.सं.**-2। **एसईक्यू. संख्या:** एए/2। **लॉट संख्या/श्रेणी:** एमएसएस-एचडब्ल्यूएच-एचडब्ल्यूएच-पीएस-72-26-1(मिसलेनियस-स्टैटिक-सर्विसेज-प्रीमियम स्टोर्स)। **विवरण:** 05 वर्षों के लिए प्रीमियम ब्रांडेड के टरिंग आउटलेट की स्थापना, रखरखाव, परिचालन और प्रबंधन (हावड़ा स्टेशन, न्यू कॉम्प्लेक्स/यात्री निवास प्रवेश द्वार के बगल में)। **बंद होने की तारीख/समय:** 05.05.2026 को दोपहर 12.40 बजे। **न्यूनतम वृद्धि (%):** 0.2 (दोनों के लिए)। **जमा बयाना राशि :** 10%(दोनों के लिए)। **आवश्यक कारोबार:** कारोबार की आवश्यकता अनुबंध की विशेष शर्तों के अनुच्छेद-2(V) के अनुसार होगी(दोनों के लिए)।

(HWH-34/2026-27)

निविदा सूचना वेबसाइट:**www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

पिचिंग लदा ट्रक ने खड़ी पिकअप वाहन को धक्का मारकर एक घर मे घुस ,एक घायल

महेशपुर(पाकुड़)। महेशपुर शहरग्राम मुख्य सड़क जियापानी के पास पिचिंग लदा ट्रक ने खड़ी पिकअप को धक्का मरते हुए एक घर मे घुस गया, जिससे घर के सदस्य बाल बाल बच गया ।घटना के बावत मिली जानकारी के अनुसार पिचिंग लदे ट्रक शहरग्राम से महेशपुर की ओर जा रहा था ।इसी दौरान जियापानी सड़क किनारे एक पिकअप वाहन खड़ी थी तभी अचानक ट्रक ड्राईवर का संतुलन बिगड़ गया और वह खड़ी पिकअप वाहन जोरदार टक्कर मारते हुए घर मे घुस गया जिससे घर बुरी तरह छतिग्रस्त हो गया है । जबकि पिकअप वाहन के एक व्यक्ति जख्मी हो गया ।इधर घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीणों की भीड़ जुट गई और फिर जख्मियों को ईलाज के लिये भेज दिया तथा दोनों दुर्घटनाग्रस्त वाहन को रोक लिया है ।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश से डीसी ने की शिष्टाचार भेंट

पाकुड़। डीसी मेधा भारद्वाज ने प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिवाकर पांडे से उनके कार्यालय कक्ष में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उपायुक्त ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। बैठक का माहौल सौहार्दपूर्ण रहा। मुलाकात के दौरान जिले में विधिक जागरूकता, न्यायिक पहुंच और आमजन को कानूनी सहायता उपलब्ध कराने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गयी। दोनों अधिकारियों ने न्याय व्यवस्था को अधिक सुलभ औरजनोन्मुख बनाने पर विचार साझा किये। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिवाकर पांडे ने विधिक जागरूकता कार्यक्रमों के प्रभावी संचालन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि न्यायकेवल न्यायालयों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक इसकी पहुंच सुनिश्चित होनी चाहिए। इसके लिए ग्रामीण और वंचित वर्गों को उनके अधिकारों,निःशुल्क विधिक सहायता तथा न्यायिक प्रक्रियाओं की जानकारी देना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाकर विधिक सेवाओं को और सशक्त बनाया जा सकता है। प्रशासन, न्यायपालिका और संबंधित विभागों के समन्वित प्रयास से ही न्याय व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। अंत में उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है, जिसे मिलकर निभाना होगा।

झामुमो प्रखंड समिति की बैठक सम्पन्न, बूथ समिति गठन पर जोर

अमड़ापाड़ा: सोमवार को झामुमो प्रखंड समिति की बैठक प्रखंड अध्यक्ष श्यामलाल हांसदा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से बूथ समिति के गठन और बीएलए बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में पर्यवेक्षक के रूप में केंद्रीय समिति सदस्य विकास मुर्मू और केंद्रीय समिति सदस्य निशा शबनम हांसदा मौजूद रहीं। बैठक को संबोधित करते हुए विकास मुर्मू ने विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि आने वाले समय में मतदाता सूची में नामों की जांच को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे मजबूत और सक्रिय बीएलए बनाकर क्षेत्र के लोगों की मदद करें, ताकि किसी पात्र व्यक्ति का नाम सूची से न छूटे। साथ ही पंचायत स्तर पर नए सिरे से बूथ समिति गठन कर संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने पर जोर दिया। निशा शबनम हांसदा ने पंचायत समिति के पदाधिकारियों को अधिक सक्रिय होकर संगठन के प्रति जिम्मेदारी निभाने का निर्देश दिया। बैठक में महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष जोसेफिना हेम्ब्रम, युवा मोर्चा जिला सचिव अमित भगत, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला सचिव, महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष सुष्मिता मुर्मू, प्रखंड उपाध्यक्ष कालिदास मुर्मू, थोमस मुर्मू, धानो मरांडी, ईमरान अंसारी, प्रखंड सह सचिव संतोष भगत, नजरुल अंसारी, सामुएल मुर्मू, जिला कार्यकारिणी सदस्य संजीत भगत, नारायण भगत, अली हुसैन अंसारी, फिलीप मुर्मू, मंटू भगत, जिला मीडिया प्रभारी आफताब आलम, युवा मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष मरकुस किस्कु, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष नाजिर अंसारी, तनवीर अली, अबुल कलाम, भीमसेंट हेम्ब्रम, सोनम हांसदा सहित बड़ी संख्या में महिला और पुरुष कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तीन दिवसीय जनगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

लिट्टीपाड़ा (पाकुड़)। सोमवार को के भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण (मकान सूचीकरण और मकानों की गणना अंतर्गत प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ राजकीयकृत 2 विद्यालय, लिट्टीपाड़ा में किया गया। यह प्रशिक्षण 27 अप्रैल 2026 से प्रथम और द्वितीय बैच के लिए आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी कमल पहाड़िया, सहायक चार्ज पदाधिकारी सह प्रभारी साख्यिकी पर्यवेक्षक के. सी. दास, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, जनगणना टेक्निकल एक्सपर्ट शशि कपूर साहा और फील्ड ट्रेनरों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर कमल पहाड़िया ने कहा कि जनगणना देश की विकास योजनाओं की आधारशिला है। उन्होंने प्रगणकों

एवं पर्यवेक्षकों से प्रशिक्षण को गंभीरता से लेने और अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा व ईमानदारी से करने की अपील की। वहीं के. सी. दास ने अपने संबोधन में प्रशिक्षण कार्यक्रम को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि सही एवं सटीक आंकड़ों का संकलन ही जनगणना की सफलता सुनिश्चित करता है। प्रशिक्षण के दौरान फील्ड ट्रेनर नवीन कुमार सिंह, संजय कुमार, रंजीत कुमार वर्मा और प्रणव कुमार सेन ने प्रतिभागियों को विस्तृत जानकारी दी। प्रथम चरण में सभी घरों की पहचान, परिवारों का सही विवरण दर्ज करने, मानचित्रण और जियो टैगिंग के माध्यम से क्षेत्र का सटीक सीमांकन करने पर जोर दिया गया। साथ ही द्वितीय चरण जनसंख्या गणना में प्रत्येक परिवार एवं

व्यक्ति का सही विवरण दर्ज करने, स्व-गणना करने वाले परिवारों का सत्यापन करने और डेटा की गोपनीयता एवं शुद्धता बनाए रखने की जानकारी दी गयी। पर्यवेक्षकों को उनके दायित्वों के तहत संपूर्ण कार्य की निगरानी, पूर्ण कवरेज सुनिश्चित करने तथा समयबद्ध और त्रुटिरहित कार्य निष्पादन के लिए आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

अधिक शराब पीने से 37 वर्षीय युवक की मौत

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

अमड़ापाड़ा(पाकुड़)। थाना क्षेत्र के बासमती कृष्णा टोला निवासी 37 वर्षीय प्रदीप पाल की सोमवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने अधिक शराब सेवन को मौत का कारण बताया है।घटना की सूचना पर एसआई कविंद्र मिश्रा, एएसआई संतोल मुर्मू सहित पुलिस बल घटनास्थल पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली मृतक की पत्नी निरासी देवी ने बताया कि रविवार को उनके पति शराब पीकर घर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए उनके साथ मारपीट की इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी और उन्हें उल्टी होने लगी परिजनों ने तत्काल उन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद घर ले जाने की सलाह दी घर लौटने के बाद शाम में वह सो गए देर रात तक नहीं उठने पर परिजनों ने जगाने का प्रयास किया लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, इसके बाद आसपास के लोगों को बुलाया गया लेकिन काफी प्रयास के बावजूद उन्हें नहीं जगाया जा सका मृतक का एक बेटा और एक बेटी भी है।इधर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सोनाजोड़ी भेज दिया। थाना प्रभारी अनूप रोशन भेंगरा ने बताया कि मामले में यूडी केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।

अस्मिता सिटी लीग के दूसरे दिन महिला खिलाड़ियों में उत्साह और उमंग का माहौल

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पाकुड़। अस्मिता सिटी लीग 2026 के दूसरे दिन महिला खिलाड़ियों का फुटबॉल, साइकिलिंग एवं कबड्डी खेलों का आयोजन किया गया। फुटबॉल मुकाबलों में महिला खिलाड़ियों ने बेहतरीन समन्वय, टीम वर्क के साथ तकनीकी कौशल का शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का उत्साह बढ़ाया। हर मुकाबला रोमांचक और प्रतिस्पर्धात्मक रहा। वहीं साइकिलिंग प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने तेज गति, संतुलन और सहनशक्ति का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी क्षमता का प्रभावशाली परिचय दिया। कबड्डी प्रतियोगिता में खिलाड़ियों की फुर्ती, ताकत, रणनीति और टीम भावना ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया।खिलाड़ियों के जोश और संघर्ष ने आयोजन को और अधिक आकर्षक बना दिया। आयजकों ने बताया कि खेल प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को खेलों के माध्यम से सशक्त बनाना एवं उनकी प्रतिभा को उचित मंच प्रदान करना है। खेल प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सभी कोच, तकनीकी पदाधिकारी एवं जिला खेल कार्यालय के कर्मियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। आयोजन समिति ने बताया कि आगामी दिनों में भी विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। जिससे अधिक से अधिक महिला खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त हो सके।

डीएमफटी फंड पर करोड़ों के दुरुपयोग की आशंका, सामाजिक कार्यकर्ता ने निष्पक्ष जांच की किया मांग

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पाकुड़ जिले में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (DMFT) फेड के उपयोग को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश कुमार अग्रवाल ने आरोप लगाया है कि पिछले कुछ वर्षों में DMFT फंड से संचालित योजनाओं में भारी अनियमितता हुई है, जिससे करोड़ों रुपये के दुरुपयोग की आशंका बन रही है। अग्रवाल के अनुसार कई योजनाएं सिर्फ कागजों तक सीमित रह गई हैं। उनॉनि कहा कि बिना धरातल पर कार्य कराए ही राशि की निकासी कर ली गई है। इस संबंध में जब सूचना का अधिकार (RTI) के तहत जानकारी मांगी गई, तो विभागों द्वारा स्पष्ट जानकारी देने में टालमटोल किया गया, जिससे पारखीर्णता पर सवाल, वेबसाइट पर नहीं अपडेट डेटा जिला प्रशासन की पारदर्शिता पर भी सवाल उठाए गए हैं। आरोप है कि वर्ष 2020 के बाद से उसे जुड़ी ऑडिट रिपोर्ट और खर्च का विवरण आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड नहीं किया गया है। कई अधिकारी बदले, लेकिन सार्वजनिक जानकारी का अभाव बना रहा। अकवाल ने बोकारो जिले में सामने आए कथित DMFT घोटाले का हवाला देते हुए कहा कि वहां सैकड़ों करोड़ रुपये की गड़बड़ी की जात सामने आई है। उन्होंने आशंका जताई कि पाकुड़ में भी इसी तरह बड़े पैमाने पर अनियमितता हो सकती है। जिला खनिज फाउंडेशनष्ट (DMFT) एक गैर-लाभकारी संस्था है, जिसका गठन खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास और वहां के लोगों के कल्याण के लिए किया गया है। इसमें खनन कंपनियां अपनी रॉयल्टी का 10से 30 प्रतिशत हिस्सा जमा करती हैं। नियमों के अनुसार प्राथमिक उपयोग के क्षेत्र।DMFT फंड का उपयोग सरकार खनिज क्षेत्र कल्याण योजना (PMBOOKY) के तहत निम्न प्राथमिक क्षेत्रों में किया जाना अनिवार्य है। सुरेश कुमार आवाल ने मांग की है कि पिछले पांच वर्षों में DMFT फंड के उपयोग को उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच कराई जाए, ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके और दोषियों पर कार्रवाई हो। सामाजिक कार्यकतां एवं स्थानीय लोगों का जांच नहीं हुई, तो खनन प्रचावित क्षेत्रों के विकास के लिए मिलने पाला यह महत्वपूर्ण फंड अपने उद्देश्य से भटक सकता है।

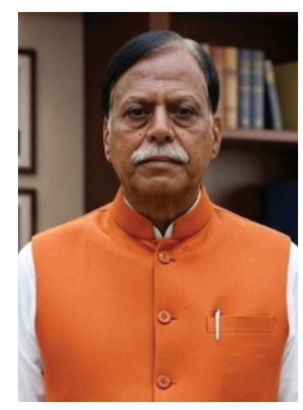

हिरणपुर बाजार को अभी तक नही मिली अतिक्रमण से मुक्ति, जाम की समस्या से परेशान है लोग

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

हिरणपुर (पाकुड़)। हिरणपुर बाजार को अभी तक अतिक्रमण से मुक्ति नही मिल पाई है , जिसकारण आये दिन बाजार के मुख्य सड़क में जाम की स्थिति बनी रहती है। वस्तुत बाजार लिट्टीपाड़ा अंचल क्षेत्र के अधीन है। बाजार के मुख्य सड़क में काफी संख्या में दुकानें है , जो मिशन रोड से नीचे तक फैला हुआ है। सड़क के दोनों ओर दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण कर दुकाने लगाई जा रही है।जिससे सड़क काफी संकीर्ण सा हो गया है। जबकि इस सड़क से प्रतिदिन दर्जनों की संख्या में भारी वाहन व अन्य वाहनों का आवागमन होता है। भारी वाहनों की आवागमन होने साथ सड़क में जाम की स्थिति बन जाती है। रही सही कसर ई रिक्शा व अन्य यात्री वाहनों द्वारा की जा रही है। जो सड़क में ही वाहनों को खड़ा कर दिया जाता है। जबकि इसको लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा निरन्तर सख्ती भी बरती जा रही है , इसके बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। सुभाष चौक की स्थिति तो काफी गम्भीर बनी हुई है। अतिक्रमण मुक्त को लेकर अंचल प्रशासन लिट्टीपाड़ा के द्वारा बीते वर्ष बड़े पैमाने पर अभियान चलाकर कार्रवाई किया गया था। जहां कार्रवाई के उपरांत सड़क के दोनों ओर बने जर्जर नाला को दुरुस्त भी किया गया था। पर कार्रवाई के कुछ माह के बाद ही स्थिति पूर्व की भांति बन गई है। ऐसी स्थिति बाजार के एक नम्बर गली व डांगापाड़ा चौक की भी है। जहां प्रशासनिक कार्रवाई के बाद भी स्थिति में सुधार नही हो पाया है। अतिक्रमण के कारण हो रहे सड़क जाम के कारण हमेशा से दुर्घटना होने की अंदेशा बनी हुई है। वही सड़क की स्थिति भी काफी जर्जर बनी हुई है। इसकी पुनर्निर्माण को लेकर सम्बन्धित विभाग मौन साधे बैठा हुआ है। आखिर लोगो को जाम की स्थिति से कब निजात मिलेगी , सोचनीय विषय बना हुआ है। इस सम्बंध में अंचलाधिकारी लिट्टीपाड़ा संजय कुमार ने बताया कि बीते वर्ष अतिक्रमण को लेकर व्यापक रूप से कारवाई किया गया था। इसको लेकर आमलोगों को भी जागरूक होना आवश्यक है। अतिक्रमण को लेकर जल्द ही आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। बहरहाल आमलोगों इंतजार में है कि प्रशासन के द्वारा अतिक्रमण से कब पूरी तरह मुक्ति दिलाएगी।

राहा गांव में जलसा का हुआ आयोजन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बसंतराय : प्रखंड क्षेत्र के राहा गांव स्थित मुमताज नगर मदरसा फैजूल कुरआन के प्रांगण में रात्रि को इजलास- ए- आम (जलसा) का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर मदरसा फैजुल कुरआन का संग-ए-बुनियाद कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी रही। कार्यक्रम का आगाज कारी मो. तहसीन ने तिलावत-ए-कुरआन से किया। इसके बाद नात-ए-पाक और तकरीरों का सिलसिला शुरू हुआ। मौके पर उलेमा-ए-किराम ने अमन-चैन, मुल्क की तरक्की और खासकर बच्चों की बेहतर तालीम के लिए सामूहिक दुआ की। मंच पर मौजूद उल्मा ए किराम ने जलसा में मौजूद लोगों को संबोधित किया मौलाना मो. इकबाल कासमी, मौलाना मुफ्ती निजामुद्दीन, मौलाना मो. मुफ्ती सरवर नदीम कासमी, मौलाना मो. शम्स परवेज, मौलाना मो. शौकत एवं मौलाना मो. अब्दुल रज्जाक कासमी ने कहा इंसान की जिंदगी का असली मकसद अल्लाह की इबादत और इंसानियत की खिदमत है। उन्होंने कहा की तालीम हर इंसान के लिए जरूरी है, क्योंकि इल्म ही वह रोशनी है जो इंसान को सही और गलत की पहचान कराती है। उलेमा-ए-किराम ने कहा की आज के दौर में बच्चों की दीन और दुनियावी दोनों तरह की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है, ताकि वे एक अच्छे इंसान और जिम्मेदार इनसान बन सकें। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को तालीम के रास्ते पर आगे बढ़ाएं और उनमें अच्छे संस्कार डालें। अपने संबोधन में उलेमा ने आखिरत का जिक्र करते हुए कहा की यह दुनिया एक अस्थायी ठिकाना है, जबकि असल जिंदगी आखिरत की है। इंसान को अपने हर अमल का हिसाब देना होगा, इसलिए उसे सच्चाई, ईमानदारी और नेक रास्ते पर चलना चाहिए। दुनिया दरअसल आखिरत की खेती है- यहां जो बोया जाएगा, वही वहां काटा जाएगा।

जनगणना 2026 को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

महेशपुर (पाकुड़)। आगामी जनगणना 2026 को त्रुटिरहित और सफल बनाने के लिए महेशपुर प्रखंड प्रशासन तैयारियों में जुट गया है। इसी कड़ी में शनिवार को प्रखंड के उत्क्रमित उच्च विद्यालय महेशपुर प्लस टू उच्च विद्यालय में प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ. सिद्धार्थ शंकर यादव की अध्यक्षता में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण शिविर में प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों से आए शिक्षकों को जनगणना का कार्य सौंपा गया है। मास्टर ट्रेनर चक्रधर महतो एवं नईम रेजा ने शिक्षकों को जनगणना के दौरान अपनाई जाने वाली प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षकों ने बताया कि घर-घर जाकर आंकड़े जुटाने का कार्य पश्चिम दिशा से उत्तर दिशा की ओर तथा दक्षिण दिशा से पूर्वी दिशा की ओर बढ़ते हुए पूरा करना है। फॉर्म भरने, मोबाइल ऐप के उपयोग और पूछे जाने वाले सवालों के बारे में भी विस्तार से समझाया गया।प्रशिक्षण सत्र को संबोधित करते हुए बीडीओ डॉ. सिद्धार्थ शंकर यादव ने कहा कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है। इससे प्राप्त आंकड़ों के आधार पर ही सरकार की योजनाएं बनती हैं। उन्होंने सभी शिक्षकों से अपील की कि वे इस कार्य को पूरी ईमानदारी और गंभीरता से करें। कोई भी घर या व्यक्ति जनगणना से छूटना नहीं चाहिए। उन्होंने प्रशिक्षण में बताई गई हर बारीकी को ध्यान में रखकर फील्ड में काम करने के निर्देश दिए।कार्यक्रम में प्रखंड के कई अधिकारी, विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

बीते 10 वर्षों से बंद पड़ा हुआ है करोड़ो लागत से बने पीएचसी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

हिरणपुर (पाकुड) । प्रखंड के तालपहाड़ी स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बीते 10 वर्षो से बंद पड़ा हुआ है। करोड़ों रुपये की लागत से इस प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण किया गया था, पर अभी तक इस केंद्र का ताला तक नही खुला। स्वास्थ्य केंद्र की निर्माण होने पर स्थानीय लोगो की उम्मीदें जगी थीं कि इस स्वास्थ्य केंद्र के चालू होने से उन्हें इलाज के लिए दस किमी दूरी तय कर हिरणपुर जाना नही पड़ेगा। लेकिन उनकी यह उम्मीद अब तक अधूरी है। मिली जानकारी के अनुसार भवन निर्माण के बाद इस केंद्र में स्वास्थ्य सुविधाओ को लेकर काफी संख्या में आवश्यक संसाधन भी उपलब्ध कराया गया था । पर केंद्र में शुरू से ही ताला लगे रहने से भवन जर्जर हो गई, वही पंखा, दरवाजा, खिड़की टूट कर बिखर गई । इसके कुछ वर्षों बाद सरकार के द्वारा एक चिकित्सक की भी नियुक्ति की गई थी, जो एक बार भी झांकने तक नही गया। वर्तमान में विभागीय रूप से केंद्र की मरम्मती कार्य की गई है। पर केंद्र में पानी की विकट संकट बनी हुई है। ग्रामीणों के अनुसार यह स्वास्थ्य केंद्र सुदूर क्षेत्र में रहने वाले लोगों के लिए किसी वरदान से कम नहीं होता, यदि इसे समय पर शुरू कर दिया जाता। लोगों का कहना है कि भवन में लगभग सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं, इसके बावजूद अब तक संचालन शुरू नहीं किया गया है। ग्रामीणों ने नाराजगी जताते हुए बताया कि अस्पताल के मुख्य गेट पर वर्षों से ताला लटका हुआ है, जो विभागीय उदासीनता को दर्शाता है। उनका कहना है कि सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च करती है, लेकिन इस तरह के मामलों से सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका भी पैदा होती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि स्वास्थ्य केंद्र को अविलंब चालू किया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को समय पर चिकित्सा सुविधा मिल सके। ऐसी स्थित डांगापाड़ा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का भी है। जहां वर्ष 2009 को निर्मित करोड़ो लागत की भवन पड़ा है। क्षेत्र के लोग जिस आशा व भरोसे से थे कि अब सुदूर क्षेत्र के लोगो को भी स्वास्थ्य सेवा मिलेगी, सब दिवास्वप्न साबित हो रहा है। इस सम्बंध में चिकित्सा प्रभारी डा. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि बीते 10 वर्ष पूर्व तालपहाड़ी स्थित पीएचसी का निर्माण किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड मुक्ति मोर्चा महिला जिला उपाध्याय उपयुक्त रवि आनंद से शिष्टाचार भेंट किए

चतरा । गिद्धौर प्रखंड के अंतर्गत झारखंड मुक्ति मोर्चा महिला के चतरा जिला अध्यक्ष संगीत पाठक जिले के उपयुक्त रवि आनंद से आज शिष्टाचार भेंट कर जिले और प्रखंड की समस्याओं को रखी और समस्याओं का निवारण का आग्रह किए इस मौके पर लोजपा जिला अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह ,कैलाश सिंह , जे एम एम के वरिष्ठ नेता यदुनंदन पाण्डेय,भी शामिल रहे।

नए समाहरणालय भवन में कामकाज शुरू करने की तैयारी तेज, उपायुक्त ने दिए शिफ्टिंग के निर्देश

लोहरदगाः जिला प्रशासन की कार्यशैली को अधिक सुव्यवस्थित और जन-केंद्रित बनाने के लिए लोहरदगा में नए समाहरणालय भवन में कार्यालयों के स्थानांतरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। सोमवार को उपायुक्त संदीप कुमार मीना ने समाहरणालय सभाकक्ष में जिले के सभी कार्यालय प्रधानों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि नए भवन में शिफ्टिंग का मुख्य उद्देश्य प्रशासनिक कार्यों में तेजी लाना और व्यवस्था को केंद्रीकृत करना है। उन्होंने कहा कि सभी प्रमुख विभागों को कक्ष आवंटित किए जा चुके हैं। अब सभी कार्यालय प्रधानों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने विभागों को जल्द से जल्द नए भवन में स्थानांतरित करें, ताकि आम जनता को अलग-अलग कार्यों के लिए भटकना न पड़े और एक ही परिसर में उनकी समस्याओं का समाधान हो सके। भवन के सुचारु संचालन के साथ-साथ उपायुक्त ने परिसर की सुरक्षा और प्रकाश व्यवस्था पर भी ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने समाहरणालय परिसर में हाइमास्ट लाइट लगवाने की प्रक्रिया को तेज करने का निर्देश दिया, ताकि रात्रि में भी परिसर पूरी तरह से सुरक्षित और प्रकाशित रहे। इस बैठक में प्रशासनिक अमले के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे, जिनमें मुख्य रूप से अपर समाहर्ता जितेन्द्र मुंडा, आईटीडीए परियोजना निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग, अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रमोद दास, जिला पंचायती राज पदाधिकारी अंजना दास सहित अलावा विभिन्न विभागों के कार्यालय प्रधान भी उपस्थित रहे। उपायुक्त ने सभी को समन्वय बनाकर जल्द से जल्द शिफ्टिंग प्रक्रिया पूर्ण करने का संकल्प दोहराया।

लोहरदगा की बिटिया साफिया रानी ने मैट्रिक में गाड़े झंडे, पूर्व सांसद धीरज साहू ने किया सम्मानित

लोहरदगाः झारखंड एकेडमिक काउंसिल द्वारा मैट्रिक परीक्षा के परिणाम घोषित होने के बाद लोहरदगा जिले में उत्साह का माहौल है। इसी कड़ी में थाना टोली निवासी मुख्तार अंसारी की पुत्री साफिया रानी ने 98.40 प्रतिशत अंक हासिल कर जिले का मान बढ़ाया है। साफिया की इस ऐतिहासिक सफलता पर न केवल उनके परिवार में खुशी है, बल्कि पूरे क्षेत्र के लोग उन्हें बधाई देने पहुँच रहे हैं। साफिया रानी की इस शानदार उपलब्धि के बाद उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू से शिष्टाचार मुलाकात की। इस

अवसर पर धीरज प्रसाद साहू ने साफिया को मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया और उनके उज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा साफिया जैसे प्रतिभाशाली विद्यार्थी समाज और देश का भविष्य हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद ऐसी उत्कृष्ट सफलता प्राप्त करना अत्यंत सराहनीय है और यह अन्य छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने साफिया को अपना लक्ष्य ऊँचा रखने और निरंतर मेहनत करने की सलाह दी। अपनी कामयाबी पर खुशी जाहिर करते हुए साफिया रानी ने बताया कि उनकी इस सफलता के पीछे माता-पिता का सहयोग, शिक्षकों का मार्गदर्शन और नियमित अध्ययन का बड़ा हाथ है। उन्होंने कहा कि अनुशासन और बेहतर समय प्रबंधन के बल पर ही उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है। भविष्य में वे उच्च शिक्षा प्राप्त कर समाज की सेवा करना चाहती हैं। साफिया की सफलता पर परिवार के सदस्यों ने गर्व व्यक्त किया है। मौके पर कई स्थानीय गणमान्य व्यक्ति और शिक्षक भी उपस्थित रहे, जिन्होंने साफिया को मिठाई खिलाकर और आशीर्वाद देकर उनके सुनहरे भविष्य की मंगलकामना की। स्थानीय लोगों का कहना है कि साफिया ने अपनी मेहनत से लोहरदगा का नाम पूरे प्रदेश में रोशन किया है।

लोहरदगा में गौरक्षा सम्मान अभियान का शंखनादः गाय को राष्ट्र माता बनाने हेतु ज्ञापन सौंपा

लोहरदगाः गाय को राष्ट्र माता का संवैधानिक दर्जा दिलाने और देशव्यापी गौ-हत्या बंदी कानून की मांग को लेकर सोमवार को लोहरदगा में राष्ट्रीय गौरक्षा समिति ने हुंकार भरी। 27 अप्रैल 2026 को शुरू हुए इस राष्ट्रव्यापी गौरक्षा सम्मान अभियान के तहत जिला गौरक्षा प्रमुख विकास यादव के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने अनुमंडल कार्यालय पहुंचकर हस्ताक्षरित ज्ञापन सौंपा। इस मुहिम का मुख्य उद्देश्य गाय को राष्ट्र माता, राष्ट्र देव या राष्ट्र धरोहर के रूप में प्रतिष्ठित करना है। ज्ञापन के माध्यम से केंद्र सरकार से मांग की गई है कि गौ रक्षा के लिए एक सख्त केंद्रीय कानून बनाया जाए। सोमवार को देशभर की विभिन्न तहसीलों, ब्लॉक और जिला मुख्यालयों पर एक साथ ज्ञापन देकर जनभावनाओं को सरकार तक पहुँचाने का प्रयास किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने स्पष्ट किया कि यह संत-महात्माओं के मार्गदर्शन में चलने वाला एक पूर्णतः अहिंसक और संगठित आंदोलन है। विकास यादव ने कहा गाय केवल पशु नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और अर्थव्यवस्था की आधारशिला है। यह अभियान करोड़ों भारतीयों की आस्था का सम्मान है। आगामी रणनीति के तहत, ज्ञापन सौंपने के बाद अगले पांच महीनों तक पूरे देश में सघन जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। समिति के सदस्य गांव-गांव जाकर आम जनमानस को इस मुहिम से जोड़ेंगे ताकि इसे एक बड़ी जनक्रांति का रूप दिया जा सके। लोहरदगा के इस आयोजन में भारी संख्या में गौ भक्त और स्थानीय नागरिक शामिल हुए, जिन्होंने गौ माता की रक्षा का संकल्प दोहराया।

पेयजल संकट पर प्रशासन का बड़ा प्रहारः हर पंचायत में शिविर

उपायुक्त का औचक निरीक्षण बंद जलमीनार और चेक डैम पर तुरंत एक्शन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

चतरा। झारखंड सरकार के निर्देश पर चतरा जिले में चल रहे "पेयजल समस्या निवारण पखवाड़ा" ने अब जमीनी असर दिखाना शुरू कर दिया है। 24 अप्रैल से 11 मई तक चलने वाले इस विशेष अभियान के दूसरे दिन शनिवार को जिले के विभिन्न प्रखंडों और पंचायतों में व्यापक स्तर पर शिविर आयोजित कर आमजनों की पेयजल समस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में ठोस पहल की गई। शनिवार को चतरा, गिद्धौर, हंटरगंज, प्रतापपुर, कुंदा, लावालौंग, सिमरिया, इटखोरी, मयूरहंड, कान्हाचट्टी, पत्थलगड़ा और टंडवा प्रखंडों की कई पंचायतों में शिविर लगाकर ग्रामीणों की शिकायतें सुनी गईं और मौके पर ही समाधान की प्रक्रिया शुरू की गई। वहीं नगर परिषद चतरा के वार्ड संख्या 03 एवं 04 में भी विशेष शिविर आयोजित कर शहरी क्षेत्रों की समस्याओं का निष्पादन किया गया।

उपायुक्त का औचक निरीक्षण, ग्राम सभा में दिया भरोसाः जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त रवि आनंद ने पत्थलगड़ा प्रखंड के बरवाडीह पंचायत में आयोजित शिविर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम सभा में भाग लेते हुए ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों को संबोधित किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि जिले का कोई भी गांव पेयजल संकट से प्रभावित न रहे। इसके लिए हर स्तर पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। ग्राम सभा में स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में चेक डैम निर्माण की मांग प्रमुखता से उठाई। कृषि प्रधान इस इलाके में जल संकट के कारण किसानों को हो रही परेशानियों को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त ने प्रस्ताव को ग्राम सभा से पारित कर नियमानुसार अग्रसारित करने का निर्देश दिया।

◆ पत्थलगड़ा में 8 वर्षों से बंद जलमीनार पर प्रशासन सख्त, 11 गांवों की जलापूर्ति बहाल करने की तैयारी तेज

8 साल से बंद जलमीनार पर सख्ती, स्थायी समाधान की पहलः निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने प्रखंड मुख्यालय स्थित पर्यटन एवं तीर्थ स्थल मां दक्षिणेश्वरी मंदिर प्रांगण स्थित जलमीनार का भी जायजा लिया, जो पिछले आठ वर्षों से बंद पड़ा है। यह जलमीनार 11 गांवों को पानी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बनाया गया था, लेकिन नदी में जल की कमी के कारण यह निष्क्रिय हो गया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उपायुक्त ने स्वयं स्थल पर नदी का निरीक्षण किया और जल संकट के स्थायी समाधान के लिए चेक डैम निर्माण सहित आवश्यक तकनीकी उपायों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

प्रखंड कार्यालय का निरीक्षण, कर्मियों को सख्त चेतावनीः इसके बाद उपायुक्त ने पत्थलगड़ा प्रखंड सह अंचल कार्यालय का निरीक्षण कर कार्यालयीन व्यवस्था, उपस्थिति रजिस्टर और अभिलेखों की जांच की। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मियों को समय पर कार्यालय आने और आमजनों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने का सख्त निर्देश दिया। साथ ही योजनाओं में पारदर्शिता बनाए रखने और शिकायत मिलने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

मैदानी स्तर पर तेज कार्रवाई, खराब स्रोतों की मरम्मत युद्धस्तर परः पखवाड़ा के तहत सिर्फ शिकायतें ही नहीं सुनी जा रही हैं, बल्कि तकनीकी टीमों द्वारा मौके पर ही खराब चापाकल, जलमीनार और पाइपलाइन की मरम्मत भी तेजी से की जा रही है। कई पंचायतों में वर्षों से बंद पड़े पेयजल स्रोतों को पुनः चालू कर ग्रामीणों को तत्काल राहत दी गई है। वरीय अधिकारियों द्वारा लगातार फील्ड निरीक्षण कर कार्यों की मॉनिटरिंग की जा रही है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि हर समस्या का समाधान तय समयसीमा के भीतर और गुणवत्तापूर्ण तरीके से हो।

स्थानीय युवाओं को रोजगार दिलाना प्राथमिकता, यूनियन के प्रयास से 12 युवाओं को मिली नौकरीः धीरज साहू

◆ नियुक्ति पाकर खिले युवाओं के चेहरे, जताया आभार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

लोहरदगाः छोटानागपुर बॉक्साइट एवं कोल वर्कर्स यूनियन के महासचिव व पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू के सतत प्रयासों से क्षेत्र के 12 स्थानीय युवाओं के चेहरे पर मुस्कान आई है। प्रतिष्ठित औद्योगिक संस्थान हिंडाल्को द्वारा इन युवाओं को नियुक्ति प्रदान की गई है, जो क्षेत्र में रोजगार सृजन की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। सोमवार को आयोजित एक गरिमामयी समारोह में पूर्व सांसद धीरज प्रसाद साहू ने अपने कर-कमलों से सभी चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार और नौकरी से जोड़ना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यूनियन का लक्ष्य केवल श्रमिकों की समस्याओं का समाधान करना ही नहीं, बल्कि योग्य स्थानीय प्रतिभाओं को उचित मंच दिलाना भी है। कार्यक्रम के दौरान धीरज साहू ने स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देने के लिए हिंडाल्को प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया। अपनी मेहनत का फल मिलने पर युवाओं ने यूनियन और साहू के प्रति कृतज्ञता प्रकट की। यूनियन के अध्यक्ष निशीथ जायसवाल ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भविष्य में भी स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने के प्रयास निरंतर जारी रहेंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि यूनियन और प्रबंधन के बीच बेहतर समन्वय से क्षेत्र का विकास सुनिश्चित किया जाएगा। समारोह में इस मौके पर सोहराब अंसारी, इकरामुल अंसारी, अम्बर कुमार सिंह, सुकरा उरांव, श्यामसुंदर महतो और एतवा उरांव मौजूद रहे। वही हिंडाल्को प्रबंधन की ओर से चिन्मय दास और अभिनव कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे, जिन्होंने चयनित युवाओं का स्वागत किया और कंपनी की कार्यप्रणाली से अवगत कराया। इस पहल की पूरे क्षेत्र में सराहना की जा रही है।

सेन्हा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, पशु तस्करी का भंडाफोड़; 5 मवेशी जब्त, दो गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

सेन्हा/लोहरदगाः जिला पुलिस कप्तान सादिक अनवर रिज़वी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर सेन्हा थाना पुलिस ने सोमवार को पशु तस्करी के विरुद्ध बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने कंडरा चौक के समीप घेराबंदी कर एक पिकअप वाहन से क्रूरतापूर्वक ले जाए जा रहे पांच मवेशियों को मुक्त कराया। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, पशु तस्कर ओडिशा के राउरकेला से एक पिकअप वाहन में मवेशियों को अवैध रूप से लादकर ले जा रहे थे। वरीय पदाधिकारियों के निर्देश पर थाना प्रभारी नीरज झा के नेतृत्व में कंडरा चौक पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। दोपहर करीब 12 बजे जैसे ही संदिग्ध पिकअप वहां पहुंची, पुलिस ने उसे रोक लिया। जांच के दौरान पिकअप वाहन में 3 भैंस और 2 भैंसा अत्यंत अमानवीय तरीके से लदे हुए पाए गए। जब पुलिस ने चालक से पशुओं के परिवहन से संबंधित वैध कागजात मांगे, तो वह कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने वाहन और पांचों पशुओं को जब्त कर थाना परिसर लाया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिहार के भोजपुर जिले के कृष्णगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत सरैया निवासी विकास यादव, पिता सरई यादव और कुंदन यादव, पिता विजय यादव के रूप में हुई है। सेन्हा थाना प्रभारी नीरज झा ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है। पुलिस ने सेन्हा थाना कांड संख्या 60/26 दर्ज करते हुए झारखंड पशु क्रूरता अधिनियम की धारा 12(a) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिसिया कार्रवाई के बाद गिरफ्तार दोनों पशु तस्करों को न्यायिक हिरासत में लोहरदगा जेल भेज दिया गया है।

चतरा नगर परिषद : चुनावी वादा टूटा, वादा है वादों का क्या?

● चतरा नगर परिषद में होल्डिंग टैक्स घटने के 6बजाय 10% बढ़ा, जनता में नाराजगी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

चतरा। नगर वासियों का अध्यक्ष से सीधा सवाल : यदि होल्डिंग टैक्स घटा नहीं सकते थे तो कम से कम बढ़ाते तो नहीं! चतरा नगर परिषद की जनता अपने आप को ठगा हुआ महसूस कर रही है। नगर परिषद क्षेत्र की जनता बड़े अरमान से नगर परिषद में नई सरकार चुनी थी। जनता के अरमानों पर पानी फिरता दिखाई पड़ रहा है। नगर परिषद क्षेत्र में होल्डिंग टैक्स में राहत देने के बजाय 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी गई है। बढ़ी हुई दरें चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 से ही लागू हो गई हैं। इस फैसले के बाद आम नागरिकों की चिंता और गुस्सा दोनों बढ़ गए हैं। महंगाई की मार झेल रहे लोगों का कहना है कि यह फैसला उनके घरेलू बजट पर सीधा हमला है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि टैक्स पहले से ही ज्यादा था। अब 10% वृद्धि के बाद जिन मकान मालिकों का सालाना होल्डिंग टैक्स 1000 रुपये था, उन्हें 1100 रुपये और 1500 रुपये वालों को 1650 रुपये चुकाने होंगे। लोगों का कहना है कि बिजली, पानी, राशन और रोजमर्रा की जरूरी चीजों के दाम पहले ही आसमान छू रहे हैं। ऐसे में होल्डिंग टैक्स बढ़ाना मध्यमवर्गीय परिवारों की कमर तोड़ने जैसा है। सीमित आय वाले परिवारों पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ेगा।

चुनावी वादे ने तोड़ दी दम, नवनिर्वाचितों को नहीं है कोई गम : सबसे ज्यादा नाराजगी चुनावी वादे को लेकर है। चुनाव के दौरान निर्वाचित नगर परिषद अध्यक्ष अताउर रहमान उर्फ बाबू भाई ने

जनता से होल्डिंग टैक्स कम करने का वादा किया था। उस समय यह मुद्दा खूब गरमाया था और लोगों ने टैक्स में राहत की उम्मीद में उन्हें भरपूर समर्थन दिया। जितने के बाद उन्होंने टैक्स में कटौती करने की भी घोषणा की थी।लेकिन अब वादे के उलट टैक्स में बढ़ोतरी ने लोगों को हैरान कर दिया है। कई लोगों ने आरोप लगाया कि चुनावी वादे सिर्फ वोट हासिल करने का जरिया बनकर रह गए हैं।

महंगाई में घर चलाना मुश्किल , अब टैक्स बढ़ा कर डाला बोझः स्थानीय निवासी मो कलाम ने कहा, हमने बाबू भाई को इसलिए वोट दिया था कि टैक्स कम होगा। अब उल्टा 10% बढ़ा दिया। महंगाई में घर चलाना मुश्किल है, ऊपर से टैक्स का बोझ। वहीं गृहिणी अनीशा का कहना है कि हर चीज महंगी हो गई है। बच्चों की पढ़ाई, दवाई का खर्च अलग। अब टैक्स भी बढ़ गया तो बचत क्या होगी।

नगर विकास विभाग के आदेश पर बढ़ी टैक्स : इस पूरे मामले पर नगर परिषद के सिटी मैनेजर रोहित गुरिया ने सफाई दी। उन्होंने बताया कि होल्डिंग टैक्स में वृद्धि नगर विकास विभाग के आदेश पर की गई है। यह बढ़ोतरी केवल चतरा में नहीं, बल्कि झारखंड के सभी नगर निकायों में लागू है। चालू वित्तीय वर्ष से नई दरों पर वसूली शुरू कर दी गई है।

लोहरदगा के विकास को लेकर पूर्व सांसद धीरज साहू ने मुख्यमंत्री से की चर्चा; सौंपा मांग पत्र

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

लोहरदगाः वरिष्ठ कांग्रेसी सह पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने आज झारखंड के लोकप्रिय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शिष्टाचार भेंट की। इस उच्च स्तरीय मुलाकात के दौरान लोहरदगा जिले सहित संपूर्ण राज्य के समग्र और समावेशी विकास को लेकर गहन मंथन किया गया। पूर्व सांसद धीरज प्रसाद साहू ने राज्य की प्रगति में लोहरदगा की भागीदारी और वहां की स्थानीय समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु मुख्यमंत्री को एक विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। मुलाकात के दौरान धीरज प्रसाद साहू ने जिले की चार प्रमुख समस्याओं सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार को प्रमुखता से मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि लोहरदगा के ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों की स्थिति में सुधार और स्वास्थ्य

केंद्रों में आधुनिक सुविधाओं का विस्तार अत्यंत आवश्यक है। साथ ही,

उन्होंने शिक्षा के स्तर को ऊँचा उठाने के लिए संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का आग्रह किया। धीरज प्रसाद साहू ने मुख्यमंत्री से विशेष आग्रह किया कि राज्य के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करना वर्तमान समय की सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की बात कही, ताकि गांवों से पलायन रुक सके और स्थानीय स्तर पर आत्मनिर्भरता बढ़े। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पूर्व सांसद की बातों को पूरी गंभीरता से सुना और उन्हें आश्वस्त किया कि उनकी सरकार जन-आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि हमारी सरकार झारखंड के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पित है। लोहरदगा सहित प्रदेश के सभी जिलों में विकास योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर लागू किया जाएगा ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुँच सके। इस मुलाकात को लोहरदगा के विकास की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। धीरज प्रसाद साहू ने मुख्यमंत्री के सकारात्मक रुख के प्रति आभार व्यक्त किया और आशा जताई कि जल्द ही जिले की समस्याओं का ठोस समाधान धरातल पर दिखाई देगा।

भीषण गर्मी को लेकर नगर परिषद अलर्ट, अध्यक्ष अनिल उरांव बोले– शहर में नहीं होने देंगे पानी की किल्लत

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

लोहरदगाः अप्रैल के महीने में ही सूर्य के कड़े तेवर ने लोहरदगा वासियों को झुलसाना शुरू कर दिया है। लगातार बढ़ते तापमान और दोपहर की तपिश ने यह संकेत दे दिया है कि आगामी मई का महीना और भी चुनौतीपूर्ण होने वाला है। इस संभावित जल संकट से निपटने के लिए लोहरदगा नगर परिषद पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गई है। सोमवार को नगर परिषद कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए नगर परिषद अध्यक्ष अनिल उरांव ने स्पष्ट किया कि प्रशासन किसी भी विषम परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार है। उन्होंने

कहा अप्रैल की यह गर्मी आने वाली प्रचंड लू और तपिश का पूर्वाभास है। हमने भविष्य की चुनौतियों को देखते हुए जलापूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त कर लिया है। शहरवासियों को पानी की समस्या न हो, इसके लिए पुराने जल टैंकरों की मरम्मत करा दी गई है। अध्यक्ष ने आगे बताया कि बोर्ड की बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि जलापूर्ति से जुड़ी किसी भी प्रकार की शिकायत मिलते ही उसका त्वरित समाधान किया जाएगा। नगर परिषद का लक्ष्य है कि गर्मी के चरम पर होने के दौरान भी हर वार्ड और हर घर तक पानी की पहुंच सुनिश्चित रहे। नगर परिषद ने स्पष्ट किया है कि पाइपलाइन और टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति की मॉनिटरिंग की जा रही है। इस मौके पर उपाध्यक्ष अब्दुल कादिर समेत अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी भी उपस्थित रहे। उन्होंने भी जनता को आश्वस्त किया कि संसाधनों की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी।

सास के साथ रिश्ता खूबसूरत बनाए रखने के लिए इन खास बातों का रखें ध्यान

महिलाओं के जीवन में हर पड़ाव पर कई सारे बदलाव और उतार-चढ़ाव आते हैं। इन्हीं में से उनका एक फेज शादी का भी होता है। दरअसल, शादी के बाद कई नए रिश्ते बनते हैं, जिनमें सास-बहू का रिश्ता बेहद अनोखा और इंटरेस्टिंग होता है।

टीवी सीरियल और सिनेमा ने सास और बहू की रिलेशनशिप की अलग ही छवि बना रखी है, जहां प्यार कम और नोकझोंक ज्यादा दिखाई देता है। हालांकि, रियल लाइफ में कई जगह ऐसे ही उदाहरण देखने को मिलते हैं। इस तरह के रिश्ते थोड़े चुनौतीपूर्ण तो होते हैं। पर, छोटी सी कोशिश और समझदारी से इस रिश्ते को खूबसूरत और मजबूत बनाया जा सकता है।

सास-बहू के रिश्ते को कैसे बनाएं मजबूत?

सम्मान और प्यार दिखाएं

बहू होने के नाते आपको हमेशा अपनी सास का सम्मान करना चाहिए और उन्हें प्यार देना चाहिए। जब भी आपकी सास कुछ बोल रही हों, तो उनकी बातों को ध्यान से सुनें और उनकी भावनाओं को समझने की कोशिश करें। साथ ही, उनके अनुभवों से सीखने का प्रयास करें।

सास के साथ अच्छी तरह से करें बातचीत

अपनी सास से खुलकर और ईमानदारी से बात करें। अगर आपको किसी भी तरह की कोई परेशानी है, तो अपनी भावनाओं और विचारों को उनसे साझा करें। अगर कोई गलतफहमी या मनमुटाव हो तो शांत और धैर्यपूर्वक बात करें। कुछ चीजों को उनकी नजरिए से भी देखने की कोशिश करें। तभी आपके संबंध सास के साथ अच्छे हो सकते हैं।

घरेलू कामों में सास की करें मदद

जब भी जरूरत हो तो अपनी सास की मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहें। घरेलू कामों में, खरीदारी में या फिर डॉक्टर के पास ले जाने में उनकी मदद अवश्य करें। उनके लिए समय निकालें और बीच-बीच में उनके साथ बातें कर रहें। उन्हें कभी भी अकेलापन महसूस न होने दें।

रिश्ते में धैर्य रखना है जरूरी

रिश्ते बनाने में समय लगता है। अपनी सास के साथ मजबूत रिश्ता बनाने के लिए आपको धैर्य रखने की जरूरत है। अपनी गलतियों से सीखें और धीरे-धीरे आपस में समझदारी विकसित करें।

टेक्नोलॉजी के कारण हो रहा है स्ट्रेस तो इन आसान टिप्स की मदद से खुद को करें रिलैक्स

टेक्नोलॉजी का अत्यधिक उपयोग आज के समय में तनाव का कारण बन रहा है, लेकिन आप इस तनाव को खुद से दूर करने के लिए कुछ आसान उपायों की मदद ले सकती हैं।

तनाव आज के समय में लोगों के जीवन का हिस्सा ही बन गया है। घर से लेकर ऑफिस में काम का बढ़ता बोझ, कमजोर पारिवारिक रिश्ते व बेहद जल्द सबकुछ पाने की चाह जीवन को तनावग्रस्त बनाती है। लेकिन इसके अलावा एक चीज ऐसी भी है, जो स्ट्रेस को जन्म देती है और वह है टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करना। वर्तमान में, किसी भी महिला का शायद ही कोई दिन ऐसा बीतता हो, जब वह टेक्नोलॉजी के संपर्क में ना आती हो। फोन से लेकर लैपटॉप में हम कई-कई घंटें बिताते हैं, लेकिन अंततः इनका अत्यधिक उपयोग स्ट्रेस और एंग्जाइटी जैसी समस्याओं को जन्म देता है। टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हुए भी आप टेक स्ट्रेस को खुद से दूर कर सकती हैं और इसके लिए आपको बहुत कुछ करने की जरूरत नहीं है। बस आप कुछ छोटे-छोटे टिप्स अपनाकर ऐसा आसानी से कर सकती हैं। तो चलिए जानते हैं इन टिप्स के बारे में-

करें डिजिटली डिटॉक्स

खुद को तनावमुक्त रखने का सबसे आसान तरीका यह है कि आप खुद को कभी-कभी डिजिटली डिटॉक्स करें। स्क्रीन (आंखें स्वस्थ रखने के लिए अपनाएं टिप्स) से बाहर आकर वास्तविक दुनिया का आनंद लें। मसलन, अगर संडे को आपकी छुट्टी होती है तो उस दिन अपने लैपटॉप को भी छुट्टी दें। कोशिश करें कि वह दिन आप अपने परिवार के साथ बिताएं और फोन, लैपटॉप व टीवी से दूरी बनाएं। इसके अलावा जब आप ऑफिस से घर आती है तो कम से कम एक घंटे के लिए फोन को बंद करके रखें। इससे भी आप खुद को अतिरिक्त टेक स्ट्रेस को दूर कर सकती हैं।

लें छोटे-छोटे ब्रेक

अगर आपका काम कुछ ऐसा है कि आपको लंबे समय तक लैपटॉप के सामने बैठना पड़ता है तो हो सकता है कि इसके कारण आपको सिर में दर्द या फिर अन्य तरह के स्ट्रेस का सामना करना पड़ता है। इसलिए इससे बचने के लिए आप काम के बीच में छोटे-छोटे ब्रेक लें। अगर संभव हो तो आप बीच में कुछ नैप भी ले सकती हैं। इससे भी आपका स्ट्रेस काफी कम होता है।

फोन को रखें बेड से दूर

टेक स्ट्रेस को दूर करने का एक सबसे अच्छा तरीका है कि आप अपने जीवन में कुछ नियम तय करें। मसलन, जब आप रात में अपने बेड पर हों तो फोन को खुद से दूर रखें। इसके अलावा सुबह उठने के बाद सबसे पहले फोन को इस्तेमाल करने की आदत को बदलें। इस तरह के छोटे-छोटे टिप्स टेक स्ट्रेस को दूर रखने में मददगार होता है।

तय करें शेड्यूल

जब आप टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रही हैं तो आपको इस बात का ध्यान रखना होगा कि आप उसे नियंत्रित रूप से ही इस्तेमाल करें। मसलन, आप लैपटॉप व फोन पर टाइम स्पेंड करने का शेड्यूल करें। साथ ही यह भी कोशिश करें कि आपका काम तय समय पर ही पूरा हो। इससे भी आप अपने तनाव को काफी हद तक कम कर सकती हैं।

रिलैक्सिंग एक्टिविटी

यह सच है कि टेक्नोलॉजी को खुद से दूर नहीं किया जा सकता, लेकिन फिर भी आप उसके नेगेटिव प्रभावों को काफी हद तक कम कर सकती हैं। मसलन, अगर आपने पूरा दिन लैपटॉप पर काम किया है और अब आपको थकान व तनाव का अहसास हो रहा है तो काम खत्म करने के बाद आप कुछ रिलैक्सिंग एक्टिविटी जरूर करें। मसलन, आप एक शॉवर लें या फिर अपना मनपसंद म्यूजिक सुनें। इससे आपको काफी अच्छा लगेगा।

शैम्पू की खाली पड़ी बोतल से घर पर ऐसे तैयार करें धूपबत्ती स्टैंड

हम सभी बाजार से अलग-अलग शैम्पू की बोतल खरीद कर लाते हैं। जैसे ही शैम्पू खत्म होता है उसे कचरे के ढेर में फेंकते हुए। आपको बता दें इसकी मदद से आप बिना पैसा खर्च किए कमाल का सामान बना सकती हैं।

हम सभी के घरों एक नहीं कई ऐसे सामान आते हैं जो प्लास्टिक के डिब्बे में आते हैं। फिर चाहे बात करें फूड आइटम, क्लीनिंग और स्किन केयर प्रोडक्ट आज के समय ये सारे प्रोडक्ट प्लास्टिक के डिब्बे में आता है। सामान खत्म होने के बाद हम सभी इन डिब्बों को यूजलेस समझकर कूड़े के ढेर में फेंक देते हैं। लेकिन आपको बता दें कि आप इन डिब्बों का दोबारा और सही से इस्तेमाल कर घर की काफी यूजफुल सामान को क्रिएट कर सकती हैं। आज हम आपको एक ऐसे ही आइडिया के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे आप बेकार पड़े शैम्पू की बोतल से रिक्रिएट कर सकते हैं। होम डेकोर से लेकर पूजा स्थान पर इस्तेमाल होने वाले स्टैंड से लेकर डेकोरेशन आइटम्स को बाजार से खरीदना पसंद करते हैं। ये सामान देखने में जितने सुंदर होते हैं उनकी कीमत उतनी ही ज्यादा होती है। मंदिर में भगवान की प्रतिमा व मूर्ति के सामने दीया और धूपबत्ती जलाने के लिए स्टैंड की जरूरत पड़ती है। आपको बता दें कि आप सुंदर और यूनिक धूप बत्ती स्टैंड को खाली डिब्बे से तैयार कर सकती हैं। चलिए जानते हैं इसे बनाने का तरीका।

जरूरी सामान

- शैम्पू की बोतल (जो आपके पास मौजूद है)
- थर्माकोल
- क्ले • फेविकोल
- पेंट • ब्रश
- दपती • छोटे पत्थर
- छोटे प्लास्टिक का फूल और पत्ती
- मिट्टी का खिलौने वाला नन्हा घड़ा

स्टैंड बनाने का तरीका

- स्मोक धूप स्टैंड बनाने के लिए सबसे पहले बोतल के एक तरफ के ऊपरी हिस्से को काट लें।
- काटने के बाद ऊपर के हिस्से को काटकर वहां पर कैप लगाएं। इसके अलावा अंदर लगी पाइप को निकाल दें।
- अब थर्माकोल को छोटे-छोटे टुकड़े में काटकर बोतल के अंदर के हिस्से पर वॉल स्टैंड जैसा चिपकाएं।
- चिपकाने के बाद इसे कुछ देर सूखने दें। अब क्ले की मदद से छोटी चादर ,उसका थोड़ा सा किनारा नली की तरह बनाकर थर्माकोल के ऊपर रखकर ब्रश की मदद से अच्छे से चिपकाएं।
- इसके बाद छोटे-छोटे पत्थर को डिब्बे के नीचे वाले हिस्से में ग्लू की मदद से चिपका दें।
- अब सफेद पेंट की मदद से पत्थर और डिब्बे को पेंट कर दें।
- पेंट के सूखने के बाद ब्राउन और ब्लैक कलर को मिक्स करके अंदर के हिस्से पर कलर करें।
- अब एक दपती लेकर उसके गोल व चौकोर टुकड़े करके डिब्बे के बाहर चिपका दें।
- इसके बाद ब्राउन पेंट करके उसे सेट होने के लिए दो से तीन घंटे के लिए छोड़ दें।
- एक स्पंज लेकर बाहर के हिस्से पर हल्का-हल्का टैप करें।
- इस प्रोसेस को करने के बाद आप अपने हिसाब से इसे सजा सकती हैं।
- अगर नहीं तो आप छोटे-छोटे प्लास्टिक के फूल और पत्ती को लगाकर पत्थर के ऊपर मिट्टी का छोटा सा बर्तन या घड़ा दें।

इस तरह से आप बिना अधिक पैसा खर्च किए घर पर डिमांडिंग और यूनिक स्मोकी धूप स्टैंड बनाकर तैयार कर सकती हैं।

वेडिंग के लिए डिजाइनर आउटफिट खरीदने का है मन तो पहले इन बातों पर करें फोकस

अगर आप अपनी शादी को खास बनाने के लिए डिजाइनर आउटफिट खरीदना चाहती हैं तो किसी भी आउटफिट को सलेक्ट करने से पहले आपको कुछ बातों का ध्यान देना चाहिए।

लड़कियां चाहे कितना भी पैसों की बचत करना चाहें, लेकिन जब बात उनकी शादी की होती है तो वह पैसों की बचत को दरकिनार कर हर चीज बेस्ट चाहती हैं। इसमें सबसे पहले नंबर आता है उनके वेडिंग आउटफिट का। शादी के दिन हर किसी की निगाहें दुल्हन पर होती है और ऐसे में वह अपने लुक को लेकर किसी तरह का समझौता नहीं कर सकतीं। यूं तो आपको कई तरह के फैशनेबल वेडिंग लहंगे आदि मिल जाएंगे, लेकिन एक एलीगेंट और ग्रेसफुल लुक पाने के लिए एक डिजाइनर वेडिंग आउटफिट खरीदना अच्छा आईडिया है। यह थोड़ा महंगा हो सकता है, लेकिन इस तरह के डिजाइनर आउटफिट में अलग-अलग कलर का परफेक्ट कॉम्बिनेशन, उसकी आर्टिस्टिक एंब्रायडरी और सुंदर मोटिफ व अन्य डिजाइन वेडिंग आउटफिट के बेहद खास बनाते हैं। हो सकता है कि आपने भी अपनी शादी के लिए एक डिजाइनर लहंगा लेने का मन बनाया हो, लेकिन किसी भी आउटफिट को खरीदने से पहले आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में

जरूर करें रिसर्च

जब आप एक डिजाइनर वेडिंग आउटफिट खरीद रही हैं तो पहले कुछ रिसर्च करनी जरूरी है। मसलन, आप अपने वेडिंग डे के दिन किस तरह का लुक चाहती हैं और फिर आप अलग-अलग डिजाइनर के वेडिंग लहंगों पर नजर डालें। इससे आपको यह समझ में आएगा कि कौन से डिजाइनर के आउटफिट आपके बजट में आपकी अपेक्षाओं को पूरा करते हैं। इसके अलावा, आप किसी भी डिजाइनर आउटफिट को सलेक्ट करने से पहले उसे पहनकर जरूर देखें। इससे आपको अपने फाइनल लुक का काफी हद तक अंदाजा हो जाएगा।

डिजाइनर से ही खरीदें

अगर आप एक डिजाइनर वेडिंग आउटफिट खरीद रही हैं तो कोशिश करें कि आप इसे सीधे डिजाइनर से ही खरीदें। आजकल अलग-अलग ब्रांड और डिजाइनर्स के स्टोर्स अवेलेबल हैं। जहां से आपको सही पीस चुनने में आसानी होगी। लेकिन अगर आप इसे रिसेलर या फिर ऑनलाइन शॉप कर रही हैं तो आपको मैटीरियल की क्वालिटी को चेक करना चाहिए। उदाहरण के तौर पर अगर आप सिल्क आउटफिट खरीद रही हैं तो कुछ आसान टेस्ट के जरिए पहचान सकती हैं कि वह असली है या नकली। आप इसे अपने हाथों से रगड़ें। यदि आप गर्मी महसूस करती हैं तो आप इसे खरीद सकते हैं। सिंथेटिक कपड़े के साथ गर्मी को महसूस करना लगभग असंभव है।

अगर खरीदें ऑनलाइन

अगर आप अपने डिजाइनर वेडिंग आउटफिट को किसी कारणवश ऑनलाइन आर्डर कर रह हैं जो इसके बारे में अधिकतम जानकारी प्राप्त कर लें। मसलन, आउटफिट बनाने और इसे आप तक पहुंचाने में लगने वाले समय को पहले ही जान लें। इसके अलावा, जिस ऑनलाइन स्टोर से आप आउटफिट खरीद रहे हैं, उसकी रिटर्न पॉलिसी को चेक करना न भूलें। कभी-कभी, जो आप ऑनलाइन खरीदते हैं, वह अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता है। ऐसे में नो रिटर्न पॉलिसी आपके लिए मुश्किले खड़ी कर सकती हैं।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में पंचायत बनी अदालत! मस्जिद से चोरी के आरोप में पिटाई

कटिहार, एजेंसी। बिहार के कटिहार जिले से कानून व्यवस्था पर सवाल खड़ा करने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। आजमनगर थाना क्षेत्र के मस्जिद से चोरी के आरोप में दो युवकों को पुलिस के हवाले करने के बजाय गांव में पंचायत बैठाकर सजा सुना दी गई। मस्जिद से चोरी के आरोप में पिटाई : इतना ही नहीं, पंचायत के दौरान दोनों युवकों की लाठी से पिटाई किए जाने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि मस्जिद से करीब 5 लाख रुपये चोरी होने का आरोप गांव के ही दो युवकों पर लगा है। मारने का वीडियो वायरल : मामले में कानूनी प्रक्रिया अपनाने के बजाय पंचायत बुलाई गई, जहां मुखिया प्रतिनिधि सिकंदर भाट की मौजूदगी में फैसला सुनाया गया कि आरोपी युवक 3 मई तक 2 लाख रुपये पंचायत के माध्यम से मस्जिद कमेटी को वापस करेंगे, इस संबंध में एक लिखित इकरारनामा भी तैयार कराया गया है। कब होगी कार्रवाई? : ग्रामीण इलाकों में पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका कानून व्यवस्था बनाए रखने में अहम मानी जाती है, लेकिन अगर चोरी जैसे गंभीर मामलों को पुलिस की जानकारी के बिना पंचायत स्तर पर इस तरह निपटाया जाएगा, तो कानून के राज पर गंभीर सवाल उठना लाजिमी है।

जदयू ऑफिस पहुंचे नीतीश कुमार, 10 मिनट तक पार्टी नेताओं से मिले

पटना, एजेंसी। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार आज जेडीयू ऑफिस पहुंचे। यहां उन्होंने पार्टी नेताओं से मुलाकात की और कार्यक्रम का हिस्सा बने। जेडीयू ऑफिस में भामाशाह जयंती के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस दौरान दोनों डिप्टी सीएम विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव, पूर्व मंत्री लेसी सिंह, श्रवण कुमार, अशोक चौधरी, रत्नेश सदा समेत पार्टी के अन्य नेता मौजूद रहे। जानकारी के मुताबिक, जेडीयू ऑफिस में नीतीश कुमार लगभग 10 मिनट तक रहे। नीतीश कुमार के पार्टी ऑफिस पहुंचते ही नेताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान नीतीश कुमार खुद पर बने गाने पर मुस्कुराते दिखे। उन्होंने ताली भी बजाई और पार्टी के नेताओं से मुलाकात की। कार्यक्रम के दौरान जेडीयू ऑफिस में कार्यकर्ताओं को पंपलेट भी बांटा गया। इसमें भामाशाह का परिचय और नीतीश कुमार के संदेश के बारे में जिक्र किया गया। जेडीयू ऑफिस में कार्यक्रम के बाद बाहर निकलने पर डिप्टी सीएम विजय चौधरी ने मीडिया से बातचीत की।

मुजफ्फरपुर में डिजिटल अरेस्ट कर 67 लाख की ठगी

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर में साइबर ठगी का एक बड़ा मामला सामने आया है, जहां रिटायर्ड बैंक मैनेजर महेश गामी को डिजिटल अरेस्ट कर 67 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। इस मामले में पुलिस ने पटना से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजीव नगर थाना क्षेत्र के फ्रेंड्स कॉलोनी, आशियाना नगर निवासी प्रियरंजन शर्मा और उनके पुत्र अनंत अभिषेक के रूप में हुई है। दोनों पर साइबर अपराधियों के साथ मिलकर ठगी के नेटवर्क को चलाने का आरोप है। पुलिस ने जब आरोपियों के घर पर छापेमारी की, तो वहां से अलग–अलग बैंकों के एक दर्जन से अधिक चेकबुक, मोहर और अन्य दस्तावेज बरामद किए गए। जांच में सामने आया कि प्रियरंजन शर्मा एक एनजीओ चलाते हैं, जिसके जरिए उन्होंने कई बैंकों में दो दर्जन से अधिक खाते खुलवा रखे थे। पुलिस के अनुसार, पिता–पुत्र मिलकर अपने बैंक खातों को साइबर अपराधियों को किराये पर देते थे। इसके बदले उन्हें करीब 3 प्रतिशत तक कमीशन मिलता था। ठगी की रकम को इन खातों के जरिए इधर–उधर ट्रांसफर किया जाता था, जिससे पुलिस को ट्रैक करना मुश्किल हो जाए। जांच में पता चला है कि ठगी की गई 67 लाख रुपये में से 25 लाख रुपये प्रियरंजन शर्मा के खाते में ट्रांसफर किए गए थे, जबकि बाकी 42 लाख रुपये जयपुर के एक खाते में भेजे गए।

बिहार पुलिस में वर्दी पर सख्ती: शेविंग, जूलरी, मेकअप पर नियम कड़े

पटना, एजेंसी। बिहार पुलिस मुख्यालय ने राज्यभर के पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों को वर्दी से जुड़े नियमों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया है। मुख्यालय ने रविवार को बयान जारी कर कहा कि पुलिस अनुशासन और वर्दी की गरिमा बनाए रखना हर कर्मी की जिम्मेदारी है। इसके लिए पुलिस मैनुअल में पहले से ही स्पष्ट दिशा–निर्देश दिए गए हैं, जिनका पालन अनिवार्य है। जारी निर्देश के अनुसार, कोई भी पुलिसकर्मी वर्दी के ऊपर किसी तरह का आभूषण या चेन नहीं पहन सकता। साथ ही, बाल छोटे रखने होंगे और जो कर्मी दाढ़ी बनाते हैं, उन्हें वर्दी पहनने से पहले साफ–सुथरा रहना अनिवार्य होगा। इसका उद्देश्य पुलिस की पेशेवर छवि को बनाए रखना है। मुख्यालय ने यह भी साफ किया है कि कोई भी वर्दीधारी कर्मी किसी प्रकार का जाति चिह्न धारण नहीं करेगा और न ही चेहरे पर कोई लेप या निशान लगाएगा। सभी पुलिसकर्मियों को ड्यूटी के दौरान वर्दी पहनना अनिवार्य है, जब तक कि किसी विशेष परिस्थिति में अधिकारी अलग आदेश न दें।

गयाजी में 100 बेड का लू वार्ड तैयार

जिले में 43डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा पारा, दुकान-ठेला लगाने वाले बोले; परिवार के लिए गर्मी सहन करेंगे

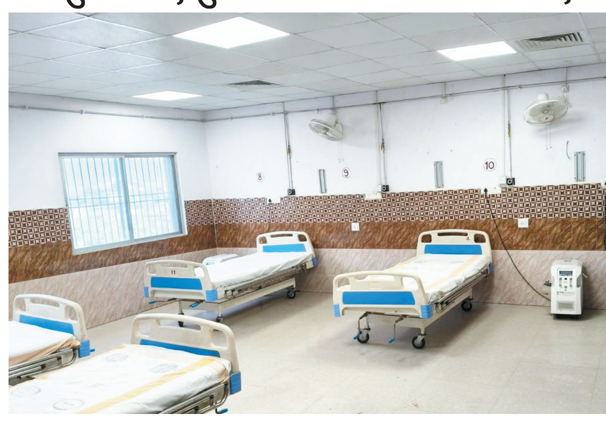

गयाजी, एजेंसी। गयाजी का तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। सुबह 9 बजे के बाद से सड़कें सुनसान होने लगती है। मौसम विभाग के अनुसार अभी गर्मी और बढ़ेगी। मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल में 100 बेड का विशेष लू वार्ड तैयार किया गया है। वार्ड में एसी, ठंडा पानी, जरूरी दवाएं और पूरी मेडिकल टीम तैनात है। डॉक्टर, नर्स और वार्ड अटेंडेंट की ड्यूटी तय कर दी गई है।

वहीं, सड़कों पर घूम-घूमकर काम करने वाले, ठेले लगाने वाले और फुटपाथ पर दुकान लागने वालों की परेशानियां बढ़ गई हैं। उनका कहना है कि गर्मी है तो क्या कर सकते हैं, घर-परिवार और बच्चों के लिए तो धूप में निकलना ही होगा।

गैस सिलेंडर डिलीवर करने वाले बोले, मन नहीं करता घर से निकलने का : कड़ी धूप में घरेलू गैस सिलेंडर की डिलीवरी करने के लिए संतोष सिंह जा रहे थे। उनके ठेले पर गैस के सिलेंडर पूरी तरह से लोड थे। गर्म हवा और तेज धूप में वे अपने ठेले को खींच रहे थे। उन्होंने कहा कि बहुत ज्याद गर्मी है।

तापमान इतना बढ़ गया है कि काम करना मुश्किल है। मन नहीं करता है कि घर से बाहर निकलूं, पर क्या करें काम नहीं करेंगे तो घर कैसे चलेगा।

हालात बदल गए हैं, 50 डिग्री तक तापमान जा सकता है इसी तरह सड़क किनारे मनोज कुमार सत्तू का ठेला लगाते हैं। मनोज कहते है कि अप्रैल में पहले ऐसी गर्मी पहले नहीं होती थी। अब पहले वाली बात नहीं रह गई है। हालात बदल गए हैं। अभी तो गर्मी और बढ़ेगी। 50 डिग्री तक तापमान जा सकता है।

भयंकर गर्मी है, पर परिवार के लिए घर से निकलना ही पड़ेगा : भीषण गर्मी पर सड़क पर प्रभु कुमार भी मिले। प्रभु साइकिल पर घूम-घूमकर इडली बेचा करते हैं। बहुत ज्यादा गर्मी होने के कारण वे काफी थक चुके थे। इसलिए सड़क किनारे साइकिल खड़ी कर आराम कर रहे थे। प्रभु कहते हैं कि भयंकर गर्मी है, लेकिन क्या कर सकते हैं परिवार के लिए तो निकलना ही न पड़ेगा।

मरीजों के लिए शफ्टिंग के लिए एंबुलेंस भी तैनात : मगध मेडिकल कॉलेज मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. केके सिन्हा ने बताया कि पहले मरीज इमरजेंसी में आएंगे, वहां प्राथमिक इलाज होगा, फिर उन्हें लू वार्ड में शिफ्ट किया जाएगा। इमरजेंसी से लू वार्ड की दूरी करीब 500 मीटर है।

इस दूरी को देखते हुए अस्पताल प्रशासन ने छोटी एम्बुलेंस तैनात की है। यह एंबुलेंस 24 घंटे उपलब्ध रहेंगी। मतलब, मरीज को स्ट्रेचर पर ढोने की जरूरत नहीं पड़ेगी, तुरंत शिफ्टिंग होगी। आईस पैक भी हमारे पास उपलब्ध है।

इधर अस्पतालों में भी मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। खासकर लू, डिहाइड्रेशन और बुखार के मरीज आ रहे हैं। लेकिन राहत की बात यह है कि अस्पतालों में पहले से तैयारी कर ली गई है। जनरल वार्ड में पंखे-कूलर लगाए जा रहे हैं। पीने के पानी की व्यवस्था दुरुस्त की जा रही है। बिजली कटने की स्थिति में जनरेटर भी तैयार रखे गए हैं। स्कूलों की टाइमिंग भी बदली जा रही है। बच्चों को दोपहर की तपिश से बचाने के लिए सुबह की शिफ्ट में पढ़ाई कराई जा रही है। कुल मिलाकर, गया इस वक्त तप रहा है। लेकिन इस तपिश के बीच सिस्टम भी सक्रिय है। प्रशासन, अस्पताल और आम लोग-तीनों मोर्चे पर तैयारी दिख रही है। यही वजह है कि संकट के बीच भी हालात संभले हुए हैं।

यात्रियों से भरी बस ट्रक से टकराई, एक की मौत, आधा दर्जन लोग घायल

रोहतास, एजेंसी। रोहतास जिले के नासरीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत इटिम्हा गांव के समीप सोमवार की अहले सुबह बस और ट्रक की भीषण टक्कर में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। इस घटना में लगभग आधा दर्जन लोग घायल हैं, जिन्हें इलाज के लिए फिलहाल सदर अस्पताल सासाराम में भर्ती कराया गया है। मृतक की पहचान भोजपुर जिले के जगदीशपुर निवासी रामेश्वर मिश्रा के रूप में हुई है। उनकी उम्र लगभग 70 वर्ष बताई जा रही है।

दरअसल, हादसा उस समय हुआ जब तिलक समारोह से लौट रही एक बस सामने से आ रही एक खाली ट्रक से टकरा गई। बताया जाता है कि बस में सवार लोग औरंगाबाद जिले के मौरई से भोजपुर के जगदीशपुर लौट रहे थे। इसी दौरान नासरीगंज के समीप तेज रफ्तार बस और ट्रक की सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस में सवार बुजुर्ग रामेश्वर मिश्रा की मौके पर ही मौत हो गई।

इस दुर्घटना में बस में सवार तीन अन्य लोगों के साथ-साथ ट्रक चालक चंद्र प्रकाश यादव और खलासी भोला कुमार भी घायल हो गए। घायल ट्रक चालक चंद्र प्रकाश यादव उत्तर प्रदेश के संत कबीर नगर जिले के बसवारी गांव का निवासी है, जबकि खलासी भोला कुमार गोरखपुर का रहने वाला बताया जाता है। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। दुर्घटना से गुस्साए बस सवार कुछ लोगों ने ट्रक चालक की पिटाई भी कर दी। हालांकि बाद में स्थानीय लोगों और पुलिस के हस्तक्षेप से स्थिति को नियंत्रित किया गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को आनन-फानन में इलाज के लिए सासाराम के सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार, शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है।

सारण में दूल्हे के मर्डर में 2 मुख्य आरोपी गिरफ्तार

तिलक से 12 घंटे पहले चाकू मारकर हुई थी हत्या, एसआईटी का एक्शन

छपरा, सारण, एजेंसी। सारण जिले के मांझी थाना क्षेत्र में दूल्हे की हत्या के मामले में पुलिस ने दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह घटना तिलक समारोह से ठीक पहले हुई थी, जिसमें वार्ड पार्षद राजा बाबू ठाकुर की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मांझी नगर पंचायत वार्ड संख्या 9 निवासी अनिल यादव (पिता-दशरथ यादव) और विवेक कुमार गुप्ता (पिता-शत्रुघ्न गुप्ता) के रूप में हुई है। मांझी थाना पुलिस ने लगातार छापेमारी के बाद इन्हें पकड़ा।

जानकारी के अनुसार, वार्ड पार्षद राजा बाबू ठाकुर का तिलक समारोह होने वाला था। शादी की तैयारियों के दौरान टेंट लगाने को लेकर पड़ोसियों के साथ विवाद हो गया। यह विवाद जल्द ही मारपीट में बदल गया और आरोपियों ने चाकू से हमला कर दिया, जिससे दूल्हे की गंभीर चोटों के कारण मौत हो गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई की गई। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सदर-2) के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया। टीम ने जांच शुरू करते हुए लगातार छापेमारी की और 254 घंटे के भीतर दोनों मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है ताकि घटना के पीछे की पूरी साजिश और अन्य शामिल लोगों की जानकारी मिल सके। इस मामले में अन्य नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए भी लगातार दबिश दी जा रही है।

पुलिस ने आश्वासन दिया है कि मामले के सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। शेष आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी।

सांसद ने खुद स्वीकारा, बिहार कांग्रेस में सब कुछ ठीक नहीं, बोले-

चुनाव के बाद कुछ नया हो सकता है

कटिहार , एजेंसी। बिहार कांग्रेस में सब कुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है। कटिहार से कांग्रेस सांसद तारिक अनवर के ताजा बयान ने इस बात को और बल दे दिया है कि प्रदेश संगठन के भीतर असंतोष और गुटबाजी गहराती जा रही है।

'बिहार कांग्रेस की मौजूदा स्थिति संतोषजनक नहीं' : ऐसे में सांसद के बयान के बाद बिहार कांग्रेस में बड़े राजनीतिक बदलाव और भूचाल की चर्चाएं तेज हो गई हैं। कटिहार में पत्रकारों से बातचीत के दौरान सांसद तारिक अनवर ने साफ संकेत दिया कि बिहार कांग्रेस की मौजूदा स्थिति संतोषजनक नहीं है।

''प्रदेश संगठन से जुड़े तमाम मुद्दों और शिकायतों से राष्ट्रीय नेतृत्व को अवगत करा दिया गया है। मैं पार्टी की अनुशासन समिति में हैं, इसलिए सार्वजनिक रूप से ज्यादा कुछ नहीं कहेंगे।''

'मल्लिकार्जुन खरगे को बताया' :

तारिक अनवर ने कहा कि मैंने अपने स्तर से

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को लिखित रूप से अवगत करा दिया है। अभी कई राज्यों में चुनाव चल रहे हैं। परिणाम आने के बाद हो सकता है कि कोई निर्णय लिया जाए।

सुर्खियों में तारिक अनवर

दरअसल, पिछले कुछ समय से कटिहार कांग्रेस लगातार विवादों में रहे हैं। कभी पूर्व विधायक डॉ। शकील अहमद द्वारा सांसद पर गंभीर आरोप लगाए गए, तो कभी मनिहारी से कांग्रेस विधायक मनोहर प्रसाद सिंह पर राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग के आरोप लगे। अब जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनील कुमार यादव के इस्तीफे के बाद संगठन में अंतर्कलह और गुटबाजी खुलकर सामने आ गई है।

सूत्रों की मानें तो, विधानसभा चुनाव में टिकट बंटवारे के दौरान भी प्रदेश नेतृत्व पर कई तरह के आरोप लगे थे। अब जिला स्तर की राजनीति में हस्तक्षेप और संगठन को कमजोर करने के आरोपों ने पार्टी की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

राष्ट्रीय नेतृत्व के फैसले पर नजर

तारिक अनवर के बयान को प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम के नेतृत्व पर सवाल के तौर पर देखा जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अगर समय रहते हालात नहीं संभाले गए, तो बिहार कांग्रेस में बड़ा सियासी संकट खड़ा हो सकता है। फिलहाल, कांग्रेस के भीतर चल रही खींचतान ने विपक्षी दलों को भी हमला बोलने का मौका दे दिया है। अब सबकी नजर राष्ट्रीय नेतृत्व के अगले कदम पर टिकी है।

मां जानकी के दरबार पुनौरा धाम पहुंचे बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, पूजा-अर्चना के बाद की बड़ी घोषणा

सीतामढ़ी, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी शनिवार को सीतामढ़ी के प्रसिद्ध पुनौरा धाम मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने जानकी नवमी के पावन अवसर पर माता सीता और भगवान राम की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान मंदिर परिसर में भक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला। मुख्यमंत्री ने न केवल दर्शन-पूजन किया, बल्कि मंदिर निर्माण कार्य का स्थल निरीक्षण भी किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

दो दिवसीय सीतामढ़ी महोत्सव का उद्घाटनः जानकी नवमी, माता सीता के जन्मोत्सव का प्रतीक है। इसी विशेष अवसर पर आयोजित दो दिवसीय सीतामढ़ी महोत्सव का उद्घाटन भी मुख्यमंत्री ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, श्रद्धालु और जनप्रतिनिधि शामिल हुए।

मंदिर परिसर में नेताओं से मुलाकात : मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में ही पार्टी के स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और उनका अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान उन्होंने संगठनात्मक मजबूती और क्षेत्रीय विकास से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की।

पीएम मोदी और नीतीश का सपना होगा साकार-सम्राटः कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि जानकी नवमी के इस पावन दिन पर माता जानकी का आशीर्वाद पूरे बिहार पर बना रहे। उन्होंने कहा कि बिहार के विकास के लिए नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी ने जो सपना देखा है, उसे हर हाल में साकार किया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि राज्य में विकास की गति को और तेज किया जाएगा।

कब तक बनेगा सीतापुरम ?ः सम्राट चौधरी ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि किसी भी हाल में 31 दिसंबर 2028 तक मां सीता के मंदिर का काम पूरा करना है। क्योंकि हम अयोध्या देख रहे हैं, जहां प्रभु स्थापित हुए हैं। हमारे नेता नीतीश कुमार ने घोषणा की थी कि सीतापुरम बनाएंगे, तो मैंने जब पहली कैबिनेट की मीटिंग की तो सीतापुरम बनाने की निर्णय लिया है।

कटिहार में एक एंबुलेंस में 'ठूंस-ठूंसकर' भरे 17 लोग,

स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही, डीएम ने दिए जांच के आदेश

कटिहार, एजेंसी। बिहार के कटिहार जिले में स्वास्थ्य विभाग की भारी लापरवाही का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जहां सदर अस्पताल में एक ही एंबुलेंस के भीतर 7 कुपोषित बच्चों और उनके 10 परिजनों, यानी कुल 17 लोगों को बेहद अमानवीय तरीके से ठूंसकर लाया गया। एंबुलेंस में पैर रखने तक की जगह नहीं थी।

नियमों को ताक पर रखकर सफर

एक एंबुलेंस में अधिकतम दो बच्चों और उनके अभिभावकों को ही सुरक्षित तरीके से लाने का प्रावधान है। हालांकि आजमनगर प्रखंड से राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (त्रब्स्य) के तहत इन कुपोषित बच्चों को जांच के लिए लाते समय नियमों की जमकर धज्जियां उड़ाई गईं। संकरी जगह और ऑक्सीजन की कमी के जोखिम के बावजूद स्वास्थ्यकर्मियों ने संवेदनहीनता की सारी हदें पार कर दी।

बदतर हालत में पहुंचे मासूम

सफर के दौरान बच्चों और महिलाओं को भयंकर घुटन और परेशानी का सामना करना पड़ा। विशेषज्ञों का मानना है कि कुपोषित बच्चों की प्रतिरोधक क्षमता पहले से ही कम होती है, ऐसे में भीड़भाड़ वाले वातावरण में उन्हें संक्रमण का खतरा और अधिक बढ़ गया। तंग जगह में लंबे समय तक बैठने के कारण कई बच्चों की हालत सुधारने के बजाय और बिगड़ने की आशंका बनी रही। यह न केवल प्रशासनिक चूक है, बल्कि मानवाधिकारों का भी सीधा उल्लंघन है।

जिम्मेदारी से बचते कर्मचारी

जब इस गंभीर लापरवाही पर एंबुलेंस चालक साहिल और साथ मौजूद डॉक्टर शकील अहमद से सवाल पूछे गए, तो उनके जवाब काफी टालमटोल वाले रहे। उन्होंने यह कहकर पल्ला झाड़ने की कोशिश की कि वे केवल अपने 'वरीय पदाधिकारियों' के आदेश का पालन कर रहे थे, जो कि सिस्टम में ऊपर तक फैली जड़ता को दर्शाता है।

प्रशासनिक उदासीनता पर सवाल

यह घटना सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगाती है। सरकार एक तरफ कुपोषण मिटाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, वहीं दूसरी तरफ जमीनी स्तर पर प्रशासनिक उदासीनता इन योजनाओं को विफल बना रही है।

जिलाधिकारी का सख्त रुख

मामले की गंभीरता को देखते हुए कटिहार के जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने तत्काल जांच के आदेश दिए हैं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि स्वास्थ्य विभाग की इस कार्यशैली को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषी अधिकारियों और संबंधित कर्मियों पर कड़ी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है, ताकि भविष्य में इस तरह की लापरवाही दोबारा न हो।

सहरसा में 7 साल की बच्ची से रेप, आरोपी गिरफ्तार

आम के बगीचे में टिकोला चुनने गई थी, फटे कपड़ों और खून से लथपथ घर लौटी

सहरसा, एजेंसी। सहरसा में रविवार शाम 7 साल की बच्ची से रेप का मामला सामने आया है। घटना काशनगर थाना क्षेत्र में हुई है। पुलिस ने आरोपी को रविवार रात ही गिरफ्तार कर लिया है। नाबालिग बच्ची को सहरसा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार, बच्ची खतरे से बाहर है, लेकिन उसकी निगरानी जारी है। घटना रविवार शाम करीब 4 बजे की है। बच्ची अपने घर से लगभग 500 मीटर दूर आम के बगीचे में टिकोला चुनने गई थी। उसकी मां घर पर घरेलू काम कर रही थी। इसी दौरान, बच्ची फटे कपड़ों और खून से लथपथ घर लौटी।

बच्ची की मां ने काशनगर थाना पुलिस के सामने दर्ज कराए गए बयान में बताया कि, 'मेरी बेटी को गांव के ललित सदा (30) आम के खेत में जाकर मेरी बच्ची को मकई के खेत में आने के लिए कहा। जब बच्ची ने मना किया, तो वह उसे जबरन कंधे पर उठाकर के मकई के खेत में ले गया। वहां उसने बच्ची के मुंह में कपड़ा डालकर रेप किया और फिर मौके से फरार हो गया।'

बच्ची की मां ने आगे कहा, 'किसी तरह बच्ची धीरे-धीरे पैदल अपने घर पहुंची। कपड़ों पर खून के धब्बे देखकर मां डर गई। बच्ची ने लड़खड़ाती आवाज में पूरी घटना बताई। इसके बाद गांव के लोग इकट्ठा हुए और स्थानीय पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सिमरी बख्तियारपुर एसडीपीओ मुकेश कुमार ठाकुर और काशनगर थाना अध्यक्ष बजरंगी कुमार घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।'

एफएसएल की टीम भी घटनास्थल का साक्ष्य संकलन किया। नाबालिग बच्ची 4 बहनों में सबसे बड़ी है। महादलित परिवार से आने वाली

बच्ची स्कूल जाकर कभी पढ़ी-लिखी नहीं लेकिन दो-चार अक्षर जरूर पढ़ लेती है। बच्ची के पिता मुंबई में मजदूरी करके अपने परिवार और बच्चों का परवरिश किया करते हैं। घटना के दिन भी उनके पिता मुंबई में थे। सिमरी बख्तियार एसडीपीओ मुकेश कुमार ठाकुर ने बताया कि 7 साल की बच्ची के साथ रेप की घटना हुई है। नाबालिक बच्ची का मेडिकल के लिए सहरसा सदर अस्पताल भेजा गया है।

सहरसा सदर अस्पताल डॉ कुमारी भारती ने नाबालिक बच्ची का मेडिकल किया है। बच्ची के प्राइवेट पार्ट में अंदरूनी चोट आई है। जिस वक्त लाई गई थी उसे समय हल्की ब्लडिंग हो रही थी। नाबालिग बच्ची के एक गाल पर भी खरोच के निशान मिले हैं। दुष्कर्म करने के मामले में मेडिकल किया जा रहा है। फिलहाल नाबालिग बच्ची बदहवास है। फिलहाल होश में है लेकिन डरी सहमी होने की वजह से कुछ ठीक से बताना पाने में असमर्थ है। सोमवार के दोपहर तक बच्ची नॉर्मल होने की संभावना है। सदर अस्पताल के बच्चा वार्ड में उसे भर्ती कराया गया है जहां उसका इलाज किया जा रहा है।

इधर,आरोपी ललित सदा शादीशुदा युवक है। वह गांव में ही मजदूरी किया करता है और नाबालिक बच्ची का वह पड़ोसी भी है। ललित सदा नशेड़ी किस्म का व्यक्ति है। 5 दिन पहले ही उसने अपने पत्नी को मारपीट किया। जिस वजह से उसकी पत्नी और अपने दो बच्चों को लेकर मायके चली गई है। ललित को 3 साल की बेटी और 2 साल का बेटा है। काशनगर थाने की पुलिस ने उसे गांव से ही गोपनीय तरीके से रविवार के रात 10 बजे गिरफ्तार किया है। सहरसा सदर अस्पताल में रात 11 बजे आरोपी ललित का मेडिकल कराया जा रहा है।

विचार-मंथन

संपादकीय

कब थमेगा आवारा कुत्तों का आतंक ?

हैरत की बात है कि इतनी बड़ी घटना होने पर भी स्थानीय प्रशासन की ओर से आवारा कुत्ते को पकड़ने की कोशिश नहीं की गई। परिणाम यह हुआ कि उसने बारातघर से निकल कर कई राहगीरों और दुकानदारों को भी काटा और फिर एक गांव में मवेशियों पर हमला किया ।विचित्र बात है कि सर्वोच्च न्यायालय के तमाम दिशा-निर्देशों के बावजूद न तो रिहायशी इलाकों से आवारा कुत्तों को हटाने पर गंभीरता दिखाई जा रही है और न ही इस समस्या का स्थायी समाधान निकालने के लिए स्थानीय निकाय ईमानदारी से प्रयास करते नजर आ रहे हैं। नतीजा यह कि कई जगहों पर आज भी नागरिक भय और जोखिम में हैं ।उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में हाल में हुई आवारा कुत्ते के काटने की एक खौफनाक घटना ने आम लोगों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक दुल्हन की विदाई के समय बारातघर में घुसे आवारा कुत्ते ने साठ से अधिक लोगों को काट लिया। अचानक हुए इस हमले में वहां भगदड़ जैसी स्थिति बन गई और इससे कई लोगों को चोटें भी आईं ।हैरत की बात है कि इतनी बड़ी घटना होने पर भी स्थानीय प्रशासन की ओर से आवारा कुत्ते को पकड़ने की कोशिश नहीं की गई। परिणाम यह हुआ कि उसने बारातघर से निकल कर कई राहगीरों और दुकानदारों को भी काटा और फिर एक गांव में मवेशियों पर हमला किया। इस घटना की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि सौ से ज्यादा लोगों को रेबीजरोधी टीके लगवाने पड़े ।यह निराशाजनक ही है कि शीर्ष अदालत की कड़ी हिदायत के बाद भी आक्रामक कुत्तों को पकड़ने और उन्हें आश्रय स्थलों पर भेजने की माकूल व्यवस्था नहीं की जा रही है। अगर जिला प्रशासन और नगर निकाय ही अपना दायित्व नहीं निभाएंगे, तो आखिर नागरिक अपनी फरियाद लेकर कहां जाएंगे? बदायूं में हुई घटना से वहां के लोग सहमे हुए हैं और इस बात का खतरा बना हुआ है कि कहीं कोई और कुत्ता इस तरह से आक्रामक न हो जाए ।इसमें दोराय नहीं कि अगर आवारा कुत्ते को समय रहते पकड़ लिया गया होता, तो इतनी बड़ी संख्या में लोग जख्मी नहीं होते। स्थानीय प्रशासन की यह जिम्मेदारी है कि अगर आवारा कुत्ते आक्रामक हो रहे हैं, तो तत्काल समुचित उपाय किए जाने चाहिए। इस तरह की लापरवाही के लिए जो भी दोषी हों, उन्हें न्याय के कठघरे में लाया जाना जरूरी है, क्योंकि यह मसला आम नागरिकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ा है।

युद्धविराम बढ़ा, तनाव कायम!

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि उन्होंने यह कदम तेहरान के आंतरिक मतभेदों से जूझ रहे नेतृत्व को सात सप्ताह से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए एक प्रस्ताव तैयार करने का समय देने के उद्देश्य से उठाया है ।अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्धविराम को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया गया है। इससे उन आशंकाओं पर फिलहाल विराम लग गया है कि पश्चिम एशिया में फिर से बारूद बरसने लगेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से की गई इस घोषणा को अस्थायी रूप से भले ही एक अच्छी पहल माना जा रहा है, लेकिन जब तक दोनों पक्षों के बीच विवाद का स्थायी समाधान नहीं होगा, तब तक युद्ध की चिंगारी अंदर ही अंदर सुलगती रहेगी ।यही नहीं, युद्धविराम की अवधि बढ़ाने का फैसला तभी सार्थक साबित होगा, जब होर्मुज जलमार्ग को दुनिया के लिए खोल दिया जाएगा, क्योंकि इसकी वजह से वैश्विक स्तर पर ऊर्जा का संकट पैदा हो गया है। इसका प्रभाव उन देशों पर भी पड़ रहा है, जिनका युद्ध से सीधे तौर पर कोई संबंध नहीं है। होर्मुज जलमार्ग को लेकर ईरान के अड़ियल रवैये के बाद अमेरिका की नाकेबंदी से हालात और जटिल हो गए हैं। ऐसे में जरूरी है कि अब दोनों पक्ष उस शांति वार्ता को आगे बढ़ाने को प्राथमिकता दें, जो पाकिस्तान के इस्लामाबाद में बेनतीजा रही थी ।गौरतलब है कि पश्चिम एशिया में दो सप्ताह के युद्धविराम की अवधि बुधवार को खत्म हो रही थी, जबकि अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता के दूसरे दौर को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई थी। अमेरिका चाहता था कि वार्ता आगे बढ़े, लेकिन ईरान ने अमेरिका की ओर से मिल रही धमकियों का हवाला देते हुए बातचीत की मेज पर आने की सहमति नहीं जताई। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि उन्होंने यह कदम तेहरान के आंतरिक मतभेदों से जूझ रहे नेतृत्व को सात सप्ताह से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए एक प्रस्ताव तैयार करने का समय देने के उद्देश्य से उठाया है ।मगर, सवाल है कि ईरान की ओर से जो प्रस्ताव पूर्व में दिया गया था और जिसे पहले दौर की शांति वार्ता में रखा गया था, जब उस पर किसी तरह की सहमति नहीं बन पाई, तो नए प्रस्ताव की स्वीकार्यता कैसे संभव हो पाएगी।

बीजेपी ने महिला सुरक्षा के मुद्दे पर आरजी कर की पीड़िता की मां मंजू देवनाथ को पनियाहाटा से उम्मीदवार बनाकर एक तरह से राज्य की महिलाओं को संदेश दे दिया है, संदेश यह कि वह उनकी सुरक्षा के लिए संजीदा है। बीजेपी ने महिलाओं को लुभाने के लिए दुर्गा सुरक्षा दस्ते बनाने और नौकरियों में महिलाओं को 33 फीसद आरक्षण देने का भी वादा किया है।

ब्रिगेड मैदान की जंग में ममता बनाम अमित शाह की जंग

(उमेश चतुर्वेदी)

साल 2021 में राज्य में तृणमूल कांग्रेस को 213 सीटें और करीब 44 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि बीजेपी को 38 प्रतिशत वोट के साथ 77 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। हालांकि 2016 के विधानसभा चुनावों के मुकाबले देखें तो पार्टी ने तीन सीट और करीब 28 प्रतिशत वोट की तुलना में बड़ी छलांग लगाई। प्रधानमंत्री रहते अटल बिहारी वाजपेयी ने कोलकाता की यात्रा की थी। उस दौरे पर उन्होंने तत्कालीन रेल मंत्री के कालीघाट स्थित घर का दौरा किया था। तब उन्होंने मंत्री की मां से उलाहना दिया था, आपकी बेटी मुझे बहुत परेशान करती हैं। कहना न होगा कि वह शख्सियत डेढ़ दशक से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री है। ममता बनर्जी लड़ाका है। धूल से उठकर राजनीतिक आसमान का तारा अगर वे बनी हुई हैं, उसकी वजह उनका सघर्षशील व्यक्तित्व ही है। लेकिन कोलकाता के मैदान में इस बार यह योद्धा फंसा नजर आ रहा है। भारतीय जनता पार्टी जिस तरह उनसे दो-दो हाथ कर रही है, निश्चित तौर पर उसके पीछे नरेंद्र मोदी की अगुआई में बंगाल की धूल में लगातार परिश्रम कर रहे बीजेपी के कार्यकर्ता हैं। आज अगर बंगाली की सियासी लड़ाई आर-पार के दौर में आ चुकी है तो इसके पीछे अमित शाह की रणनीति काम कर रही है। साल 2021 के विधानसभा चुनाव नतीजे आने के बाद कहा गया था कि बीजेपी चुनाव जीतते-जीतते हार गई है। ममता का संघर्ष बीजेपी की रणनीतियों पर भारी पड़ गया था। पांच साल बाद कोलकाता के रायटर्स बिल्डिंग पर कब्जे को लेकर सेनाएं सज गई हैं। लेकिन इस बार हालात बदले नजर आ रहे हैं। इसकी वजह अमित शाह का चुनाव प्रचार की कमान खुद संभालना है, जिन्होंने 170 सीटें जीतने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय कर रखा है। पिछले विधानसभा चुनाव में पिछड़ने के बावजूद अमित शाह ने राज्य की यात्राएं जारी रखीं और इसके जरिए अपने कार्यकर्ताओं को उत्साहित बनाए रखा। इस बार बीजेपी अगर सत्ता की प्रबल दावेदार के रूप में उभरी है तो इसकी बड़ी वजह बूथ प्रबंधन तो है ही, घुसपैठ और महिला सुरक्षा को मुद्दा बनाना भी है। बंगाल के बारे में कहा जाता है कि वह जो आज सोचता है, पूरा देश उस पर बाद में आगे बढ़ता है। शक्ति पूजा की संस्कृति वाले राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर ममता के राज में कई बार सवाल उठे। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज में रेजिडेंट डाक्टर से दुष्कर्म और बर्बर हत्या के बाद अंग्रेजों की पहली राजधानी का भद्रलोक उद्वेलित हो उठा। अभी इसकी आंच ठंडी पड़ी नहीं कि कस्बा लॉ कालेज की छात्रा के साथ बलात्कार हुई। इसके पहले संदेशखाली में हुई कथित तौर पर यौन हिंसा और ज़मीन हड़पने के मामलों से पश्चिम बंगाल का समाज उद्वेलित रहा। अमित शाह के बार-बार के बंगाल दौरे के चलते बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने महिला सुरक्षा के मसले को कभी धीमा नहीं पड़ने दिया। इन्हीं वजहों से महिला सुरक्षा को लेकर तृणमूल कांग्रेस सवालों के घेरे में आ गई। राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की 2023 की रिपोर्ट भी राज्य में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा की ही तसदीक करती है, जिसके अनुसार, राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 34,691 मामले दर्ज किए गए और एसिड हमलों में इसका हिस्सा सबसे ज़्यादा करीब 27.5 प्रतिशत रहा। बीजेपी को महिला सुरक्षा को बड़ा मुद्दा बनाने में ममता बनर्जी के एक बयान से भी मिला, जिसमें उन्होंने कहा था कि महिलाओं को शाम सात बजे के बाद बाहर नहीं निकलना चाहिए। बीजेपी ने महिला सुरक्षा के मुद्दे पर आरजी कर की पीड़िता की मां मंजू देवनाथ को पनियाहाटा से उम्मीदवार बनाकर एक तरह से राज्य की महिलाओं को संदेश दे दिया है, संदेश यह कि वह उनकी सुरक्षा के लिए संजीदा है। बीजेपी ने महिलाओं को लुभाने के लिए दुर्गा सुरक्षा दस्ते बनाने और नौकरियों में महिलाओं को 33 फीसद आरक्षण देने का भी वादा किया है। इसके साथ ही महिलाओं को मध्य प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र की तरह प्रतिमाह तीन हजार रूपए देने का वादा किया है। यहां याद रखना चाहिए कि ममता सरकार हर महीने महिलाओं को डेढ़ हजार रूपए दे रही है। साल 2021 में राज्य में तृणमूल कांग्रेस को 213 सीटें और करीब 44 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि बीजेपी को 38 प्रतिशत वोट के साथ 77 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। हालांकि 2016 के विधानसभा चुनावों के मुकाबले देखें तो पार्टी ने तीन सीट और करीब 28 प्रतिशत वोट की तुलना में बड़ी छलांग लगाई। अमित शाह ने इसी बुनियाद को मजबूत करते हुए आगे बढ़ने की रणनीति बनाई। इसके तहत उन्होंने दो बातों पर जोर दिया। उन्होंने उन गढ़ों को और मज़बूत बनाने की रणनीति बनाई, जहां पहले से ही पार्टी मजबूत स्थिति में है। इसके साथ ही उन चुनाव क्षेत्रों में आधार बढ़ाने की कोशिश तेज की, जहां 2021 में वह बहुत कम अंतर से हारी थी। इसके साथ ही अमित शाह ने पार्टी के भीतर की गुटबाज़ी को भी सुलझाने की कोशिश की। राज्य में पार्टी के अध्यक्ष रहे दिलीप घोष के बारे में माना जा रहा था कि वे नाखुश हैं। अमित शाह ने उनसे मुलाकात करके तृणमूल से आए शुभेंदु अधिकारी से बीच उनके मतभेदों को दूर करने की कोशिश की। ममता बनर्जी ने पिछली बार बंगाली माटी और मानुष यानी स्थानीय को मुद्दा बनाया था। उन्हें इस मुद्दे से पिछली बार मदद भी मिली। इस बार भी ममता विपक्ष यानी बीजेपी के नेताओं के बाहरी होने का आरोप लगा रही हैं। इसके जवाब स्वरूप अमित शाह ने ऐलान किया है कि अगर पश्चिम बंगाल में पार्टी सत्ता में आई तो राज्य का मुख्यमंत्री 'धरती का बेटा' यानी स्थानीय व्यक्ति ही बनेगा। पार्टी ने इस बार घुसपैठ को भी बड़ा मुद्दा बनाया है। राज्य में विशेष पुनरीक्षण अभियान के दौरान राज्य में नब्बे लाख वोटरों के नाम हटाने को लेकर ना सिर्फ सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस समेत समूचा गैर बीजेपी दल मुद्दा बना रहे हैं। हालांकि अमित शाह चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान यानी एसआईआर के कदम को सही बताया है। बीजेपी यहीं नहीं रूकी है, उसने वादा किया है कि अगर वह सत्ता में आई तो राज्य से अवैध घुसपैठियों की पहचान करेगी और उन्हें बाहर करेगी। इसके साथ ही पार्टी ने सत्ता में आने के पैंतालीस दिनों के अंदर सीमा पर बाड़ लगाने के लिए केंद्र सरकार को जमीन देगी। बीजेपी ने इसके जरिए बांग्लादेश की ओर हो रही पशु तस्करी को रोकने का भी ऐलान किया है। राज्य में भ्रष्टाचार को भी बड़ा मुद्दा बनाने में बीजेपी कामयाब रही है। इसमें अतीत में हुई भ्रष्टाचार की घटनाओं ने मदद की है। यहां का शिक्षक भर्ती घोटाला रहा, जिसकी सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने 26 हजार नौकरियां रद्द कर दी थी। इसके साथ ही राशन और मिड-डे मील, मनरेगा ॎ जॉब कार्ड घोटाला भी सुर्खियां बनता रहा है। बीजेपी ने इस बार इसे भी मुद्दा बनाया है।

भारत व दक्षिण कोरिया के बीच हुई नई डील के सियासी निहितार्थ

(कमलेश पांडे)

भारत की वैश्विक रणनीतिक स्थिति मजबूत होना सबसे ज्यादा मायने रखता है। जहां भारत दक्षिण कोरिया की 'विशेष रणनीतिक साझेदारी' को आगे बढ़ाने के घोषणाओं से भारत को उत्तर पूर्व एशिया और इंडो पैसिफिक में एक अलग मध्य शक्ति के रूप में स्थापित करने में मदद मिलती है। दुनियाभर में भारत की कूटनीति अपने अनोखे अंदाज के लिए चर्चित रहती आई है, क्योंकि हम तमाम हानि-लाभ की परवाह किए बगैर वसुधैव कुटुंबकम और सर्वे भवंतु सुखिनः के सभ्यता-संस्कृतिगत सिद्धांतों को अमलीजामा पहनाते आए हैं। हालांकि कोई इसे गुटनिरपेक्षता समझता है तो कोई निज स्वार्थपरकता, जो गलत भी नहीं है। आखिर बिना स्वार्थ साधे परमार्थ भी किया जाए तो कैसे? इसलिए व्यवहारम फलदायकम हमारा मूलमंत्र है। भारत और दक्षिण कोरिया के बीच हुई नई डील (व्यापार, तकनीक, रक्षा और ऊर्जा सहयोग) को इसी नजरिए से देखने की जरूरत है, क्योंकि इससे ही द्विपक्षीय रिश्तों के साथ साथ हिंद प्रशांत के रणनीतिक संतुलन में भी गहरे सियासी निहितार्थ निकलते हैं। आइए क्रमबद्ध तरीके से इसे समझते हैं- पहला, भारत की वैश्विक रणनीतिक स्थिति मजबूत होना सबसे ज्यादा मायने रखता है। जहां भारत दक्षिण कोरिया की विशेष रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के घोषणाओं से भारत को उत्तर पूर्व एशिया और इंडो पैसिफिक में एक अलग मध्य शक्ति के रूप में स्थापित करने में मदद मिलती है। वहीं, दक्षिण कोरिया का भारत नेतृत्व वाली पहलों जैसे इंडिया पैसिफिक ओशियन इनिशिएटिव और सोलर एलायंस में शामिल होना भारत की मल्टी एलायंस रणनीति को वैधता देता है। दूसरा, अमेरिकी चीन टकराव में एक मजबूत तीसरा धुरा, जो संतुलन कारी साबित हो सकता है। दक्षिण कोरिया, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में अमेरिका का मजबूत सहयोगी है, अब भारत के साथ चिप, एआई, ऊर्जा और जल मार्ग जैसे क्षेत्रों में गहरा तकनीकी आर्थिक सहयोग बना रहा है; यह चीन केंद्रित आपूर्ति श्रृंखला से बचने के लिए डी-रिस्किंग रणनीति का हिस्सा है, क्योंकि इससे भारत, अमेरिका जैसे देशों के लिए चीन के बिना एक वैकल्पिक टेक और विनिर्माण हब बनने की दिशा में आगे बढ़ता है, जिससे हिंद प्रशांत में चीन विरोधी छोटे गुटों के लिए भारत का भू रणनीतिक मूल्य बढ़ता है। भारत इसे भुनाने में भी पीछे नहीं रहता, ताकि भारत के पड़ोसियों से चीन के बेहतर होते सम्बन्धों को उसके पड़ोस से साधकर अपना हित वर्द्धन किया जा सके। तीसरा, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और सुरक्षा व्यवस्था पर गहरा असर इसलिए कि भारत और दक्षिण कोरिया के बीच व्यापार 2030 तक 50 अरब डॉलर तक पहुंचाने के साथ ही चिप से शिप जैसी डील्स को रफ्तार देने से दोनों देश आपूर्ति श्रृंखलाओं में आपसी निर्भरता बढ़ा रहे हैं। इससे किसी भी एक बड़े खिलाड़ी (जैसे चीन या अमेरिका) के दबाव से निकलने की लचीलापन बढ़ता है। इसके अलावा, दोनों देशों ने ऊर्जा आपूर्ति, आर्थिक सुरक्षा वार्ता और नौसैनिक लॉजिस्टिक सहयोग पर भी जोर दिया है, जिससे दक्षिण कोरिया को भी भारत के माध्यम से ईरान और मध्य पूर्व से ऊर्जा तक पहुंच के विकल्प मिलते हैं। इससे भारत को विभिन्न तरह की मजबूती मिलती है। चौथा, चीन और उत्तर कोरिया पर निर्देशित संदेश का रणनीतिक फायदा मिलता है। भारत दक्षिण कोरिया की बढ़ती रक्षा और तकनीकी साझेदारी, खासकर चिप, एआई, डिफेंस इंडस्ट्री और नौसैनिक लॉजिस्टिक पर काम, क्षेत्रीय स्थिरता के नाम पर चीन की समुद्री दबाव रणनीति के खिलाफ एक छोटा बफर बनाती है।

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 6075

			4	5		8		
		6	3		9			2
4	2							7
9		2					8	
		3	2	1	8	7		
	5					1		4
7							9	5
2			5		7	3		
		1		2	3			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6074

5	4	2	6	8	1	9	7	3
9	6	7	3	4	5	2	8	1
8	1	3	9	2	7	6	5	4
2	9	1	7	3	8	5	4	6
6	3	5	2	1	4	7	9	8
7	8	4	5	9	6	3	1	2
3	2	8	4	5	9	1	6	7
4	5	6	1	7	3	8	2	9
1	7	9	8	6	2	4	3	5

वर्ग पहेली 6075

संकेतः बाएं से दाएं

1. भारत में 5 सितंबर इस दिवस के रूप में मनाया जाता है (6)
6. अवस्था, उम्र, जीवन अवस्था (2)
7. ऐसा कोई घटना जिसमें कोई अपराध हुआ हो (4)
9. परिपक्व होना, पूयित होना (3)
10. मंगल ग्रह इस रंग का बताया जाता है, इंद्रधनुष के रंगों में से एक (2)
12. स्मरणीय, याद रखने योग्य, स्मारक, अविस्मरणीय (4)
14. पृथ्वी की ऊपरी सतह (3)
15. पुरूष, मर्द (2)
16. अत्यंत दुबला पतला (4)
17. मुकदमा, अभियोग (2)
18. शरण देना, आश्रय देना (5)
22. अत्यंत प्राचीनकाल से चला आता (4)
23. यह हिमालय में एक पहाड़ी राज्य है जिसके उत्तर में चीन और दक्षिण में भारत है जिसकी राजधानी थिम्फू है (3)

संकेतः ऊपर से नीचे

1. मादक पदार्थ, भांग को यह भी कहत है (4)
2. कुपोषण, नाश या नष्ट होना, तपेदिक, टी.बी (2)
3. दिनपति, सूर्य, सूरज, रवि (4)
4. विवाह के समय वधु का वर को अंगीकार करना, यदि ऐसा न होगा तो (3)
5. प्रतिध्वनि, फकीर की आवाज, फरियाद (2)
8. पुराणानुसार सात पातालों में से एक पाताल, कहते है प्रहलाद का निवास स्थान यहीं है (4)
9. उजरत, तनख्वाह, वेतन (3)
11. प्रबल अभिलाषित होना, तीव्र उत्कंठित होना (4)
13. दन-दन शब्द करते हुए आना या दन-दन शब्द करना (5)
14. क्षुधा, भूख शब्द अपभ्रंश (2)
16. सटना, रिश्तें में कुछ होना (3)
17. लौटा हुआ या फिरता हुआ (3)
19. ताड़ित, पीटा हुआ, गुणा किया हुआ (2)
20. प्रदत्त या प्राप्त वस्तु (2)
21. जिसका डील या कद छोटा हो, ठिगना (2)

वर्ग पहेली 6074 का हल

स्पे	न		भा	र	त		ब
श	ह	ना	ई		ल	ल	क
ल	ला	ट		सु	ब	क	ना
	ना	क	र	ना		वा	
मे			त	री	का		सु
घ	न	क	ना		नू	त	न
दू	र		र	ह	न		ना
त	म	क		म	न	स्वी	

आज का राशिफल

मेष
आज खर्चों में वृद्धि, सतर्क रहें. जीवनसाथी से टकराव की संभावना, झगड़ों से बचें. विदेशी निवेश सोच-समझकर करें. कठोर स्वभाव से व्यवसाय में मुश्किलें आ सकती हैं. सामाजिक स्तर पर अधूरे कार्य परेशानी का कारण बन सकते हैं. फैमिली आउटिंग कैंसिल हो सकती है. मेडिकल और टेक्नोलॉजी स्टूडेंट्स का ध्यान भटक सकता है. वैवाहिक जीवन में तनाव संभव. ऑफिस में बातों से बचें, कार्य पर ध्यान दें.

वृष
आज का दिन इनकम बढ़ाने की योजना बनाएं. घाटे की भरपाई बाहरी स्त्रोत से होगी. बिजनेस क्लाइंट से विवाद खत्म होगा. सेहत में सुधार, उत्साह महसूस होगा. परिवार में रिश्तेदारों से मतभेद सुलझेंगे. पार्टनर के साथ अच्छा समय बितेगा. चतुराई से कार्य पूर्ण होंगे. सामाजिक स्तर पर पहचान बढ़ेगी. स्टूडेंट्स को स्पष्टता से नोट शेयर करने की सलाह. नई कंपनी से जॉइनिंग लेटर मिल सकता है।

कर्क
आज आध्यात्मिकता में रुचि बढ़ेगी. पार्टनर के साथ पुरानी यादें ताजा होंगी. बिजनेस लोन अप्रूवल से धन तनाव कम होगा. ग्राहकों को ऑफर देने से बिक्री बढ़ेगी. दोस्तों के साथ खड़े रहें. हल्का बुखार परेशानी दे सकता है. पब्लिक रिलेशन मजबूत होंगे. व्यापार यात्रा संभव. आत्मविश्वास ऊंचा रहेगा. ऑफिस में सहयोग मिलेगा।

सिंह
आज ससुराल पक्ष से अनबन संभव.पार्टनर से मतभेद बढ़ सकते हैं. आर्थिक परेशानी के कारण भागदौड़ बढ़ेगी. साझेदारी में सोच-समझकर निर्णय लें. बच्चों की सेहत चिंता का कारण बनेगी. परिवार में किसी की बातों में आकर विवाद हो सकता है. यात्रा में सतर्कता रखें, चोरी की संभावना. वर्कलोड बढ़ेगा, मदद लेनी पड़ेगी. बॉस का समर्थन मिलेगा.

मिथुन
आज जॉब में नयापन आएगा. सीनियर्स की मदद से तनाव कम होगा. प्रोफेशनल और पर्सनल बैलेंस बनाए रखें. पूर्व कार्य का आउटपुट मिलेगा. परिवार से व्यवहार में सुधार जरूरी. बिजनेस में नई योजना की प्लानिंग. मार्केट सर्वे द्वारा न्यू ट्रेंड की जानकारी लें. संगीत प्रेमियों को मंच मिलेगा. सेहत अच्छी रहेगी. रोमांस भरा समय, स्टूडेंट्स बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

कन्या
आज जीवनसाथी से मनमुटाव संभव. पारिवारिक चर्चा से रिश्ते सुधरेंगे. प्रमोशन की गुड न्यूज़ मिल सकती है. बॉस के कार्यभार से थकान हो सकती है. जोड़ो के दर्द से परेशानी. योग-प्राणायाम करें. सामाजिक विवादों से बचें. खेल जगत में फिटनेस जरूरी. बिजनेस में पूंजी और बचत दोनों पर ध्यान दें. पार्टनर के साथ समय अच्छा रहेगा।

तुला
आज शारीरिक तनाव संभव. दोस्तों के साथ पिकनिक की योजना बन सकती है. आत्मविश्वास ऊँचा रहेगा, नई जिम्मेदारी मिल सकती है. स्थानांतरण में रुकावट संभव. प्रेम जीवन सुखद रहेगा. संघर्ष के बाद छात्र सफलता पाएंगे. भद्रा काल में शुभ कार्य न करें. बिजनेस में तकनीकी बदलाव फायदेमंद रहेंगे. स्वास्थ्य सामान्य रहेगा. पारिवारिक संपत्ति से लाभ संभव।

वृश्चिक
आज संतान से सुख मिलेगा. प्रतियोगी छात्र नियमित पढ़ाई करें. स्मार्ट वर्क से सीनियर्स प्रभावित होंगे. नौकरी में बदलाव के संकेत. छोटे कार्यों की अनदेखी न करें. प्रॉपर्टी ट्रैवल संभव. विचारों को महत्व दें. बच्चों और पार्टनर के साथ समय बिताएं. ऑनलाइन सेल से लाभ. पार्टनर के साथ विवाद भूलें।

मकर
आज रिश्तेदारों से सहायता मिलेगी. करियर पर फोकस करें, मस्ती के साथ संतुलन रखें. प्रमोशन और वेतनवृद्धि की संभावना. माता-पिता की सेहत पर ध्यान दें. खर्चों में कटौती करें. निजी रिश्तों पर सोच-समझकर निर्णय लें. स्टूडेंट्स रुचि के अनुसार कार्य करें. बिजनेस में लाभ और विस्तार के योग. वाहन चलाते समय सावधानी रखें. टैक्स संबंधित मामला सुलझ सकता है।

कुंभ
आज पैसों के लेन-देन में सतर्क रहें. उच्च शिक्षा में सफलता में देरी. तनाव दूर करने के लिए लाइफस्टाइल बदलें. ऑफिस में प्रेजेंटेशन का अवसर मिल सकता है. मानसिक उलझन और जिम्मेदारी अधिक हो सकती है. सामाजिक योजनाओं में बदलाव. प्रेम जीवन अच्छा रहेगा. सोशल मीडिया से फ्री प्रमोशन का ऑफर मिल सकता है. स्टॉक की कमी से ग्राहक वापस जा सकते हैं. यात्रा टालना बेहतर।

धनु
आज मां की सेहत बिगड़ सकती है. पिता की सलाह मानें, टकराव से बचें.संतान का निर्णय चिंता दे सकता है. व्यापार में टेंडर मिस होने से तनाव. लोन व टैक्स समय पर चुकाएं. सामाजिक गलती पर पछतावा हो सकता है. ट्रिप कैंसिल हो सकती है. ऑफिस में डिबेट से बचें. काम का दबाव मानसिक उलझन ला सकता है. छाती में दर्द संभव।

मीन
आज आत्मसम्मान बढ़ेगा. पार्टनर के साथ डिनर की योजना. प्रतियोगी छात्र योग व ध्यान करें.ऑफिस में साजिश का पर्दाफाश होगा. काम के तरीकों में आज़ादी मिल सकती है. परिवार के साथ समय बिताएं. गुस्से को नियंत्रित करना जरूरी. खानपान पर ध्यान दें. दूसरों की नकल से बचें. काम में समय लग सकता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा डी.बी. कॉर्पो. लि., के.जी. आश्रम के पास, बिफोर मंदिर, गोसाईंडीह, गोविंदपुर रोड, धनबाद, झारखण्ड – 828112 में मुद्रित एवं वार्ड नं. 8, बांधपाड़ा, दुमका, झारखंड – 814101 से प्रकाशित | संपादक- साकेत कुमार, मो.-9934957121, 7766886433 | E-mail : svvjh123@gmail.com | website : www.sonvarshavani.com

'किंग' के बाद 'जवान' के सीक्वल पर काम शुरू कर सकते हैं शाहरुख

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान जल्द ही अपनी नई फिल्म 'किंग' के साथ बड़े पर्दे पर धमाल मचाने वाले हैं। फिलहाल फिल्म की शूटिंग जारी है, लेकिन इससे पहले उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि एक्टर अपनी सुपरहिट मूवी के सीक्वल में नजर आएंगे।

शाहरुख खान अपनी अपकमिंग फिल्म 'किंग' के बाद एक और बड़े प्रोजेक्ट की तैयारी में लग सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शाहरुख खान फिलहाल अपनी फिल्म 'किंग' पर फोकस कर रहे हैं, जो एक बड़े बजट की एक्शन फिल्म बताई जा रही है और 2026 में रिलीज हो सकती है। लेकिन इसी बीच खबर है कि 'किंग' के बाद वह अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'जवान' के सीक्वल यानी 'जवान 2' पर काम शुरू कर सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, इस फिल्म की स्क्रिप्ट लगभग तैयार है और मेकर्स इसे आगे बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, अभी तक इसको लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। इससे पहले भी 'जवान 2' को लेकर कई तरह की खबरें सामने आ चुकी हैं, लेकिन फिल्म के डायरेक्टर की तरफ से भी कोई कन्फर्मेशन नहीं दिया गया था। कहीं न कहीं इस खबर से फैंस की एक्साइटमेंट काफी बढ़ गई है।

'किंग' फिल्म के बारे में

शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' 24 दिसंबर 2026 को रिलीज होगी। ये एक एक्शन पैक फिल्म होने वाली है। इस फिल्म में शाहरुख खान के साथ दीपिका पादुकोण, रानी मुखर्जी, अभिषेक बच्चन, सुहाना खान, अनिल कपूर, अभय वर्मा और अरशद वारसी जैसे बड़े सितारे नजर आ सकते हैं।

क्या अल्लू अर्जुन की 'राका' से कम हुआ दीपिका का रोल? मेकर्स ने बताई सच्चाई

अल्लू अर्जुन की फिल्म 'राका' रिलीज होते ही चर्चा में बनी हुई है। हाल ही में फिल्म का फर्स्ट लुक जारी हुआ, जिसके बाद फिल्म को लेकर लोगों की उत्सुकता और भी बढ़ गई। हालांकि, बीच में ऐसी खबरें भी आईं फिल्म में दीपिका पादुकोण की भूमिका अब छोटी कर दी गई है। इन दावों पर अब खुद 'राका' के मेकर्स की प्रतिक्रिया सामने आई है।

फिल्म की टीम ने खबरों को बताया अफवाह

दीपिका पादुकोण के दूसरी प्रेग्नेंसी घोषित करने के बाद ऐसी खबरें आईं कि अब फिल्म से दीपिका की भूमिका छोटी की जा सकती है। अब 'राका' के प्रोडक्शन से जुड़े सूत्रों ने इन दावों को पूरी तरह निराधार बताया है। फिल्म की टीम ने पुष्टि की, 'सब कुछ योजना के अनुसार चल रहा है। दीपिका पादुकोण 'राका' में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं और शूटिंग पूरे जोश के साथ सुचारू रूप से चल रही है।'

प्रेग्नेंसी की घोषणा के बाद काम पर लौटीं दीपिका

हाल ही में मीडिया रिपोर्टों में यह भी बताया गया कि दीपिका अपनी दूसरी गर्भावस्था के बावजूद काम से ब्रेक लेने के मूड में नहीं हैं। दीपिका ने अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी घोषित करने के बाद काम फिर से शुरू कर दिया है। वह अल्लू अर्जुन की फिल्म 'राका' के लिए कुछ एक्शन से भरपूर सीन की शूटिंग करेंगी, जिसमें सभी एहतियाती उपाय किए जा रहे हैं। एटली द्वारा निर्देशित यह फिल्म फिलहाल तय कार्यक्रम के अनुसार चल रही है। फिल्म तय समय-सीमा के अनुसार ही आगे बढ़ रही है।

शाहरुख के साथ नजर आएंगी दीपिका

वर्कफ्रंट की बात करें तो दीपिका के पास 'राका' के अलावा शाहरुख खान के साथ 'किंग' फिल्म भी है। इसमें उनके अलावा एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी। जिसमें शाहरुख की बेटी सुहाना खान, जयदीप अहलावत, जैकी श्रॉफ, रानी मुखर्जी, अरशद वारसी और अभिषेक बच्चन समेत कई कलाकारों के नाम शामिल हैं। दीपिका आखिरी बार 'सिंघम अगेन' में नजर आई थीं। इस बीच पिछले साल वो 'स्पिरिट' और 'कल्कि 2' जैसी फिल्मों से बाहर होने के चलते चर्चाओं में रही थीं।

'व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया' के फिनाले में इमोशनल हुए अक्षय

अक्षय कुमार का रियलिटी गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया' 27 अप्रैल को ग्रैंड फिनाले के साथ खत्म होने जा रहा है, जिसमें फराह खान, जैकलीन फर्नांडिस और भूमि पेडनेकर नजर आएंगी।

अक्षय को टीम ने दिया खास ट्रिब्यूट

शो की ओर से एपिसोड का प्रोमो शेयर किया गया। प्रोमो की शुरुआत में ढेर सारी मस्ती देखने को मिलती है। लेकिन शो का तब इमोशनल हो जाता है, जब भूमि पेडनेकर बताती हैं कि शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया' की टीम ने अक्षय के लिए एक खास ट्रिब्यूट तैयार किया है। इस वीडियो मोंटाज में शो के कई यादगार पल दिखाए जाते हैं, साथ ही एक दिल छू लेने वाला मैसेज सुनाई देता है- 'कल से ये मंच नहीं होगा, लेकिन आपकी मुस्कुराहट याद रहेगी, आपकी शरारतें, नादानियां और शैतानियां याद रहेंगी... आप याद रहेंगे।' यह ट्रिब्यूट देखकर अक्षय कुमार की आंखों में आंसू आ गए। प्रोमो में वो अपने आंसू छुपाने के लिए फराह खान के पीछे जाते नजर आते हैं। अपने इस सफर को याद करते हुए अक्षय बताते हैं कि शो के 65 एपिसोड पूरे हो चुके हैं, जिसमें करीब 200 कंटेस्टेंट्स ने हिस्सा लिया।

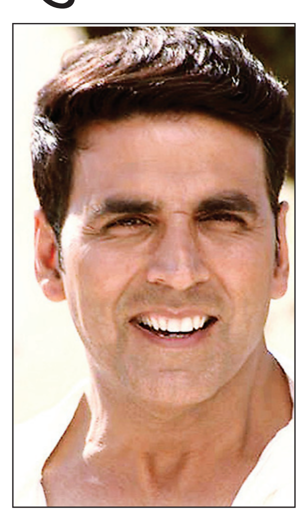

सोशल मीडिया से परेशान हुए पार्थ समथान, उठाया यह बड़ा कदम

टीवी के मशहूर अभिनेता पार्थ समथान अपने बेहतरीन अभिनय के साथ ही अपनी दमदार पर्सनैलिटी के लिए जाने जाते हैं। लेकिन हाल ही में न जाने ऐसा क्या हुआ कि उन्होंने सोशल मीडिया से दूर रहने का फैसला कर लिया है। उनके इस फैसले ने हर किसी को हैरान कर दिया है। जानिए क्या है पूरा मामला?

पार्थ समथान ने सोशल मीडिया से क्यों बनाई दूरी?

दरअसल, पार्थ अपने परिवार और खुद पर होने वाले ट्रोलिंग से बहुत परेशान हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा कि कुछ लोग नकली अकाउंट्स खरीदकर उनके और उनके परिवार की निजी जिंदगी पर गलत कमेंट्स कर रहे हैं।

'मुझे बहुत गुस्सा आ रहा है'

पार्थ ने कहा, 'मैं शांत और पॉजिटिव इंसान हूं, लेकिन यह सब देखकर मुझे बहुत गुस्सा आ रहा है। मुझे लगता है कि मैं जानता हूं कि यह सब कौन कर रहा है, लेकिन नाम लेना बेकार है।' उन्होंने आगे लिखा कि अब वह साइबर क्राइम में शिकायत करने में समय बर्बाद नहीं करेंगे। बल्कि अपनी जिंदगी और काम पर ध्यान देंगे।

कौन हैं पार्थ समथान?

पार्थ समथान एक प्रसिद्ध भारतीय टेलीविजन अभिनेता और मॉडल हैं। उन्होंने 'गुमराह' और 'बेस्ट फ्रेंड्स फॉरएवर?' जैसे शो से अपना करियर शुरू किया था। फिलहाल, पार्थ समथान टीवी शो 'सहर होने को है' में 'माहिद' का किरदार निभा रहे हैं। इस शो में उनके साथ माही विज, ऋषिता सिंह और कनिका माहेश्वरी भी काम कर रही हैं। पार्थ को 'कसौटी जिंदगी की 2' और 'कैसी ये यारियां' जैसे शोज से बहुत पॉपुलैरिटी मिली थी।

मुझे पैपराजी से बात करना अच्छा लगता है

अभिनेत्री सोनम बाजवा इन दिनों अपनी आगामी कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'पिट सियापा' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में सोनम प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। हाल ही में सोनम ने पैपराजी के साथ अपने रिश्ते को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि जब पैप्स उनसे फोटोज के लिए कहते हैं, तो उनका रिएक्शन कैसा होता है?

बातचीत में सोनम बाजवा ने कहा कि जब पैपराजी उनसे फोटो के लिए कहते हैं, तो समझ ही नहीं आता कि कैसे रिएक्ट करें। एक्ट्रेस ने कहा कि मैं जोर से हंसती हूं। मुझे नहीं पता कि पैपराजी के सामने क्या करना है। वे सैलून के बाहर भी इंतजार कर रहे होते हैं। मैं उन्हें मना नहीं कर सकती। लेकिन मुझे बहुत शर्म आती है, मुझे नहीं पता कि अगर मैं अभी-अभी सैलून से निकली हूं तो उनके सामने कैसे पोज दूं। वैसे पैपराजी बहुत कूल हैं। वे आपको इतना हंसाते हैं। मुझे लगता है कि लोग सोचेंगे, यह पैपराजी के सामने क्यों हंसती रहती है? मुझे उनसे बात करने में बहुत मजा आता है। मुझे उनसे कभी-कभार मिलना अच्छा लगता है।

हालांकि, एक्ट्रेस ने ये भी कहा कि कभी-कभी पैपराजी प्राइवेसी वाली जगहों पर भी पहुंच जाते हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन कभी-कभी, आप अभी-अभी सोकर उठे होते हैं। आपने एक कप कॉफी भी नहीं पी होती। आपको जिम के लिए देरी हो रही होती है। जैसे ही आप जिम पहुंचते हैं, आपको पैपराजी दिख जाते हैं। आपका चेहरा सूजा हुआ होता है। हो सकता है कि आप पिछली रात से सोए न हों। आपने पर्याप्त पानी भी नहीं पिया हो। लेकिन पैपराजी आपका इंतजार कर रहे होते हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि मुंबई में पैपराजी कल्चर कितनी गहराई से जड़ जमा चुकी है। हर कोई सतर्क हो जाता है। सोचिए अगर मैं आपको जागने के 30 मिनट के अंदर ही पकड़ लूं। आपको अच्छा नहीं लगेगा। तो ऐसा होता है। लेकिन मुझे लगता है कि यह हमारे काम का हिस्सा है। अब यह कल्चर स्थापित हो चुका है। मुंबई में पैपराजी का कल्चर बन चुका है। इसलिए, मैं हमेशा खुद से कहती हूं हमेशा तैयार रहो कि पैपराजी वहां होंगे। चाहे आप कहीं भी जा रहे हों।

वर्कफ्रंट की बात करें तो सोनम बाजवा अगली बार रूपिंदर चहल द्वारा निर्देशित आगामी पंजाबी कॉमेडी-ड्रामा 'पिट सियापा' में नजर आएंगी। 1 मई को रिलीज होने वाली इस फिल्म में सोनम बाजवा के साथ परमवीर सिंह चीमा भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। कहानी निम्मी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका किरदार सोनम निभा रही हैं।

हम दर्शकों को हल्के में लेते हैं उनकी पसंद बहुत अलग-अलग है

अनुभव सिन्हा की फिल्म 'अस्सी' सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर स्ट्रीम कर रही है। भारत में होने वाले दुष्कर्म जैसे गंभीर मुद्दे पर आधारित इस फिल्म को क्रिटिक्स से जमकर सराहना मिली थी। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर फिल्म वो कमाई नहीं कर सकी, जिसकी मेकर्स को उम्मीद थी। अब हाल ही में निर्देशक अनुभव सिन्हा ने समीक्षकों द्वारा मिली फिल्म की सराहना पर बात की। साथ ही उन्होंने ये भी समझाया कि आखिर क्यों 'अस्सी' बॉक्स ऑफिस पर वैसी कमाई नहीं कर पाई।

फिल्म को मिली प्रतिक्रियाओं से खुश हैं निर्देशक

इंडिया टुडे के साथ बातचीत के दौरान अनुभव सिन्हा ने 'अस्सी' को मिली पॉजिटिव प्रतिक्रियाओं के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि लोगों ने मैसेज, डीएम और रीलों के माध्यम से प्रशंसा की है। मैसेज भेजने का तरीका बदल गया है। जब तक लोग सकारात्मक बातें कह रहे हैं, मैं खुश हूं। फिल्म के उद्देश्य के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे हमेशा से उम्मीद थी कि 'अस्सी' 'थप्पड़' की तरह चर्चाओं को जन्म देगी। यही कारण है कि मैं ये फिल्में बनाता हूं। हो सकता है मेरे पास सभी जवाब न हों, लेकिन समाज मुझसे कहीं ज्यादा जानता है। अगर लोग इन मुद्दों पर बात करेंगे, तो उन्हें सवाल और जवाब दोनों मिल जाएंगे। उद्देश्य तो उन्हें प्रभावित करना था, लेकिन इसने उन्हें मेरी उम्मीद से कहीं ज्यादा प्रभावित किया है।

अब बाहर निकलने और सिनेमाघरों में जाने की आदत बदल गई

क्या दर्शक ऐसे गंभीर मुद्दों और विषयों के लिए तैयार हैं? इस सवाल पर अनुभव सिन्हा ने कहा कि हम अपने दर्शकों को हल्के में लेते हैं। उनकी पसंद बहुत अलग-अलग है। यह एक ऐसा देश है जहां प्रकाश मेहरा, मनमोहन देसाई, गोविंद निहलानी, श्याम बेनेगल और बसु चटर्जी जैसे फिल्म निर्माता एक ही समय में सफल हुए। यह भारतीय दर्शकों की विविधता को दिखाता है। हालांकि, उन्होंने यह भी बताया कि बदलती आदतों का असर सिनेमाघरों में जाने पर पड़ा है। अब बाहर जाना कम हो गया है क्योंकि यह कम सुविधाजनक हो गया है। यह सिर्फ सिनेमा तक ही सीमित नहीं है; खरीदारी की आदतें भी बदल गई हैं। लोगों के पास अब घर पर ही आसान विकल्प मौजूद हैं।

12 लाख लोगों ने सिनेमाघरों में देखी 'अस्सी'

फिल्म के कलेक्शन के बारे में बात करते हुए निर्देशक ने कहा कि सफलता सापेक्ष है। इस तरह की फिल्म के लिए व्यावसायिक सफलता बहुत महत्वपूर्ण है। ये फिल्में बनाना और देखना मुश्किल होता है, इसलिए स्वाभाविक रूप से आर्थिक रूप से इन्हें सफल बनाना भी कठिन होता है। लेकिन यह एक ऐसा चुनाव है जो आप करते हैं और आपको इसके साथ जीना पड़ता है। आप चांद के बारे में सोचते हैं, यह जानते हुए भी कि चांद मिलना संभव नहीं है। लेकिन 'अस्सी' उम्मीद से भी कम रही। यह भव्य तो नहीं बनी, लेकिन सिनेमाघरों में आने वाले दर्शकों की संख्या के लिहाज से भी यह उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। फिर भी 12 लाख से अधिक लोगों ने सिनेमाघरों में फिल्म देखी, जो बेहतर है।

कुछ प्रतिक्रियाओं ने प्रभावित किया फिल्म का कलेक्शन

फिल्म के बॉक्स ऑफिस पर सफल न हो पाने के कारणों पर बात करते हुए निर्देशक ने कहा कि कई समीक्षाएं, हालांकि सकारात्मक थीं, लेकिन उनमें 'परेशान करने वाली' या 'दिल दहला देने वाली' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया था। मुझे लगता है कि यही फिल्म के लिए बाधक साबित हुआ। दर्शकों की प्रतिक्रियाओं ने भी धारणा को प्रभावित किया। लोगों ने कहा, 'यह सबके लिए नहीं है' या 'अगर आप संवेदनशील हैं तो इसे न देखें'। एक तरह से इसने फिल्म के खिलाफ काम किया। हालांकि, फिल्म की प्रशंसा ने भी मदद की।

संक्षिप्त समाचार

बिग अपडेट 2026 इंफेकॉन का सफल समापन, संक्रमण चिकित्सा के नए आयामों पर हुआ राष्ट्रीय मंथन

भोपाल। राजधानी भोपाल में आयोजित 11वां एनुअल नेशनल कॉन्फ्रेंस बिग अपडेट 2026 इंफेकॉन आज अपने सफल समापन के साथ समाप्त हुआ। भोपाल इंस्टीट्यूट ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एवं गैस्ट्रोकेयर मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल द्वारा जहांनुमा पैलेस में आयोजित इस दो दिवसीय सम्मेलन ने संक्रमण चिकित्सा, गैस्ट्रो रोगों और आधुनिक उपचार विज्ञान को नई दिशा देने का कार्य किया। देशभर से आए वरिष्ठ चिकित्सकों, विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और युवा डॉक्टरों ने अंतिम दिन भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। सम्मेलन के दूसरे और अंतिम दिन की शुरुआत हेल्थ एवं वेलनेस सत्र से हुई, जिसमें चिकित्सकों और प्रतिभागियों ने फिटनेस एवं सक्रिय जीवनशैली के महत्व को समझा। इसके बाद वैज्ञानिक सत्रों का क्रम प्रारंभ हुआ। पहले प्रमुख सत्र में एक्यूट वॉटररी डायरिया के एल्गोरिथमिक अप्रोच पर विस्तृत चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने बताया कि गर्मियों और मानसून के समय दस्त के मामलों में तेजी आती है, ऐसे में समय पर फ्लूड मैनेजमेंट, संक्रमण की पहचान और उचित उपचार अत्यंत आवश्यक है। इसके बाद आयोजित एंडोस्कोपी एंड इंफेक्शंस सिम्पोजियम में एंडोस्कोप उपकरणों की सफाई, डिसइन्फेक्शन, रीप्रोसेसिंग और संक्रमण रोकथाम के आधुनिक प्रोटोकॉल पर विशेषज्ञों ने जानकारी दी। डॉक्टरों ने कहा कि मरीजों की सुरक्षा के लिए उपकरणों की स्वच्छता उतनी ही जरूरी है जितनी सफल प्रक्रिया। दिल्ली से आए डॉ. मृदुल कुमार डागा ने कहा, संक्रमण चिकित्सा का स्वरूप लगातार बदल रहा है और आज डॉक्टरों के लिए केवल पारंपरिक उपचार ज्ञान पर्याप्त नहीं है। नई बीमारियां, एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस, जटिल मरीजों की बढ़ती संख्या और तेजी से विकसित होती तकनीकें हमें लगातार सीखने के लिए प्रेरित करती हैं। ऐसे सम्मेलन विशेषज्ञों के अनुभव, नई रिसर्च और व्यावहारिक क्लिनिकल रणनीतियों को साझा करने का श्रेष्ठ मंच हैं। बिग अपडेट 2026 इंफेकॉन जैसे आयोजन चिकित्सा समुदाय को एकजुट कर बेहतर मरीज देखभाल की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भोपाल के डॉ. सी. सी. चौबल ने कहा, आज के समय में संक्रमण प्रबंधन केवल दवा देने तक सीमित नहीं है, बल्कि सही समय पर पहचान, सटीक जांच, बहु-विषयक दृष्टिकोण और आधुनिक उपचार रणनीतियों का समन्वय आवश्यक है।

फरीदाबाद में सर्वाइकल कैंसर वैक्सीनेशन अभियान लड़खड़ाया

फरीदाबाद, एजेंसी। जिला स्वास्थ्य विभाग की ओर से शुरू किए गए सर्विकल वैक्सीन अभियान को 60 दिन बीत जाने के बाद भी गति नहीं मिल पाई है। किशोरियों के लिए शुरू किए गए इस अभियान के तहत अब तक 1200 टीके ही लग पाए हैं। लक्ष्य की बात करें तो इतनी अवधि में 12 हजार से अधिक टीके लग जाने चाहिए थे। सर्विकल कैंसर से बचाव को 14 साल की बालिकाओं के लिए यह टीका अनिवार्य किया गया है। विभाग ने जिले के 37 केंद्रों पर टीकाकरण अभियान 28 फरवरी को शुरू किया था। उस समय 90 दिनों में 19 हजार किशोरियों को टीके लगाने का लक्ष्य तय किया गया था। ऐसे में साफ है कि जिले में चल रहे सर्विकल वैक्सीन अभियान का लक्ष्य पाना अभी दूर है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का अभियान की धीमी गति पर मानना है कि वैक्सीन को लेकर अभिभावकों और किशोरियों में जागरूकता की कमी है। दूसरा 17 फरवरी से शुरू हुई सीबीएसई की परीक्षाओं ने अभियान को प्रभावित किया है। परीक्षाओं के कारण छात्राओं की प्राथमिकता पढ़ाई ही रही। ऐसे में टीकाकरण के लिए छात्राओं को एकत्र करना स्वास्थ्य विभाग के लिए चुनौतीपूर्ण बना रहा। अब शिक्षा विभाग के साथ मिलकर अभियान को गति दी जाएगी।

खत्म हो गया तेल का स्टॉक, आंध्र प्रदेश में 400 से ज्यादा पेट्रोल पंप बंद, मचा हड़कंप

अमरावती, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच छिड़ी जंग की वजह से दुनियाभर में ऊर्जा आपूर्ति को लेकर संशय की स्थिति पैदा हो गई है। इसका असर अब भारत में भी दिखने लगा है। दक्षिणी राज्य आंध्र प्रदेश के कई पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल और डीजल का स्टॉक खत्म हो जाने की खबर फैलने और लोगों की भारी भीड़ उमड़ने के बाद, रविवार को अलग-अलग जिलों में 400 से ज्यादा पंप बंद कर दिए गए हैं। वहीं इन पेट्रोल पंपों पर स्टॉक खत्म होने की सूचना दी जाने के बाद लोगों ने दूसरे पंपों पर धावा बोल दिया, जहां लंबी लाइनें देखी जा रही हैं।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक राज्य में 4,510 पेट्रोल पंप हैं, जिनमें से 421 पंपों पर पेट्रोल और डीजल का स्टॉक खत्म हो गया। वहीं अधिकांश पेट्रोल पंप दोपहिया वाहनों को सिर्फ 2 लीटर और कारों को 10 लीटर पेट्रोल ही बेच रहे हैं। आंध्र प्रदेश पेट्रोल डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष गोपाल कृष्ण ने बताया कि कई पेट्रोल पंपों पर डीजल की भारी कमी है। उन्होंने कहा कि औसतन वे 7000 लीटर से अधिक डीजल बेचते हैं, लेकिन अब घबराहट में हो रही खरीदारी के कारण 14,000 लीटर से अधिक डीजल बिक रहा है।

कई जगहों पर कमी की खबरें: पेट्रोल और डीजल की कमी ने विजयवाड़ा, गुंटूर, राजमुंद्री, कुरनूल और नेल्लोर सहित कई शहरों में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। कई जगह पर पेट्रोल पंप कर्मचारियों द्वारा स्टॉक खत्म होने के बोर्ड लगाने पर वाहन चालकों और पेट्रोल पंप कर्मचारियों के बीच तीखी बहस हुई। प्रसिद्ध पहाड़ी तीर्थ तिरुमाला में भी परिवहन व्यवस्था प्रभावित हुई। यहां दो पेट्रोल पंपों पर स्टॉक खत्म हो गया था। पेट्रोल भरवाने के लिए लाइन में खड़े कुछ लोगों ने

मीडिया को बताया कि वे अपनी बाइकों में पेट्रोल भरवाने के लिए कई घंटे से इंतजार कर रहे हैं।

सूत्रों ने बताया कि वीकेंड पर, सोशल मीडिया पर कई ऐसी पोस्ट्स वायरल होने लगीं जिनमें कहा जा रहा था कि ईरान अमेरिका युद्ध अभी और बढ़ने वाला है और ईंधन की कमी हो जाएगी। इसके कारण लोग घबराकर खरीदारी करने लगे। अधिकारियों ने बताया कि कई जगहों पर हजारों लोग पेट्रोल पंपों के बाहर खड़े हो गए और जरूरत से ज्यादा ईंधन खरीदने लगे जिसकी वजह से कमी हो गई। मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों ने भी एक बयान में बताया कि रविवार दोपहर तक जो ज्यादातर आउटलेट्स बंद हुए, वे स्टॉक खत्म होने के कारण नहीं, बल्कि पैनिक में की जा रही खरीदारी को रोकने के लिए बंद किए गए थे। इस बीच, मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने एक्शन लिया है। उन्होंने जिला कलेक्टरों को तेल की कमी की समस्या से निपटने के लिए तुरंत एक कार्य योजना लागू करने और समस्या के समाधान के लिए विभिन्न विभागों द्वारा उठाए गए कदमों पर सोमवार शाम तक रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने स्थिति का जायजा लेने के लिए मुख्य सचिव जी साई प्रसाद और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ टेलीकॉन्फ्रेंस भी की। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि शनिवार को डीलरों को 10,345 किलो लीटर पेट्रोल और 14,156 किलो लीटर डीजल की आपूर्ति की गई, लेकिन घबराहट में खरीदारी के कारण कई आउटलेट्स पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी। गौरतलब है कि ईरान और अमेरिका के बीच 28 फरवरी को शुरू हुई जंग के बाद से ही दुनिया के सबसे प्रमुख जलमार्ग स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से जहाजों की आवाजाही प्रभावी रूप से बंद हो गई है।

गुरुग्राम में मुख्यमंत्री सैनी का बड़ा ऐलान; अब ऑटो चालकों को भी मिलेगी 'सामाजिक सुरक्षा'

गुरुग्राम, एजेंसी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 'विकसित भारत' के निर्माण में श्रमिक वर्ग की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था की मजबूती श्रमिकों की मेहनत पर आधारित है। इसी के बल पर भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री रविवार को गुरुग्राम के सैक्टर-38 स्थित ताऊ देवीलाल स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय श्रमिक जागरूकता एवं सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह बतौर विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भारतीय मजदूर संघ द्वारा ऑटो चालकों एवं ड्राइवरों के लिए श्रम कल्याण बोर्ड के गठन की मांग पर घोषणा करते हुए कहा कि राज्य सरकार संगठित श्रमिकों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए राज्य सामाजिक सुरक्षा बोर्ड का गठन करेगी।इस बोर्ड के माध्यम से ऑटो चालकों और ड्राइवरों को भी सामाजिक सुरक्षा का लाभ प्रदान किया जाएगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार द्वारा सेवा सुरक्षा नियम लागू करने की घोषणा पहले ही की जा चुकी है, जिसके तहत कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र जारी करने की प्रक्रिया वर्तमान में जारी है। 15 जून तक इस प्रक्रिया को पूर्ण करते हुए सभी पात्र कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान कर दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा देश का पहला राज्य है, जिसने गत 8 अप्रैल को कोड ऑन वेजिज के प्रावधानों के तहत न्यूनतम बेसिक वेतन में 35 प्रतिशत की बढ़ोतरी लागू

की है। सीएम ने पूर्ववर्ती सरकार के 10 साल के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि साल 2005 में न्यूनतम वेतन 2903 रुपए था, जो 2014 तक बढ़कर 6289 रुपए हुआ। जब वर्तमान सरकार ने जनसेवा का दायित्व संभाला तो श्रमिकों के हितों को प्राथमिकता दी गई। आज न्यूनतम वेतन बढ़कर 19,425 रुपए हो चुका है। जहां कांग्रेस के 10 वर्षों में न्यूनतम वेतन लगभग दोगुना हुआ, वहीं वर्तमान सरकार के 11 वर्षों में यह 3 गुना से भी अधिक बढ़ा है, जो श्रमिक कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दिखाता है।

सीएम योगी का छात्रों को संदेश, असफलता से न हों निराश, चरैवेति-चरैवेति के मंत्र के साथ बढ़ते रहें आगे

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा के परिणामों के बाद छात्रों के नाम संदेश लिखा है। उन्होंने सफल छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि अनेक बच्चों ने लगन और कठिन परिश्रम से पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है। इस दौरान, सीएम योगी ने परीक्षाओं में असफल छात्रों का भी उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'योगी की पाती' में लिखा, 'यूपी बोर्ड की 10वीं और 12वीं कक्षाओं के परीक्षा परिणाम आ चुके हैं। इस वर्ष का परीक्षाफल अत्यंत उत्साहजनक है। अनेक बच्चों ने लगन और कठिन

परिश्रम से पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है। मेरी ओर से सभी बच्चों को उनके उज्ज्वल भविष्य की ढेरों बधाइयां और आशीर्वाद।' इस दौरान, सीएम योगी ने कहा, 'मेरी यह पाती, विशेषकर उन बच्चों के लिए है, जो किन्हीं कारणों से अपेक्षित परिणाम नहीं ला पाये। सफलता और असफलता जीवन के अंग हैं। सफलता हमें उत्साहित करती है, लेकिन असफलता से निराशा घर कर सकती है। बस, हमें इसी निराशा को हटाकर 'चरैवेति-चरैवेति' के मंत्र पर आगे बढ़ना है। 'चलते रहो-चलते रहो' का यह सूत्र वाक्य हमें निरंतर परिश्रम, प्रगति और जीवन में न रुकने का संदेश देता है।' उन्होंने छात्रों से कहा, 'याद रखिये, एक असफलता भविष्य की असीमित सफलताओं और संभावनाओं की जननी हो सकती है। कोई भी परिणाम जीवन का पहला और अंतिम नहीं होता, अपितु एक नए आरंभ का अवसर होता है। सोना तपकर ही कुंदन बनता है।' महान आविष्कारक थॉमस अल्वा एडिसन का उदाहरण देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'थॉमस अल्वा एडिसन ने बल्ब का आविष्कार करने के लिए हजारों प्रयोग किए। हर प्रयोग नाकाम रहा, लेकिन थॉमस एडिसन ने प्रयास जारी रखे। आखिरकार मेहनत रंग लाई और उन्होंने बल्ब का आविष्कार करके पूरी दुनिया को आलोकित किया। विश्व के सर्वश्रेष्ठ गणितज्ञों में एक श्रीनिवास रामानुजन से लेकर ऐसी कई अन्य महान विभूतियां हुई, जिन्होंने बाधाओं व असफलताओं से हार नहीं मानी, बल्कि अपने क्षेत्र में शिखर पर पहुंचे।' इसी बीच, मुख्यमंत्री योगी ने अभिभावकों के नाम भी संदेश दिया। उन्होंने लिखा, 'प्रिय अभिभावकों, कुछ बातें मैं आपसे भी कहना चाहता हूं। बच्चे देश का भविष्य हैं। यदि किसी कारणवश वे अपेक्षित परिणाम नहीं ला पाए, तो निराश होने के बजाय उनका हौसला बढ़ाएं।

वाइट हाउस में गोलीबारी को लेकर कांग्रेस विधायक बोले- जैसी करनी वैसी भरनी...

चेन्नई, एजेंसी। अमेरिका में वाइट हाउस संवाददाताओं के वार्षिक रात्रिभोज कार्यक्रम में गोलीबारी की चर्चाएं दुनियाभर में हैं। इधर, भारत में कांग्रेस विधायक विजय वडेट्टीवार ने विवादित बयान दे दिया है। उनका कहना है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर गोलियां चलनी ही थीं। साथ ही कहा है कि भारत में भी लोगों की यही भावना है। हमले में ट्रंप सुरक्षित हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वडेट्टीवार ने कहा, 'ट्रंप दुनिया में दबदबा बनाना चाहते थे और दूसरे देशों को अस्थिर करना चाहते थे। जैसी करनी वैसी भरनी...। चूंकि चीजें ऐसी नहीं हुईं, जैसी उन्होंने उम्मीद की थी तो ये होना ही था।' उन्होंने कहा कि भारत में भी जनता का मूड कुछ अलग नहीं है। हालांकि, उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया। उन्होंने कहा, 'चूंकि यहां लोग बाहर नहीं आ रहे हैं, तो भ्रम बना हुआ है कि सब ठीक है। लेकिन लोगों की भावना वैसी ही है कि भारत को तबाह किया जा रहा है।'

कांग्रेस विधायक ने घटना की निंदा की। उन्होंने कहा, 'इतने उच्च पद पर बैठे व्यक्ति के

साथ ऐसा नहीं होना चाहिए था, लेकिन जनता की प्रतिक्रिया आमतौर पर दिखाती है कि नेतृत्व कैसा है।' यह घटना शनिवार रात करीब 8:34 बजे की है, जब मेहमानों को रात्रिभोज परोसा जा रहा था। उस समय राष्ट्रपति ट्रंप, एसोसिएशन की अध्यक्ष वेइजिया जियांग और 'मेंटलिस्ट' ओज पर्लमैन के साथ बातचीत करते नजर आ रहे थे। पर्लमैन वॉशिंगटन हिल्टन में आयोजित इस मुख्य कार्यक्रम में अपना शो पेश करने वाले थे। खुफिया सेवा के अधिकारियों और अन्य सुरक्षाकर्मियों ने राष्ट्रपति, प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप, उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस और द्वितीय महिला उषा वेंस को सुरक्षा घेरा बना कक्ष से बाहर ले गए।

कुछ घंटों बाद, ट्रंप ने वाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया और घोषणा की कि सुरक्षाकर्मियों ने कैलिफोर्निया के एक व्यक्ति को पकड़ लिया है। ट्रंप ने रविवार को कहा कि रात्रिभोज में हथियारों के साथ घुसने की कोशिश करने वाला आरोपी प्रशासन के अधिकारियों को निशाना बनाना चाहता था और उसके परिवार ने पहले ही कानून प्रवर्तन एजेंसियों के समक्ष इसे लेकर चिंता जताई थी। अधिकारियों के अनुसार, संदिग्ध की पहचान कैलिफोर्निया निवासी 31 वर्षीय कोल टॉमस एलन के रूप में हुई है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। उसे सोमवार को अमेरिका के न्याय विभाग की ओर से आपराधिक आरोपों का सामना करना पड़ सकता है।

संस्कृत मंत्र से लेकर कलमा तक, चुनावी मंच से सायोनी घोष ने सब सुनाया

भवानीपुर , एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस की सांसद सायोनी घोष का भाषण सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह भाषण पश्चिम बंगाल के भवानीपुर में आयोजित चुनावी रैली के दौरान दिया गया था, जहां उन्होंने विभिन्न धर्मों की प्रार्थनाओं और मंत्रों का उल्लेख करते हुए एकता व भाईचारे का संदेश दिया। उन्होंने इस वीडियो को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया, जिसके बाद यह चर्चा में आ गया। राजनीतिक हलकों से लेकर आम जनता तक, हर जगह इस भाषण को लेकर प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं और इसे लेकर बहस तेज हो गई है। सायोनी घोष ने भवानीपुर को मिनी इंडिया करार देते हुए कहा कि यहां देश की विविधता साफ तौर पर दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में अलग-अलग धर्मों, भाषाओं और संस्कृतियों के लोग एक साथ मिलकर रहते हैं और यही भारत की असली ताकत है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत की पहचान उसकी विविधता में छिपी है और इसे बनाए रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। उनके इस बयान को समर्थकों ने सराहा और इसे सामाजिक सौहार्द का प्रतीक बताया। भाषण के दौरान सायोनी घोष ने कई धर्मों से जुड़े मंत्रों और प्रार्थनाओं का जिक्र किया। उन्होंने संस्कृत का प्रसिद्ध मंत्र 'या देवी सर्वभूतेषु' पढ़ा, इस्लाम का कलमा 'ला इलाहा इल्लल्लाह' दोहराया, सिख धर्म का 'इक ओंकार' गाया और हनुमान चालीसा की पंक्तियां भी सुनाईं। इस तरह उन्होंने विभिन्न धार्मिक परंपराओं को एक मंच पर जोड़ने की कोशिश की। रैली में मौजूद लोगों ने भी उनके इस प्रयास का समर्थन किया और जोरदार तालियों के साथ उनका उत्साह बढ़ाया। इस मौके पर सायोनी घोष ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह समाज को धर्म के आधार पर बांटने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि जहां लोग सदियों से मिल-जुलकर रहते आए हैं, वहां विभाजन की राजनीति करना देशहित में नहीं है।

अखिलेश पर हमला करते-करते अपनी सरकार के कांड गिनाने लगे ओपी राजभर, गाजीपुर पर दी यह नसीहत

गाजीपुर , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में किशोरी की मौत पर मचे सियासी घमासान के बीच कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने अपनी ही सरकार को घेर लिया। राजभर ने समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव को हमला करने के चक्कर में बातों-बातों में अपनी ही सरकार के कार्यकाल में प्रदेश में हो रही आपराधिक घटनाओं की फेहरिस्त गिना दी। उन्होंने अखिलेश यादव को सेलेक्टिव राजनीति छोड़ने की बात कहते हुए बेटी की मौत पर राजनीति न करने की नसीहत भी दी। अखिलेश यादव ने 29 अप्रैल को गाजीपुर जाने और लड़की के परिजनों से मिलने की बात कही है। सपा प्रतिनिधिमंडल के दौरे के यहां यहां बवाल हो गया था। इसे लेकर अखिलेश यादव आक्रोशित भी हैं।

पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा प्रमुख केवल गाजीपुर जैसे मामलों में ही सक्रिय होते हैं, जहां उन्हें राजनीतिक रोटियां सेंकने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अन्य जगहों पर भी गंभीर घटनाएं हो रही हैं, जहां अखिलेश नहीं जाते। इसी

दौरान राजभर ने अपनी ही सरकार के दौरान हुई घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा, 'बाराबंकी में एक राजभर की दिनदहाड़े हत्या कर दी जाती है, वहां अखिलेश नहीं जाते। देवरिया में राजकुमार चौहान को गोली मार दी जाती है, तब भी वे वहां नहीं जाते। कौशांबी में पाल समाज की बेटी के साथ दुष्कर्म और हत्या होती है, वहां भी वे चुप्पी साध लेते हैं।' राजनीतिक हलकों में राजभर के इस बयान को इस तरह देखा जा रहा है कि अखिलेश को आइना दिखाते-दिखाते वे यह भी स्वीकार कर गए कि वर्तमान भाजपा सरकार के राज में भी हत्या और दुष्कर्म जैसी गंभीर वारदातें प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में हो रही हैं। राजभर ने गाजीपुर के कटारिया गांव में पथराव और बवाल की घटना के लिए सीधे तौर पर सपा को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने सपा प्रतिनिधिमंडल को केवल 15 लोगों की अनुमति दी थी, लेकिन वहां 250 से ज्यादा लोग पहुंच गए और अराजकता फैलाने लगे। उन्होंने कहा कि एक बेटी की मौत पर राजनीति करना निंदनीय है। राजभर के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज और पोस्टमार्टम रिपोर्ट स्पष्ट कर रही है कि किशोरी ने गंगा में कूदकर अपनी जान दी है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अखिलेश यादव 'खाता न बही, जो वो कहें वही सही' वाली नीति पर चल रहे हैं। सपा के शासनकाल पर हमला बोलते हुए राजभर ने कहा कि अखिलेश यादव की सरकार में 1000 से ज्यादा दंगे हुए और मुजफ्फरनगर जल रहा था।

गुरुग्राम में सवारियों से भरी सिटी बस में अचानक आग लगने से मचा हड़कंप

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम में रविवार दोपहर एक बड़ा हादसा बच गया। रविवार दोपहर करीब दो

बजे मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन से मारुति कुंज की तरफ जा रही गुरुगमन सिटी बस में अचानक आग लग गई। ड्राइवर ने सूझबूझ से काम लेते हुए बस को रोका और फौरन सभी सवारियों को उतारा। हादसे में बस पूरी तरह जल गई, लेकिन सभी यात्री सुरक्षित बच गए। घटना सेक्टर 51 की है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बस मारुति कुंज की तरफ जा रही थी। इसी दौरान पिछले हिस्से में इंजन से धुआं उठा। इसे देखते ही बस ड्राइवर ने सेक्टर 51 महिला थाना के पास ही सड़क किनारे बस रोक दी। सभी सवारियों को तुरंत बाहर निकाला गया। देखते ही देखते बस आग का गोला बन गई। गनीमत रही कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ।

जनाक्रोश महिला सम्मेलन : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल आएंगे वाराणसी

वाराणसी , एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बुधवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी का 54वां दौरा होने जा रहा है। यह दौरा कई मायनों में खास बनने जा रहा है। दौरे के केंद्र बिंदु में नारी शक्ति वंदन अधिनियम है। बरेका इंटर कॉलेज में आयोजित जनाक्रोश महिला सम्मेलन में मंच से दर्शक दीर्घा तक में सिर्फ महिलाओं की भागीदारी होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ सीएम योगी आदित्यनाथ और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन के अलावा सभी महिलाएं मंच साझा करेंगी। अन्य पुरुष जनप्रतिनिधियों और नेताओं को वीआईपी गैलरी में बैठाया जाएगा।

भाजपा काशी क्षेत्र के अध्यक्ष दिलीप पटेल ने बताया कि प्रधानमंत्री का काशी दौरा मातृशक्ति को समर्पित होगा। सम्मेलन स्थल पर हर वर्ग की महिलाओं की मौजूदगी का प्रयास जारी है। व्यवस्था में जुटे कार्यकर्ताओं को छोड़ किसी पुरुष की कार्यक्रम एंट्री नहीं होगी। प्रधानमंत्री के साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और 25 महिला जनप्रतिनिधि मंच पर मौजूद रहेंगी। इनमें प्रधान, पार्षद,

सभासद, जिला पंचायत अध्यक्ष और सदस्य शामिल होंगी। कई पूर्व महिला जनप्रतिनिधियों को भी मौका मिल सकता है। क्षेत्रीय अध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री के साथ मंच साझा करने वाली महिलाओं का चयन शुरू दिया है। आयोजकों का दावा है कि प्रधानमंत्री का 54वां काशी दौरा सरकार के प्रति महिला समर्थन और विपक्ष के खिलाफ आक्रोश का व्यापक मंच बनेगा।

कार्यक्रम स्थल पर लाइजनिंग से मंच तक की कमान महिला कार्यकर्ताओं और समाजसेवियों के हाथों में होगी। कार्यक्रम स्थल की सुरक्षा व्यवस्था महिला पुलिस अधिकारियों को सौंपी गई है। वाराणसी के अलावा आसपास के जिलों की पुलिस फोर्स बुलाई गई है।

गुलाब बाग (सिगरा) स्थित कार्यालय में रविवार को महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि ने पार्षदों और पूर्व पार्षदों की बैठक की। कहा कि जनाक्रोश महिला सम्मेलन में हर पार्षद अपने वार्ड से सौ महिलाएं लेकर पहुंचे। महापौर अशोक तिवारी ने कहा कि हमारी पहचान संगठन से है। हमें उसकी अपेक्षा पर खरा उतरना होगा।

रोहनियां स्थित भाजपा के क्षेत्रीय कार्यालय में क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल ने रविवार को पदाधिकारियों की बैठक की। इसमें जनाक्रोश महिला सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन की तैयारी को अंतिम रूप दिया गया।

मैड्रिड ओपनः अस्वस्थ होने के बावजूद कोको गॉफ ने चौथे दौर में बनाई जगह

काजा मैजिका। मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अमेरिका की स्टार खिलाड़ी Coco Gauff ने शानदार जज्बा दिखाते हुए बीमारी के बावजूद चौथे दौर में जगह बना ली। मैच के दौरान असहज महसूस करने और कोर्ट पर उल्टी करने के बावजूद गॉफ ने हार नहीं मानी और मुकाबला जीत लिया। पिछले साल फाइनल तक पहुंचने वाली गॉफ ने के खिलाफ पहला सेट 4-6 से गंवा दिया था। लेकिन इसके बाद उन्होंने जोरदार वापसी करते हुए 7-5, 6-1 से मैच अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट के दौरान गॉफ को अचानक अस्वस्थता महसूस हुई और उन्होंने कोर्ट पर उल्टी कर दी, जिससे वह कुछ समय के लिए परेशान नजर आईं।मैच के बाद गॉफ ने कहा, 'जब मैने कोर्ट पर उल्टी की, तो मुझे बिल्कुल अच्छा नहीं लग रहा था। मुझे ऐसा लगा जैसे मेरी सारी ऊर्जा खत्म हो गई हो।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं मैच से हटना पसंद नहीं करती। जब तक मुझे लगता है कि मेरे पास खेलने का मौका है, मैं मैदान नहीं छोड़ती।' इससे पहले दुनिया की चौथे नंबर की खिलाड़ीSwiatek भी अज्ञात बीमारी के कारण अपना मैच बीच में छोड़ने पर मजबूर हो गई थीं।

पंत की रणनीति पर उठे सवाल, नरेन के सामने पूरन को भेजकर की भारी भूल

सुपरओवर में कोलकाता नाइट राइडर्स को तोहफे में दी जीत

लखनऊ, एजेंसी। आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपरजाएंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला गया मुकाबला क्रिकेट फैंस के लिए किसी थ्रिलर से कम नहीं था। मैच आखिरी गेंद तक गया, जहां मोहम्मद शमी के छक्के ने स्कोर बराबर कर दिया और मुकाबला सुपर ओवर में पहुंच गया। हालांकि, इसके बाद जो हुआ, उसने लखनऊ की रणनीति और कप्तानी दोनों पर सवाल खड़े कर दिए।

रिंकू सिंह और नरेन ने पलटा पूरा खेल

रिंकू सिंह ने नाबाद 83 रन की शानदार पारी खेलकर केकेआर को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। वहीं सुपर ओवर में सुनील नरेन ने घातक गेंदबाजी करते हुए सिर्फ एक रन देकर दो विकेट झटके। नतीज- एलएसजी सिर्फ एक रन बना सकी, जो आईपीएल इतिहास का सबसे कम सुपर ओवर स्कोर बन गया। इसके जवाब में केकेआर ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया।

बड़ा सवाल- पूरन को क्यों भेजा गया?

सुपर ओवर में लखनऊ ने निकोलस पूरन और एडेन मार्करम को बल्लेबाजी के लिए भेजा। यह फैसला चौंकाने वाला था क्योंकि टीम के पास ऋषभ पंत, मिचेल मार्श और मुकुल चौधरी जैसे विकल्प मौजूद थे। पूरन उस मैच में पहले ही नौ रन बनाकर आउट हो चुके थे और पूरे सीजन में उनका फॉर्म बेहद खराब रहा है। वह आईपीएल 2026 में अब तक आठ मैचों में सिर्फ 82 रन बना सके हैं।

कहानी बद से बदतर हो गई

जब 12 साल पहले सुपर ओवर में पूरन और नरेन आमने-सामने आए थे, तब भी नतीजा लगभग ऐसा ही रहा था। पूरन पहली चार गेंदों पर कोई शॉट ठीक से कनेक्ट नहीं कर पाए थे और पांचवीं गेंद पर लॉन्ग-ऑफ पर कैच आउट हो गए थे। इस बार भी कहानी नहीं बदली, बल्कि और खराब हो गई। सुपर ओवर की पहली ही गेंद पर नरेन ने पूरन को बोल्ड कर दिया, जिससे लखनऊ की उम्मीदें शुरुआत में ही खत्म हो गईं।

टी20 सुपर ओवर में पूरन VS नरेन

कैरिबियाई लीग 2014	0 रन (5 गेंद)
कैरिबियाई लीग 2021	1 रन (2 गेंद)
आईपीएल 2026	0 रन (1 गेंद)
कुल	1 रन, 2 बार आउट

आंकड़े क्या कहते हैं?

अगर आंकड़ों पर नजर डालें तो यह फैसला और भी हैरान करता है, क्योंकि सुपर ओवर में पूरन का रिकॉर्ड बेहद खराब रहा है। उन्होंने सुपरओवर में कुल 10 गेंदों में सिर्फ एक रन बनाए हैं। वह पांच बार आउट हो चुके हैं। इतना ही नहीं, सुनील नरेन के खिलाफ सुपर ओवर में आठ गेंदों पर वह सिर्फ एक रन ही बना सके हैं। यानी जिस बल्लेबाज को सबसे अहम मौके पर भेजा गया, उसके आंकड़े इस फैसले के बिल्कुल खिलाफ थे।

नंबर झूठ नहीं बोलते

कोच लैंगर ने भले ही पूरन पर भरोसा जताया हो, लेकिन आंकड़े इस फैसले के बिल्कुल उलट कहानी बताते हैं, खासतौर पर जब सामने गेंदबाज नरेन हों। ये आंकड़े साफ दिखाते हैं कि सुपर ओवर जैसे हाई-प्रेशर मोमेंट में पूरन का रिकॉर्ड नरेन के खिलाफ बेहद कमजोर रहा है। ऐसे में उन्हें सबसे पहले बल्लेबाजी के लिए भेजना एक बड़ा जोखिम था, जो आखिरकार लखनऊ टीम पर भारी पड़ गया।एलएसजी के कप्तान ऋषभ पंत इस फैसले के बाद सोशल मीडिया पर फैंस के निशाने पर आ गए। फैंस का कहना था कि पंत को पूरन और नरेन के पुराने रिकॉर्ड की जानकारी होनी चाहिए थी। कई यूजर्स ने सवाल उठाया कि इतने बड़े मैच में ऐसा जोखिम भरा फैसला क्यों लिया गया। कुछ फैंस का मानना था कि पंत खुद या मिचेल मार्श या फिर मुकुल चौधरी को पहले भेजना चाहिए था, जिससे टीम को बेहतर शुरुआत मिल सकती थी।

रघुवंशी आउट भी हुए और अब जुर्माना भी देना होगा!

लखनऊ। आईपीएल 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच खेले गए मुकाबले के बाद केकेआर के युवा बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। उन्हें मैच के दौरान गुस्से में किए गए व्यवहार के लिए उनकी मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

'ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड' पर आउट होने के बाद भड़के

यह घटना मैच के पांचवें ओवर में हुई, जब रघुवंशी को 'ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड' के तहत आउट दिया गया। इस फैसले के बाद वह अपना आपा खो बैठे और गुस्से में आकर उन्होंने बैट से बाउंड्री कुशन पर मारा। इतना ही नहीं, उन्होंने अपना हेलमेट भी डगआउट की ओर फेंक दिया, जो आईपीएल के आचार संहिता के खिलाफ है।

आईपीएल ने सुनाई सजा

आईपीएल की ओर से जारी बयान में कहा गया, 'अंगकृष रघुवंशी, कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज और विकेटकीपर, पर मैच नंबर 38 में आचार संहिता के लेवल-एक के उल्लंघन के लिए उनकी मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और एक डिमेरिट प्वाइंट भी दिया गया है।' आगे बताया गया कि उन्होंने आर्टिकल 2.2 का उल्लंघन किया, जो मैच के दौरान उपकरण या मैदान से जुड़े सामान के दुरुपयोग से संबंधित है। रघुवंशी ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है और मैच रेफरी के फैसले को मान लिया है। आईपीएल नियमों के अनुसार, लेवल-एक के उल्लंघन में मैच रेफरी का फैसला अंतिम होता है। लखनऊ के खिलाफ यह मैच केकेआर ने सुपर ओवर में जीता था, लेकिन इस जीत के बीच रघुवंशी का यह व्यवहार चर्चा का विषय बन गया।

शेवरोन चैंपियनशिप जीतकर नेली कोर्डा बनीं दुनिया की नंबर-1 महिला गोल्फर

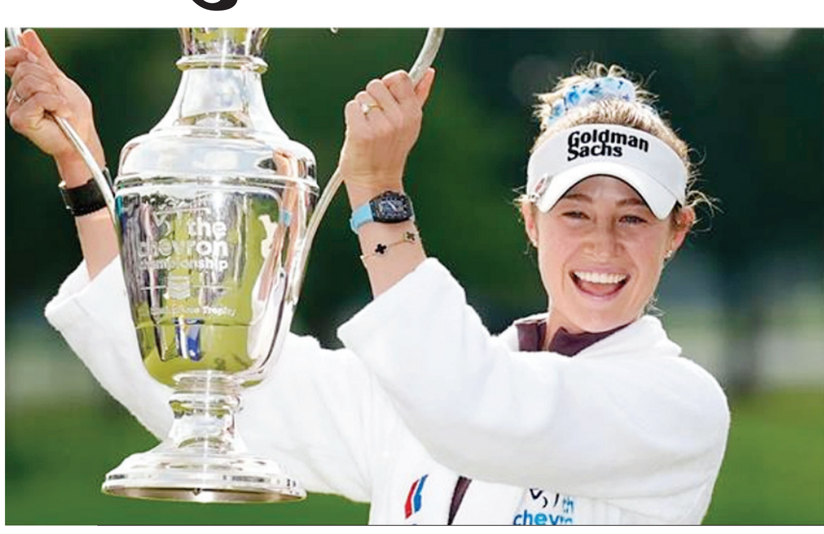

टेक्सास। अमेरिका की स्टार गोल्फर नेली कोर्डा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शेवरोन चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस जीत के साथ ही वह एक बार फिर महिला विश्व रैंकिंग में नंबर-1 स्थान पर पहुंच गई हैं।27 वर्षीय कोर्डा ने टूर्नामेंट के चौथे और अंतिम दौर में 2 अंडर 70 का स्कोर बनाया। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में लगातार शानदार खेल दिखाया और कुल 18 अंडर 270 के स्कोर के साथ पांच शॉट से जीत दर्ज की। इस जीत के दौरान कोर्डा ने शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी और किसी भी प्रतिद्वंद्वी को वापसी का मौका नहीं दिया।यह कोर्डा के करियर का तीसरा मेजर खिताब है। इसके अलावा यह उनकी एलपीजीए टूर पर 17वीं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 21वीं जीत रही। उनका यह प्रदर्शन उनकी निरंतरता और बड़े टूर्नामेंट में दबाव संभालने की क्षमता को दर्शाता है।इस जीत के साथ कोर्डा अगस्त के बाद पहली बार महिला गोल्फ की विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने में सफल रही हैं। उनकी यह उपलब्धि उन्हें मौजूदा समय की सबसे बेहतरीन महिला गोल्फरों में एक बार फिर स्थापित करती है।कोर्डा ने पूरे टूर्नामेंट में अपनी बढ़त को बरकरार रखा। खास बात यह रही कि कोई भी खिलाड़ी उनके स्कोर के करीब नहीं पहुंच सका, जिससे उनकी जीत एकतरफा नजर आई।

टॉप 4 कप्तानः सहवाग और जहीर की अलग-अगल पसंद

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने बेहतरीन नेतृत्व दिखाया है। टीम ने अपने पहले सात मैचों में छह जीत और एक 'नो रिजल्ट' के साथ शानदार शुरुआत की है। अय्यर आईपीएल इतिहास के पहले कप्तान बन गए हैं, जिन्होंने सीजन के शुरुआती सात मैचों में हार का सामना नहीं किया।

सहवाग ने दी परफेक्ट रेटिंग – पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग अय्यर की कप्तानी से काफी प्रभावित नजर आए। उन्होंने अय्यर को पूरे 10 में 10 अंक दिए। वहीं, पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने थोड़ा अलग नजरिया पेश किया। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, 'सख्त टीचर ने तो पूरे नंबर दे दिए, लेकिन उदार टीचर ने नहीं।' इस पर सहवाग ने भी चुटकी लेते हुए कहा कि शायद जहीर ने पिछले सीजन के फाइनल में मिली हार (पंजाब की बेंगलुरु से हार) के कारण अंक काटे होंगे। जहीर खान ने अय्यर की कप्तानी को सराहा जरूर, लेकिन उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार की लीडरशिप को उनसे आगे बताया। उन्होंने कहा कि भले ही पंजाब किंग्स अंक तालिका में शीर्ष पर है, लेकिन सुधार की हमेशा गुंजाइश रहती है।

ईशान की कप्तानी की भी तारीफ – जहीर खान ने सनराइजर्स हैदराबाद के स्टैंड-इन कप्तान ईशान किशन की भी सराहना की। उन्होंने कहा, 'शुरुआत में उन्होंने पैट कमिंस के लीडरशिप स्टाइल को फॉलो किया, लेकिन कुछ मैचों के बाद उन्होंने अपना खुद का तरीका अपनाया और टीम मैनेजमेंट को बदलाव के लिए राजी किया।'

पॉइंट्स टेबल में पंजाब टॉप पर – फिलहाल पंजाब किंग्स 14 में से 13 अंकों के साथ पॉइंट्स टेबल में शीर्ष पर है। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स 10-10 अंकों के साथ क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। आईपीएल में अब प्लेऑफ की जंग रोमांचक हो चली है।

24 मई को लीग स्टेज के आखिरी मुकाबले खेले जाएंगे। हालांकि, बीसीसीआई ने अब तक नॉकआउट चरण का शेड्यूल नहीं जारी किया है।

स्पैनिश फुटबॉलः गोलकीपर ने विरोधी खिलाड़ी को मुक्का मारा, जमकर मारपीट

नई दिल्ली, एजेंसी। स्पेन की सेगुंडा डिविजन में रियल जारगोजा और एसडी ह्यूएस्का के बीच खेले गए मुकाबले में उस समय बड़ा बवाल मच गया जब गोलकीपर एस्तेबान आंद्रादा ने विरोधी खिलाड़ी को मुक्का मार दिया। यह मैच पहले से ही रेलेगेशन की लड़ाई के कारण तनावपूर्ण था।

मैच के इंजरी टाइम में आंद्रादा को दूसरे पीले कार्ड के कारण रेड कार्ड दिखाया गया। उन्होंने ह्यूएस्का के एक खिलाड़ी को धक्का दिया था, जिसके बाद रेफरी ने उन्हें मैदान से बाहर भेज दिया। लेकिन इसके बाद मामला और बिगड़ गया। रेड कार्ड मिलने के कुछ ही पलों बाद आंद्रादा ने दौड़कर जॉर्जे पुलिदो के चेहरे पर मुक्का जड़ दिया।

इस घटना के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच हाथापाई शुरू हो गई और मैदान पूरी तरह से जंग का मैदान बन गया। इस दौरान दानी जिमिनेज और दानी तासेंदे को भी रेड कार्ड दिखाया गया। अरागोनीज डर्बी के नाम से मशहूर इस मुकाबले में खिलाड़ियों का गुस्सा साफ दिखाई दिया।

इस पूरे विवाद के बीच मैच का नतीजा कहीं पीछे छूट गया। ऑस्कर सिएल्वा के पेनल्टी गोल की बदौलत ह्यूएस्का ने 1-0 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ उन्होंने पॉइंट्स टेबल में जरागोजा को पीछे छोड़ दिया, हालांकि दोनों टीमें अभी भी रेलेगेशन जोन में हैं।

मैच के बाद आंद्रादा ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए कहा, 'मैं अपना ध्यान खो बैठा था और जो हुआ वह नहीं होना चाहिए था। मैं इसके लिए माफी मांगता हूं और जो भी सजा मिलेगी, उसे स्वीकार करूंगा।'

रियल जरागोजा क्लब ने भी इस घटना की कड़ी निंदा की। क्लब ने अपने बयान में कहा, 'हमने ऐसे दृश्य देखे जो इस खेल के अनुरूप नहीं हैं और कभी नहीं होने चाहिए थे। ये घटनाएं हमारे क्लब और हमारे फैंस के मूल्यों को नहीं दर्शातीं। हम कई लोगों, खासकर बच्चों के लिए आदर्श हैं, इसलिए ऐसी तस्वीरें कभी सामने नहीं आनी चाहिए थीं।

पीएसएल के प्लेऑफ में दो विदेशी और दो पाक कप्तान ! फाइनल में पहुंचने की जंग

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान सुपर लीग 2026 धीरे-धीरे अपने अंजाम तक पहुंच रहा है। लीग की चार प्लेऑफ की टीमें तय हो चुकी हैं। इस बार पीएसएल के प्लेऑफ में पहुंचने वाली चार टीमों में से दो के कप्तान विदेशी हैं, जबकि दो के कप्तान पाकिस्तानी हैं। हालांकि, इसमें सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि मार्नस लाबुशेन की कप्तानी वाली टीम भी प्लेऑफ में पहुंच गई है। लाबुशेन टेस्ट और वनडे के खिलाड़ी माने जाते हैं। इसके अलावा तीन अन्य कप्तान हैं- बाबर आजम, शादाब खान और एश्टन टर्नर। टर्नर और लाबुशेन ऑस्ट्रेलियाई हैं।

बाबर आजम की कप्तानी वाली पेशावर जाल्मी टीम 10 मैचों में आठ जीत और एक हार के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर रही। एक मैच बेनतीजा रहा और अंक 17 रहे।. दूसरे स्थान पर शादाब खान की अगुआई वाली इस्लाम बाद यूनाइटेड की टीम रही। उसने 10 मैचों में से छह मैच जीते और तीन में हार का सामना करना पड़ा। एक मैच बेनतीजा रहा। टीम के पास 13 अंक हैं। तीसरे स्थान पर एश्टन टर्नर की अगुआई वाली मुल्तान सुल्तांस की टीम रही। उसने 10 मैचों में से छह मैच जीते और चार गंवाए। टीम के अंक 12 रहे। चौथे स्थान पर मार्नस लाबुशेन की अगुआई वाली हैदराबाद किंग्स की टीम रही। उसने 10 में से पांच मैच जीते और पांच में उन्हें हार मिली। 10 अंक के साथ टीम ने प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया। शाहीन अफरीदी की अगुआई वाली लाहौर कलंदर्स पांचवें, डेविड वॉर्नर की अगुआई वाली कराची किंग्स छठे, सऊद शकील की अगुआई वाली क्वेटा ग्लैडिएटर्स सातवें और मोहम्मद रिजवान की अगुआई वाली रावलपिंडीज टीम आठवें स्थान पर रही। सलमान आगा को कप्तानी नहीं दी गई थी। वह वॉर्नर की अगुआई वाली कराची किंग्स टीम में शामिल थे। हालांकि, प्लेऑफ में अपनी टीम को नहीं पहुंचा सके। पाकिस्तान के बड़े-बड़े तोप प्लेऑफ की रेस में ढेर हो गए और लाबुशेन अपनी टीम को आगे ले जाने में कामयाब रहे। पाकिस्तान के बड़े खिलाड़ियों में, जिन्हें प्लेऑफ में खेलते नहीं देख सकेंगे, उनमें अबरार अहमद, उस्मान तारिक (दोनों क्वेटा ग्लैडिएटर्स), मोहम्मद आमिर, नसीम शाह (दोनों रावलपिंडीज), फखर जमां, अब्दुल्लाह शफीद, आसिफ अली, हारिस रऊफ (चारों लाहौर कलंदर्स), खुशदिल शाह, हसन अली, आजम खान और अब्बास अफरीदी (चारों कराची किंग्स) शामिल हैं।

प्लेऑफ में किसका किससे मुकाबला?

पाकिस्तान सुपर लीग में प्लेऑफ स्टेज की शुरुआत 28 अप्रैल से होगी। 28 अप्रैल को क्वालिफायर-1 खेला जाएगा। वहीं, 29 अप्रैल को मुल्तान सुल्तांस और हैदराबाद किंग्समेन के बीच एलिमिनेटर-1 खेला जाएगा। क्वालिफायर-1 में बाबर की पेशावर जाल्मी का सामना शादाब की इस्लामाबाद यूनाइटेड से होगा। इसमें जीतने वाली टीम सीधे फाइनल में जाएगी, जबकि हारने वाली टीम एलिमिनेटर-2 खेलेगी। एलिमिनेटर-1 में तीसरे स्थान पर रहने वाली मुल्तान और चौथे स्थान पर रहने वाली हैदराबाद खेलेगी। इसमें जीतने वाली टीम क्वालिफायर-1 हारने वाली टीम के साथ एलिमिनेटर-2 खेलेगी। वहीं, हारने वाली टीम बाहर हो जाएगी। एलिमिनेटर-2 एक मई को खेला जाएगा। फाइनल मुकाबला तीन मई को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में होगा। सिर्फ क्वालिफायर-1 कराची में होगा, वरना प्लेऑफ के बाकी सारे मुकाबले लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में होंगे।

पाकिस्तान सुपर लीग का यह 11वां संस्करण है। अब तक छह अलग-अलग टीमों ने खिताब जीते हैं। इस्लामाबाद यूनाइटेड ने 2016, 2018 और 2024 में कुल मिलाकर तीन बार खिताब जीता है। वहीं, लाहौर कलंदर्स ने भी 2022, 2023 और 2025 में कुल मिलाकर तीन बार खिताब पर कब्जा जमाया। मुल्तान सुल्तांस (2021), पेशावर जाल्मी (2017), क्वेटा ग्लैडिएटर्स (2019) और कराची किंग्स (2020) ने एक-एक बार खिताब जीता है।

संक्षिप्त समाचार

छेचानी पुल निर्माण में बालू का भारी भंडारण, राजस्व को नुकसान की आशंका, करोड़ों की योजना पर उठने लगे सवाल

बरवाडीहः बरवाडीह प्रखंड की बेतला पंचायत अंतर्गत छेचानी क्षेत्र में निर्माणाधीन पुल कार्य को लेकर चर्चा तेज हो गई है। यहां पुल निर्माण कार्य के लिए बड़ी मात्रा में बालू का भंडारण किए जाने से स्थानीय लोगों के बीच कई तरह के सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि खुले तौर पर भारी मात्रा में बालू जमा रहने से इसकी वैधता और उपयोग को लेकर संदेह की स्थिति बन रही है।बताया जाता है कि यह पुल सतबरवा प्रखंड को जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण योजना है, जिस पर करोड़ों रुपये की लागत से निर्माण कार्य कराया जा रहा है। यह पुल पोखरी खुर्द के छेचानी स्थित औरंगा नदी पर बनाया जा रहा है, जिससे दोनों प्रखंडों के बीच आवागमन सुगम होने की उम्मीद है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यह पुल इलाके के विकास के लिए काफी अहम है, इसलिए निर्माण कार्य में गुणवत्ता और पारदर्शिता बेहद जरूरी है।स्थानीय लोगों की मानें तो निर्माण कार्य में उपयोग के लिए आसपास की नदी से ही बालू उठाकर भंडारण किया जा रहा है। यदि यह बात सही पाई जाती है, तो इससे सरकार को राजस्व नुकसान होने की भी आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि बिना वैध प्रक्रिया के बालू का उपयोग किया जाना नियमों का उल्लंघन हो सकता है, जिसकी निष्पक्ष जांच जरूरी है।ग्रामीणों ने यह भी मांग की है कि निर्माण कार्य में उपयोग की जा रही सामग्री की नियमित जांच की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि बालू का भंडारण सभी नियमों के अनुरूप हो। करोड़ों रुपये की इस महत्वपूर्ण योजना में किसी भी प्रकार की लापरवाही भविष्य में बड़ी समस्या खड़ी कर सकती है।मामले को लेकर खनन विभाग भी हरकत में आता दिख रहा है। डीएमओ नदीम सफी ने बताया कि बालू भंडारण का मामला उनके संज्ञान में आया है और जल्द ही स्थल की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, ताकि राजस्व को संभावित नुकसान से बचाया जा सके और करोड़ों रुपये की इस योजना को तय मानकों के अनुसार पूरा कराया जा सके।

हरिहरगंज में जनगणना 2027 को लेकर कर्मियों का प्रशिक्षण शुरू

हरिहरगंजः प्रखंड सभागार में सोमवार को भारत की जनगणना

2027 के सफल संचालन को लेकर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रखंड विकास पदाधिकारी पारितोष प्रियदर्शी ने दीप प्रज्वलित कर की। बीडीओ ने कहा कि जनगणना कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसमें लगे पर्यवेक्षक एवं प्रगणक प्रखंड क्षेत्र के प्रत्येक घर तक पहुंचकर निर्धारित 34 बिंदुओं पर जानकारी एकत्र करेंगे। उन्होंने सभी कर्मियों को जिम्मेदारी एवं सतर्कता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रखंड कल्याण पदाधिकारी सह सहायक चार्ज पदाधिकारी अजीत कुमार की देखरेख में संचालित हो रहा है। प्रशिक्षक विवेक कुमार एवं मो. शारिब ने बताया कि पहले पाली में 40 पर्यवेक्षक एवं प्रगणकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि जनगणनाकर्मी घर-घर जाकर निर्धारित प्रपत्र के सभी 34 कॉलम भरते हुए विस्तृत आंकड़े संकलित करेंगे। बताया गया कि जनगणना के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान कर्मियों को फॉर्म भरने की प्रक्रिया, आंकड़ों के सत्यापन एवं अन्य आवश्यक पहलुओं की जानकारी दी जा रही है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिक्षक आनंद मोहन, अद्रेश कुमार, सुशील कुमार, नरेंद्र पांडेय, रामानुज सिंह, मुबारक हुसैन, युवराज सिंह, नीरज पाठक, संजय कुमार, कृष्णकांत सहित कई शिक्षक एवं प्रखंड कर्मी उपस्थित थे।

चेचन्हा, राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय में,जल पखवाड़ा का आयोजन,छात्र-छात्राओं के द्वारा, रैली निकालकर किया गया जागरूक

नावा बाजार - चल रहे, जल पखवाड़ा 2026 के तहत, चेचन्हा राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय में, छात्र-छात्राओं के द्वारा रैली निकालकर, लोगों को जल संरक्षण पर जागरूक किया गया, साथ ही विभिन्न प्रकार के गतिविधियां जैसे, जल शपथ,जल संरक्षण के अलावा वाद- विवाद प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, चित्रकला आदि का भी आयोजन किया गया, विद्यालय के प्रधानाध्यापक सतीश कुमार ने बताया की, इस सप्ताह जल संरक्षण के लिए, जल संसाधनों के महत्व को रेखांकित करने और उनके स्थायी प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए, आयोजित एक जागरूकता अभियान है,यह आमतौर पर विश्व जल दिवस (22 मार्च) के आसपास आयोजित किया जाता है, जिसके तहत वर्षा जल संचयन, जल संरक्षण और कैच द रेन जैसे अभियानों को बढ़ावा दिया जाता है, इसका मुख्य उद्देश्य नागरिकों को जल के बुद्धिमत्तापूर्ण उपयोग के लिए प्रेरित करना है, वही जल संरक्षण सप्ताह के मुख्य पहलू जल संकट को रोकना, पानी की हर बूंद का संचयन करना और लोगों को जल के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए प्रेरित करना है, उन्होंने ने बताया कि कैच द रेन अभियान के तहत, वर्षा जल को बचाने के लिए लोगों को जागरूक किया जाता है,जल शक्ति मंत्रालय द्वारा 'भारत जल सप्ताह' का आयोजन भी किया जाता है, जो जल संसाधन प्रबंधन पर केंद्रित एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय मंच है, जन आंदोलन का लक्ष्य -जल आंदोलन - जन आंदोलन के रूप में जल को एक बहुमूल्य संपदा मानना है, मौके पर कार्यक्रम को सफल बनाने में सहायक आचार्य निशांत भास्कर राजेश कुमार गुप्ता एसएमजी के अध्यक्ष उपेंद्र कुमार महतो माता समिति संजीव का शारदा देवी रामपति देवी सरिता देवी के अलावा कई अभिभावक एवं ग्रामीण शामिल थे।

आशी केयर हॉस्पिटल ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पलामू हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रक्तदान शिविर आशी केयर हॉस्पिटल में आयोजित किया गया। शिविर की शुरुआत मुख्य अतिथि सिविल सर्जन पलामू श्री अनिल श्रीवास्तव के द्वारा द्विप प्रज्वलित कर की गई तथा अस्पताल के निदेशक मनीष तिवारी ने पुष्पगुच्छ देकर मुख्य अतिथि का स्वागत किया | रक्तदान शिविर की शुरुवात डॉ अमित, डॉ पंकज ने रक्तदान कर की इस अवसर सिविल सर्जन पलामू ने कहा कि रक्तदान महादान है और सभी स्वस्थ व्यक्ति को हर तीन महीने के बाद रक्तदान जरूर करना चाहिए | उन्होंने कहा कि गर्भवती महिला को रक्त देने से जच्चा ओर बच्चा दोनों की जिंदगी को बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस शिविर को देखकर बहुत ही सुखद अनुभूति होती है कि हम इस भाग दौड़ की ज़िंदगी मे हम कुछ समय निकाल के रक्तदान करके जीवन को बचाया जा सकता है उन्होंने अस्पताल निदेशक श्री मनीष तिवारी की भूरी भूरी प्रसंशा करते हुवे कहा कि ये बहुत ही नेक कार्य किया जा रहा है स्वास्थ्य विभाग हमेशा जनता और अस्पताल प्रबंधन के साथ कंधे से कंधा मिला के खड़ा है। उन्होंने ने पूरे अस्पताल प्रबंधन को दिल से धन्यवाद दिया तथा रक्तदान शिविर समय समय पे लगाने का आग्रह किया। इस अवसर पे अस्पताल के निदेशक मनीष तिवारी ने कहा कि रक्तदान महादान तो है ही साथ ही जीवन दान भी है क्योंकि समय पर रक्त न मिलने से पूरे परिवार पे इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ जाता है जब रक्त के बिना कोई मरीज अपना जीवन खो देता है उन्होंने इस बात पे बल देते हुवे कहा कि साल में कम से कम दो से तीन बार रक्तदान अवश्य करे और दूसरों को भी ऐसा करने को प्रेरित करें तथा उन्होंने प्रतिबद्धता दोहराई की आगे भी आशी अस्पताल ऐसे शिविर लगाता रहेगा। अस्पताल के प्रबंधक रविकांत ने कहा हमलोग हमेशा जनता की सेवा के लिए तैयार है। पलामू के जनता के साथ हमेशा कंधे से कंधा मिला कर काम किया जा रहा है। सिविल सर्जन पलामू ने पूरे अस्पताल प्रबंधन को धन्यवाद दिया, तथा अस्पताल के मेडिकल अफसर डॉ रविश ने कहा कि इस पुनीत कार्य में सहयोग के लिए हमेसा तत्पर है, और आगे भी भी ज़रूरत मंद लोगो की मदद के लिए हरसंभव सहायता करेगी । इस शिविर में कुल 16 यूनिट रक्तदान हुवा जिसमे आशी केयर हॉस्पीटल के डॉ अमित, डॉ पंकज, का भी रक्तदान में योगदान रहा । इस अवसर पर डॉ राज़ी, डॉ वीरेंद्र एवं आशी केयर अस्पताल ओर कर्मचारी उपस्थित थे

सीरम में भव्य प्राण प्रतिष्ठा को लेकर अंतिम तैयारियाँ पूरी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पांकी पलामू पिपराटांड थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सीरम में नव निर्मित शिव शक्ति मंदिर एवं संकट मोचन हनुमान मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर तैयारियाँ अंतिम चरण में पहुँच गई हैं। तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान को लेकर पूरे क्षेत्र में भक्ति का माहौल बना हुआ है और दूर-दराज से श्रद्धालुओं के जुटने की संभावना है। समाजसेवी कमलेश सिंह ने बताया कि 29 अप्रैल को सुबह 6 बजे भव्य कलश यात्रा के साथ कार्यक्रम की शुरुआत होगी। इसके बाद वेदी निर्माण, झंडा स्थापना एवं जलाधिवास जैसे महत्वपूर्ण अनुष्ठान संपन्न किए जाएंगे। 30 अप्रैल को वेदी पूजन, अन्नाधिवास, फलाधिवास एवं घृताधिवास का आयोजन किया जाएगा। वहीं शाम 5 बजे से नगर भ्रमण एवं साज्जा अधिवास का कार्यक्रम होगा। रात्रि 8 बजे से भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाएगा, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठेगा। 1 मई को मुख्य कार्यक्रम के तहत प्राण प्रतिष्ठा, सुंदरकांड पाठ, हवन, प्रसाद वितरण एवं विशाल भंडारा के साथ अनुष्ठान का समापन होगा। इस पूरे आयोजन का संचालन आचार्य केदार पाण्डेय एवं बनारस से आए विद्वान पंडितों के सान्निध्य में किया जाएगा। इस मंदिर निर्माण की विशेषता यह है कि इसे समाजसेवी कमलेश सिंह ने अपने निजी खर्च से बनवाया है। उन्होंने कहा कि धर्म केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को जोड़ने और संस्कार देने का सशक्त माध्यम है। गाँव में मंदिर के अभाव को देखते हुए उन्होंने यह संकल्प लिया कि एक ऐसा स्थान बने, जहाँ हर ग्रामीण सहज रूप से पूजा-अर्चना कर सके। ग्रामीणों ने भी कमलेश सिंह के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे गाँव की आस्था, एकता और संस्कृति का केंद्र बताया। बुजुर्गों से लेकर युवाओं तक में इस आयोजन को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। कमलेश सिंह ने कहा कि इस तीन दिवसीय आयोजन के माध्यम से पूरा क्षेत्र भक्ति में डूब जाएगा। आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर पुण्य लाभ लेने की अपील की है।

पेयजल योजनाओं में तेजी लाने के निर्देश, लंबित कार्यों पर होगी कार्रवाई

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पलामूःउपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने सोमवार को अपने कार्यालय कक्ष में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए लंबित योजनाओं को समय सीमा के भीतर पूर्ण करने का सख्त निर्देश दिया। समीक्षा बैठक में फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन (FHTC), मल्टी विलेज स्कीम (MVS), सिंगल विलेज स्कीम (SVS), जल मीनार सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली गई। बताया गया कि जिले में कुल 3,65,812 FHTC का लक्ष्य निर्धारित है, जिसमें से अब तक 1,93,575 कनेक्शन उपलब्ध कराए जा चुके हैं, जो 52.91 प्रतिशत उपलब्धि है। उपायुक्त ने शेष 1,72,237 कनेक्शन को शीघ्र पूरा करने पर जोर देते हुए बाधाओं की जानकारी ली और समाधान के निर्देश दिए। उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि जिन योजनाओं की प्रगति धीमी है, संबंधित एजेंसियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने निर्माणाधीन योजनाओं को तय समय सीमा के भीतर पूर्ण करने का निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान यह भी सामने आया कि जिले में कुल 27,037 चापाकलों में से 3,387 खराब हैं। अधिकारियों ने बताया कि मरम्मत कार्य जारी है तथा प्रखंडवार गैंगमैन की नियुक्ति की गई है। उपायुक्त ने इस व्यवस्था का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने तथा खराब चापाकलों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र चालू कराने के निर्देश दिए। SVS योजनाओं की समीक्षा में अधिकांश योजनाओं में 100 प्रतिशत भौतिक प्रगति पाई गई, जबकि कुछ योजनाओं में आंशिक कार्य शेष है। उपायुक्त ने शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने पर जोर दिया। वहीं, मल्टी विलेज स्कीम (MVS) की समीक्षा के दौरान कुछ योजनाओं में भूमि अधिग्रहण, NHAI से एनओसी तथा तकनीकी कारणों से विलंब पाया गया। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण के कारण कुछ योजनाएं क्षतिग्रस्त हुई हैं, जिससे पेयजल आपूर्ति प्रभावित हुई है। इस पर उपायुक्त ने सभी प्रभावित योजनाओं की सूची तैयार कर संबंधित परियोजना निदेशक से समन्वय स्थापित कर उन्हें शीघ्र दुरुस्त करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि पेयजल जैसी बुनियादी सुविधा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी अभियंताओं को नियमित मॉनिटरिंग, फील्ड विजिट बढ़ाने तथा योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट समय-समय पर अपडेट करने के निर्देश दिए। साथ ही कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष बल दिया, ताकि आम जनता को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो सके। बैठक में सहायक अभियंता एवं कनीय अभियंता उपस्थित थे।

अपने कार्य प्रणाली में सुधार लाएं पदाधिकारीगण। जनहित के कार्यों में लुट कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी चन्दन प्रकाश

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

मेदिनीनगरः अपने कार्य प्रणाली में सुधार लाएं पदाधिकारीगण। जनहित के कार्यों में लुट कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। योजनाओं के क्रियान्वयन में जनहित को प्राथमिकता देनी होगी नहीं तो कार्रवाई के लिए तैयार रहें। उनके इस कृत्य से झारखंड की सरकार एवं वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर दोनों की बदनामी हो रही है।जो किसी भी हालत में स्वीकार नहीं होगा।उक्त बातें झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय समिति सदस्य सह पलामू जिला प्रवक्ता चन्दन प्रकाश सिन्हा ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान कहा। अपने क्षेत्र भ्रमण के दौरान सरकार द्वारा संचालित विभिन्न विकास योजनाओं के जांच के क्रम में भारी अनियमित पाया। चन्दन प्रकाश सिन्हा ने कहा कि सरईडिह डगरा सड़क की स्थिति बहुत ही खराब थी और यह आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है। गाड़ी की बात अलग है पैदल चलना दुर्लभ था। जिसे ध्यान में रखते हुए झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने अविलंब अपने कोटे से लगभग 15 लाख रुपए मरम्मती के लिए जारी किए। लेकिन संबंधित पदाधिकारी ने बीना काम किए सारे पैसे निकाल लिए और सड़क के दुर्दशा ज्यों की त्यों बनी रह गईं। गढों की भरा भी नहीं गया और सारे पैसे की निकासी कर ली गई।दुर्भाग्य की बात है कि सड़क निर्माण में कहीं भी शिलापट्ट तक नहीं लगाया गया। किसी भी योजना को पारदर्शी बनाने के लिए शिलापट्ट आवश्यक रहता है।सरकार का सख्त निर्देश भी है कि छोटे से छोटे कार्यों में भी शिलापट्ट का प्रयोग किया जाए।यह विभाग के इंजीनियर एवं पदाधिकारियों का सरकार को बदनाम करने की साजिश है। जिससे संबंधित शिकायत सरकार को की जाएगी। जांच के क्रम में जिला परिषद द्वारा सरईडिह के रघुनीडिह में निर्मित आंगनबाड़ी भवन की भी जांच की गई और उसमें भारी अनियमितता पाई गई। सबसे बड़ी गलती आंगनवाड़ी भवन को आहार में बनाया गया है जिसमें बरसात का पानी भर जाता है।विभाग द्वारा स्थल चयन को लेकर भारी गलती की गई है। आंगनवाड़ी भवन की गुणवत्ता भी बेहद ही खराब है।गेट ग्रिल खराब होना शुरू हो गया है।साथ ही शिलापट्ट का भी प्रयोग नहीं किया गया है जो सरकारी आदेश के खिलाफ है।आखिर किस परिस्थिति में शिलापट्ट नहीं लगाया गया पदाधिकारी आम जनों से क्या छुपाना चाहते थे यह भी जांच का विषय है। लोगों के द्वारा इस आंगनवाड़ी केन्द्र का निर्माण रैयती जमीन में भी करने की बात कही गई।जमीन मालिक के बार बार कहने पर भी जबरदस्ती आंगनबाड़ी भवन के निर्माण की बात कही गई। क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों में किसी भी तरह की अनियमितता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।यदि पदाधिकारी अपने कार्य प्रणाली में सुधार नहीं लाते हैं तो सरकार को उच्च स्तरीय जांच के साथ कार्रवाई के लिए लिखा जाएगा। साथ में नौडीहा बाजार प्रखंड अध्यक्ष उदय पासवान एवं राजेश्वर उरांव मौजूद थे

3 किमी सफर पर टोल वसूली के खिलाफ बरवाडीह में रोष, छूट नहीं मिली तो आंदोलन की चेतावनी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बरवाडीह (पलामू): दुबियाखाड़ टोल प्लाजा पर टोल वसूली शुरू होते ही बरवाडीह प्रखंड के लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बरवाडीह से डालटनगंज आने-जाने के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग पर उन्हें महज करीब तीन किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है, इसके बावजूद उनसे पूरा टोल टैक्स लिया जा रहा है, जो पूरी तरह अनुचित है। बरवाडीह व्यवसायिक संघ के अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि दीपक राज ने इस मुद्दे पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि प्रखंड के लोग रोजमर्रा की जरूरतों—इलाज, शिक्षा, बाजार और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए डालटनगंज का रुख करते हैं। ऐसे में इतनी कम दूरी के लिए पूर्ण टोल वसूली करना आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने जैसा है। उन्होंने यह भी कहा कि संबंधित सड़क निर्माण कार्य अभी कई हिस्सों में अधूरा है, बावजूद इसके टोल वसूली शुरू कर दी गई है, जिससे स्थानीय लोगों में असंतोष व्याप्त है। दीपक राज ने मांग की है कि टोल प्लाजा से 20 किलोमीटर के दायरे में आने वाले बरवाडीह प्रखंड सहित आसपास के स्थानीय निवासियों को टोल टैक्स से छूट दी जाए। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे को सांसद कालीचरण सिंह के समक्ष प्रमुखता से उठाया जाएगा, ताकि क्षेत्र की जनता को राहत मिल सके। साथ ही चेतावनी दी कि यदि समय रहते समाधान नहीं किया गया, तो बरवाडीहवासी शांतिपूर्ण आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

ए टू जेड क्लासेस के छात्रों ने लहराया परचम, अभिलाषा बनीं प्रखंड टॉपर

- 94.8% के साथ अभिलाषा प्रखंड टॉपर, ए टू जेड क्लासेस के बच्चों का शानदार रिजल्ट

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

हरिहरगंज हरिहरगंज नगर पंचायत क्षेत्र के मेन रोड़ पोस्ट ऑफिस के समीप स्थित ए टू जेड क्लासेस के विद्यार्थियों ने मैट्रिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रखंड का नाम रोशन किया है. संस्थान की छात्रा अभिलाषा कुमारी ने 474 अंक (94.8%) प्राप्त कर पूरे प्रखंड में टॉप किया. वहीं अंचल कुमारी ने 93 प्रतिशत अंक हासिल किए. पुटूस कुमारी व लक्की कुमारी ने 92.8 प्रतिशत, शोभा कुमारी ने 91.6 प्रतिशत, साहिबा खातून ने 89.2 प्रतिशत, प्रीति कुमारी ने 89 प्रतिशत, शंकित कुमार ने 88.8 प्रतिशत, ममता कुमारी ने 87.8 प्रतिशत, चांदनी कुमारी ने 87 प्रतिशत, अंजली कुमारी ने 86.2 प्रतिशत, वसुधा कुमारी ने 83.6 प्रतिशत, शोभा कुमारी ने 81 प्रतिशत तथा अनु कुमारी व नेहा कुमारी ने 80 प्रतिशत अंक प्राप्त किए. इसके अलावा जागृति, मानसी, खुशबू, सिमरन, प्रीति व अमृत सहित संस्थान के सभी विद्यार्थी ए प्लस ग्रेड से उत्तीर्ण हुए हैं. इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रदीप कुमार ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले चार छात्रों को दो-दो हजार रुपये का चेक, ट्रॉफी व मेडल देकर सम्मानित किया. साथ ही सभी सफल विद्यार्थियों को भी ट्रॉफी व मेडल प्रदान किया गया. वहीं अभिषेक पटेल को नवोदय विद्यालय में चयनित होने पर विशेष रूप से सम्मानित किया गया. निदेशक प्रदीप कुमार ने कहा कि संस्थान में नवोदय, नेतरहाट व सैनिक स्कूल की तैयारी कराई जाती है. उन्होंने कहा कि सच्ची लगन और मेहनत से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है. बताया कि संस्थान हर वर्ष बेहतर परिणाम देकर क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना रहा है. शिक्षक ललेश कुमार व निरंजन कुमार सहित अन्य ने सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की. वहीं छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय कोचिंग संस्थान के शिक्षकों को दिया.

15 बच्चों पर चल रहा सरकारी स्कूल, लाखों खर्च के बावजूद शिक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बरवाडीहः-बरवाडीह प्रखंड के उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय छेचानी टोला की स्थिति शिक्षा विभाग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। कक्षा 1 से 5 तक संचालित इस विद्यालय में महज 15 बच्चे ही नामांकित हैं, जबकि यहां दो पारा शिक्षक कार्यरत हैं। इतने कम बच्चों के बावजूद विद्यालय पर हर साल सरकार के लाखों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, जिससे सरकारी संसाधनों के उपयोग को लेकर सवाल उठने लगे हैं।क्षेत्र में घटती छात्र संख्या और कमजोर उपस्थिति ने शिक्षा व्यवस्था की जमीनी हकीकत को उजागर कर दिया है। नामांकन संख्या बेहद कम होने के कारण विद्यालय का शैक्षणिक माहौल भी प्रभावित हो रहा है, जिससे बच्चों की पढ़ाई पर सीधा असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।इस संबंध में प्रभारी बीईईओ राजश्री पूरी ने कहा कि विद्यालय में कम छात्र संख्या और अनियमित उपस्थिति का मामला गंभीर है। उन्होंने कहा कि विभाग इस पर नजर बनाए हुए है और अभिभावकों को जागरूक करने के साथ-साथ बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित कराने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। वहीं, डीएसई गौतम साहू ने कहा कि यह विद्यालय पोषक क्षेत्र के अंतर्गत आता है और पोषक क्षेत्र के सभी बच्चों का नामांकन सुनिश्चित करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि यदि पोषक क्षेत्र के बच्चों को विद्यालय से नहीं जोड़ा जा रहा है, तो यह एक गंभीर विषय है और विभाग इस दिशा में आवश्यक कार्रवाई करेगा। ग्रामीणों का कहना है कि जब एक पूरे विद्यालय में केवल 15 बच्चे ही नामांकित हों और उस पर सरकार के लाखों रुपये खर्च हो रहे हों, तो यह व्यवस्था की प्रभावशीलता पर बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। स्थानीय लोगों ने इस मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने, पोषक क्षेत्र के बच्चों का सर्वे कराने तथा जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करने की मांग की है, ताकि सरकारी संसाधनों का सही उपयोग सुनिश्चित हो सके।